- एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन का इस्तीफा कमान मिस्त्री को - 12

- एलपीजी की बुकिंग सामान्य की ओर लेकिन स्थिति अब भी चिंताजनक - 12

- ऊर्जा उत्पादन अब राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला - 13

- रोहित और विराट की तरह संजू की जगह कोई नहीं ले सकता : रियान पराग - 14

आज का मौसम

27.0⁰ अधिकतम तापमान

17.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.13

सूर्यास्त 06.20

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

अयोध्या

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष द्वितीया 02:31 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 20 मार्च 2026, वर्ष 4, अंक 213, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

कच्चा तेल उबला, औंधे मुंह बाजार

पश्चिम एशिया में तेल व गैस संयंत्रों पर हमले से सहमा बाजार, 22 महीने की सबसे बड़ी गिरावट | क्रूड ऑयल की कीमत फिर से 116 डॉलर प्रति बैरल पहुंची, निवेशकों के 12 लाख करोड़ डूबे

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया में तेल एवं गैस संयंत्रों पर हमलों के कारण गुरुवार को कच्चे तेल के दाम में भारी उछाल आया। इस कारण स्थानीय शेयर बाजार में गुरुवार को तेज गिरावट आई और प्रमुख सूचकांक सवा तीन प्रतिशत से ज्यादा टूट गए। बीएसई सेंसेक्स ने 2,497 अंक का गोता लगा गया, जबकि एनएसई निफ्टी 775 अंक लुढ़क गया। इसके साथ बाजार में पिछले तीन दिन से जारी तेजी पर विराम लगा। भारी गिरावट से निवेशकों को 12.87 लाख करोड़ का नुकसान हुआ। पश्चिम एशिया संकट 28 फरवरी को शुरू होने के बाद से निवेशकों को 37 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो चुका है।

पश्चिम एशिया में तेल एवं गैस संयंत्रों पर हमलों के बाद कच्चे तेल के दाम में उछाल आने से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 2,497 अंक यानी 3.26% का गोता लगाकर 74,207.24 अंक पर बंद हुआ। जून, 2024 के बाद सेंसेक्स में एक दिन में यह सबसे बड़ी गिरावट है। कारोबार के दौरान, यह 2,753.18 अंक टूटकर 73,950.95 अंक पर आ गया था। पचास शेयरों पर आधारित निफ्टी भी 775.65 अंक यानी 3.26% टूटकर 23,002.15 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले, पिछले तीन कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स 2,140 अंक चढ़ा था जबकि निफ्टी में 626 अंक की तेजी रही थी। एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद बैंक का शेयर 5.13 प्रतिशत नीचे आ गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 6.75 प्रतिशत चढ़कर 114.8 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई। यह वृद्धि कतर में एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक गैस संयंत्र और कुवैत में दो तेल रिफाइनरियों पर ईरान के हमले के बाद हुई। ईरान ने गुरुवार को अपने पड़ोसी देशों के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले तेज कर दिए। उसने लाल सागर स्थित सऊदी अरब की एक रिफाइनरी को निशाना बनाया और कतर के एलएनजी संयंत्रों और कुवैत की दो तेल रिफाइनरियों पर भी हमले किए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी भारी गिरावट आई।

चांदी में 17,800 की गिरावट सोना 7,000 रुपये लुढ़का

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतें 17,800 रुपये लुढ़ककर 2.38 लाख प्रति किलोग्राम रह गईं, जबकि बाजारों में भारी बिकवाली के चलते सोने की कीमत 7,000 रुपये के नुकसान के साथ 1.53 लाख प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत 17,800 रुपये या लगभग सात प्रतिशत गिरकर 2,38,700 प्रति किग्रा (सभी करों सहित) रह गई, जो बुधवार को बंद हुई कीमत 2,56,500 रुपये से काफी कम है। चांदी अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 4,04,500 रुपये प्रति किग्रा से 1,65,800 रुपये या 41 प्रतिशत तक नीचे आ चुकी है।

पश्चिम एशिया में ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमलों को भारत ने अत्यंत चिंताजनक बताया

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में गैस भंडारण केंद्रों पर ताजा हमलों से पैदा चिंताओं के बीच भारत ने गुरुवार को कहा कि ऐसे हमले अस्वीकार्य हैं और इन्हें रोका जाना चाहिए। भारत ने इन हमलों को अत्यंत परेशान करने वाला बताया और कहा कि ये पहले से ही अनिश्चितता से गुजर रहे वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र को और अधिक अस्थिर करेंगे। ईरान ने अपने साउथ पार्स गैस क्षेत्रों पर इजराइल के हमलों के जवाब में रास लाफान में कतर के एलएनजी केंद्र सहित पश्चिम एशिया के कई ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत ने इससे पहले पूरे क्षेत्र में नागरिक बुनियादी ढांचे, जिसमें ऊर्जा बुनियादी ढांचा भी शामिल है, को निशाना बनाने से बचने का आह्वान किया था। इस क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हालिया हमले अत्यंत परेशान करने वाले हैं।

यूएई-कतर के तेल और गैस संयंत्र पर ईरानी वार से चौतरफा मचा हाहाकार

दुबई, एजेंसी

कतर के रास लफ्फान गैस प्लांट पर धधकती आग।

- इजराइल पर हमले के बाद चार खाड़ी देशों को बनाया निशाना कतर का रास लफ्फान गैस प्लांट दहला
- ईरान की धमकी एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमला किया तो और बड़े हमले करेंगे

ईरान ने अपने एक प्रमुख गैस फील्ड पर इजराइल के हमले के जवाब में गुरुवार को चार से अधिक खाड़ी देशों में तेल और गैस के प्रतिष्ठानों पर हमले किए। ईरान के इस वार से वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित होने लगी है। इन हमलों के बाद ईंधन के दामों में तेजी से वृद्धि हुई और ईरान के पड़ोसी अरब देशों के सीधे संघर्ष के दायरे में आने का खतरा बढ़ गया है। ईरान ने कतर के रास लफ्फान गैस प्लांट पर हमले किए। होर्मुज में ईरान के अवरोधों के कारण पहले से दबाव में बनी हुई वैश्विक आपूर्ति ईरान के इन हमलों से और अधिक दबाव में आ रही है।

इस क्षेत्र में संयुक्त अरब अमीरात के तट के पास एक जहाज में आग लगा दी गई और कतर के पास एक अन्य जहाज क्षतिग्रस्त हो गया। एक ईरानी ड्रोन से लाल सागर में स्थित सऊदी अरब की एक रिफाइनरी को निशाना बनाया गया। इजराइल और अमेरिका द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर हमलों के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमत 116 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई।

वहीं, कतर, सऊदी व संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान के हमलों की निंदा की। अरब लीग के महासचिव अहमद अबूल घीत ने इसे खतरनाक तरीके से उकसावे वाला बताया। सऊदी अरब ने बताया कि एक ड्रोन ने लाल सागर के किनारे स्थित बंदरगाह शहर यानबू में देश की एसएएमआरईएफ रिफाइनरी पर गुरुवार को हमला किया। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है लेकिन उसने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया।

ट्रंप का आश्वासन- गैस क्षेत्र पर नहीं करेंगे हमले

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आश्वासन दिया कि इजराइल ईरान के प्रमुख गैस क्षेत्र 'साउथ पार्स' पर और हमले नहीं करेगा लेकिन उन्होंने साथ ही कहा कि अगर ईरान ने कतर पर फिर हमला किया तो अमेरिका जवाबी कार्रवाई करेगा और उस पूरे क्षेत्र को उड़ा देगा। वैश्विक ऊर्जा बाजारों में उथल-पुथल और कतर पर ईरानी मिसाइल हमलों के बीच ट्रंप ने बुधवार रात सोशल मीडिया पर यह टिप्पणी की। ट्रंप ने कहा, मैं इस पैमाने की हिंसा और विनाश की अनुमति नहीं देना चाहता क्योंकि इसका ईरान के भविष्य पर दीर्घकालिक असर पड़ेगा।

पेंटागन ने 200 अरब डॉलर का अतिरिक्त कोष मांगा

उधर पेंटागन ने ईरान युद्ध के लिए 200 अरब डॉलर का अतिरिक्त कोष मांगा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इजराइल के हमलों में ईरान के खुफिया मंत्री की मौत हो गई है। इजराइल ने शीर्ष ईरानी नेतृत्व के खिलाफ अपना अभियान जारी रखते हुए बुधवार को ईरान के अपतटीय प्राकृतिक गैस क्षेत्र पर कथित तौर पर हमला किया जिससे क्षेत्र की आर्थिक जीवनरेखा यानी ऊर्जा पर दबाव और बढ़ गया।

ब्रीफ न्यूज

अहमदाबाद में 2.38 करोड़ रुपये मूल्य के जाली नोट जब्त

अहमदाबाद। अहमदाबाद पुलिस ने 2.38 करोड़ रुपये अंकित मूल्य के उच्च गुणवत्ता वाले भारतीय जाली नोट जब्त किए हैं और इस सिलसिले में सात लोगों को पकड़ा गया है। अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में मिली एक सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा ने सूरत के एक योग शिक्षक सहित आरोपियों को उस समय पकड़ा जब वे बुधवार को यहां पहुंचे। आरोपियों के पास से 500 रुपये के 42,000 जाली नोट जब्त किए गए। पुलिस उपायुक्त सभी आरोपी एक एसयूवी में यह जाली नोट लेकर आए थे। वाहन को अमराईवाड़ी इलाके के पास रोका गया और नोट बरामद किए।

अक्षय तृतीया पर 12:15 बजे खुलेंगे गंगोत्री धाम के कपाट

उत्तरकाशी। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा की तैयारियों के बीच आस्था के प्रमुख केंद्र गंगोत्री धाम के कपाट आगामी 19 अप्रैल अक्षय तृतीया के दिन दोपहर 12:15 बजे विधिविधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। गंगोत्री मंदिर समिति ने चैत्र नवरात्र के दौरान पंचांग के अनुसार तिथि और समय की औपचारिक घोषणा कर दी है।

राष्ट्रपति ने की श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना

- राज्यपाल व मुख्यमंत्री के साथ किए रामलला के दर्शन, चरणों में झुकाया शीश
- आज अयोध्या में होना मेरे जीवन का कृतार्थ करने वाला पल : मुर्मू

अयोध्या कार्यालय

राम मंदिर के द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र का पूजन अर्चन करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

अमृत विचार : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को हिंदू नववर्ष के आगमन व चैत्र नवरात्र के पहले दिन श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना की। उन्होंने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी के साथ रामलला के चरणों में शीश झुकाकर व आरती उतारकर श्रद्धा निवेदित की। मंदिर परिसर में सभी देवों के समक्ष शीश झुकाया।

दर्शन-पूजन के बाद राष्ट्रपति ने भावुक होकर कहा, श्रीराम की मेरे ऊपर बहुत कृपा है। आज अयोध्या में होना मेरे जीवन का कृतार्थ करने वाला पल है। उन्होंने प्रभु राम से देश की समृद्धि, शांति और नागरिकों की भलाई की प्रार्थना की। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के द्वितीय तल पर श्रीरामयंत्र की विधिवत प्रतिष्ठापना की। श्रीराम यंत्र दो वर्ष पूर्व जगद्गुरु शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती महाराज द्वारा शोभायात्रा के माध्यम से अयोध्या भेजा गया था। वैदिक गणित और ज्यामितीय आकृतियों पर आधारित यह यंत्र देवताओं का निवास माना जाता है, जो सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित करने की क्षमता रखता है। दक्षिण भारत, काशी, अयोध्या के आचार्यों द्वारा मंदिर में श्रीराम यंत्र के लिए नौ दिवसीय वैदिक अनुष्ठान पहले से ही शुरू हो चुका था। राष्ट्रपति ने राम परिवार की मध्याह्न आरती में भी भाग लिया। मंदिर परिसर का भ्रमण कर वहां नक्काशियों और रामायण के दृश्यों को बड़े ध्यान से देखा। उन्होंने निर्माण में लगे कर्मयोगियों से भी मुलाकात की और उनकी मेहनत की सराहना की। कार्यक्रम में मां अमृतानंदमयी, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, सदस्य गोपाल जी समेत बड़ी संख्या में संत-महंत आदि मौजूद रहे।

सनातन विरोध वाले स्थानों पर नहीं जाती वर्तमान पीढ़ी : योगी

अयोध्या। वर्तमान पीढ़ी नववर्ष पर ऐसे किसी टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर नहीं जाती, जहां सनातन के विरोध में कोई कार्य हो रहा है। वह नए वर्ष पर परिवार के साथ मंदिर जाती है। ये बातें गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। वे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सबसे पहले प्रदेशवासियों को भारतीय नवसंवत्सर की शुभकामना दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरयू मैया अयोध्या धाम को पवित्र करते हुए अपने निर्मल जल से पूरे क्षेत्र को पवित्र करती हैं। रामराज्य की अनुभूति का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में युद्ध चल रहे हैं और हम श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना कार्यक्रम में सहभागी बन रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व-मार्गदर्शन में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन, श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, रामदरबार के पवित्र विग्रह की स्थापना, ध्वजा आरोहण और आज श्रीराम यंत्र की स्थापना का कार्यक्रम हर सनातन धर्मावलंबी व सच्चे भारतीय को आनंद से विभोर कर देता है और यही भारत की आस्था है। उन्होंने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा, कहा कि आस्था को अंधविश्वास कहकर अपमानित किया गया था।

- मुख्यमंत्री ने कहा- अब नए वर्ष पर परिवार के साथ मंदिर जाते हैं लोग

पीएम मोदी ने कई वैश्विक नेताओं से की बात

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट

- फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों, ओमान के सुल्तान, मलेशिया के पीएम से बातचीत में शांति बहाल करने का किया समर्थन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक और अपने मलेशियाई समकक्ष अनवर इब्राहिम से बात की तथा उनके साथ पश्चिम एशिया में स्थिति पर चर्चा की। मोदी ने क्षेत्र में संघर्ष को कम करने और उसके बाद शांति व स्थिरता बहाल करने का समर्थन किया।

मोदी ने एक पोस्ट में कहा, मैंने अपने प्रिय मित्र राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से पश्चिम एशिया की स्थिति पर, और तनाव कम करने की तत्काल आवश्यकता के साथ-साथ संवाद और कूटनीति की ओर लौटने के बारे में बात की। हम क्षेत्र और उससे परे शांति व स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए अपने घनिष्ठ समन्वय को जारी रखने को उत्सुक हैं। यह भी कहा कि उन्होंने अपने भाई सुल्तान हैथम बिन तारिक के साथ सार्थक बातचीत की और ओमान के लोगों को ईद की शुभकामनाएं दीं। मोदी ने कहा, हम (क्षेत्र में) तनाव कम करने और उसके बाद शांति व स्थिरता बहाल करने के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर सहमत हुए। प्रधानमंत्री ने ओमान की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की भारत द्वारा की गई निंदा को दोहराया और भारतीय नागरिकों सहित हजारों लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, भारत और ओमान होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित और निर्बाध नौवहन के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इब्राहिम के साथ बातचीत में, मोदी ने ईद को लेकर अपने मलेशियाई समकक्ष और मलेशिया के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, हमने पश्चिम एशिया में बेहद चिंताजनक स्थिति पर भी चर्चा की और संवाद और कूटनीति के माध्यम से तनाव कम करने और शांति व स्थिरता की शीघ्र बहाली के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया। 28 फरवरी को शुरू हुए इस युद्ध के बाद से ओमान के सुल्तान के साथ मोदी ने दूसरी बार बातचीत की।

म्यामार से भारत में घुसने पर सात लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। मिजोरम की खुली सीमा के रास्ते अवैध रूप से भारत में दाखिल होने के बाद कुछ वांछित व्यक्तियों की भागने की कोशिश करने की गुप्त सूचना मिलने पर सुरक्षा एजेंसियों ने अलर्ट जारी किया जिसके बाद एक अमेरिकी सुरक्षा विश्लेषक समेत सात विदेशियों को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने कहा कि इस गिरफ्तारी से भारत की पूर्वोत्तर सीमा पर गंभीर सुरक्षा कमजोरियां उजागर हुई हैं।

2,929 करोड़ के धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी से आठ घंटे पूछताछ

नई दिल्ली। सीबीआई ने अनिल अंबानी से रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड और उनके खिलाफ एसबीआई की शिकायत पर दर्ज 2,929 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले के सिलसिले में गुरुवार को करीब आठ घंटे पूछताछ की।

- सीबीआई ने शुक्रवार को फिर से बुलाया, नई दिल्ली मुख्यालय में की गई पूछताछ

सीबीआई के कई मामलों का सामना कर रहे अंबानी को पूछताछ के लिए शुक्रवार को फिर से बुलाया गया है। अंबानी सुबह 10:15 बजे एजेंसी के नई दिल्ली मुख्यालय पहुंचे। वह शाम 6:15 बजे एजेंसी मुख्यालय से बाहर आए। सीबीआई के ने कहा, 21 अगस्त 2025 को आरकॉम लिमिटेड के खिलाफ 2929.05 करोड़ के बैंक धोखाधड़ी मामले में सीबीआई द्वारा दर्ज मामले के सिलसिले में, जिसमें रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, अनिल अंबानी और अज्ञात लोक सेवकों सहित अन्य अज्ञात लोग आरोपी हैं।

दो लाख आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का 8 से 11 हजार रुपये बढ़ा वेतन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीएम योगी की घोषणा अप्रैल से होगी लागू, ईपीएफ व ईएसआई भी
- अब चपरासी को 18 हजार तो प्रोग्रामर का 37,400 हुआ मानदेय

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी की घोषणा के मुताबिक सरकार ने आउटसोर्सिंग के जरिए कार्यरत करीब दो लाख कर्मचारियों के मानदेय में बड़ा इजाफा किया है। अब विभिन्न पदों पर कर्मचारियों को पहले की तुलना में आठ से 11 हजार तक अधिक वेतन सीधे उनके खाते में जाएगा। ईपीएफ व ईएसआई का लाभ भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने पहले ही विधानसभा में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का मानदेय बढ़ाने का एलान किया था। अब इसे अमल में लाते हुए नई दरें जारी कर दी गई हैं। नई व्यवस्था के तहत चपरासी, चौकीदार और अनुसेवक का मानदेय 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये कर दिया गया है। वहीं, अनुवादक, कंप्यूटर सहायक व डेटा एंट्री ऑपरेटर को अब 14 हजार के बजाय 23 हजार मिलेंगे। तकनीकी पदों पर भी अच्छी बढ़ोतरी की गई है। सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर और सीनियर प्रोग्रामर का वेतन 28 हजार से बढ़ाकर 37,400 रुपये कर दिया गया है। स्टेटिकल ऑफिसर और प्रोग्रामर को अब 29,900 मिलेंगे, सीनियर डेटा एंट्री ऑपरेटर का मानदेय 21 हजार से बढ़ाकर 31,900 रुपये कर दिया गया है। बढ़ा हुआ मानदेय अप्रैल महीने से लागू होगा। साथ ही कर्मचारियों को 13% ईपीएफ व 3.25 प्रतिशत ईएसआई का लाभ भी दिया जाएगा, जिससे सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। विभागीय बजट में 426 करोड़ की बढ़ोतरी करते हुए कुल 2223.84 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

शिक्षा और स्वास्थ्य

जारी नई दरों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को भी शामिल किया गया है। नियुक्त डॉक्टरों को अब अधिकतम 40 हजार रुपये तक वेतन मिलेगा, जबकि शिक्षण सेवाओं में लगे कर्मियों को 25 हजार रुपये तक भुगतान किया जाएगा।

एडीआर रिपोर्ट | दागी और धनवान सांसदों की बढ़ी हिस्सेदारी, 32% पर आपराधिक मामले, 14% अरबपति

राज्यसभा के 73 सांसदों पर दर्ज हैं आपराधिक मुकदमे

नई दिल्ली, एजेंसी

चुनाव सुधारों से संबंधित गैर-सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार राज्यसभा के लगभग 32 प्रतिशत मौजूदा सांसदों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की घोषणा की है, जबकि इनमें से 14 प्रतिशत अरबपति हैं। यह रिपोर्ट राज्यसभा के 233 सदस्यों में से 229 के हलफनामों के विश्लेषण पर आधारित है।

फिलहाल झारखंड की एक सीट खाली है, जबकि तीन सांसदों के हलफनामे उपलब्ध नहीं थे। इस विश्लेषण में हाल में निर्वाचित 37 सदस्य भी शामिल हैं। जिन 229 सांसदों के दस्तावेजों का विश्लेषण किया गया है, उनमें से 73 (32 प्रतिशत) ने आपराधिक मामलों की घोषणा की है। उनमें से 36 (16 प्रतिशत) गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं।

भाजपा	27
कांग्रेस	12
तृणमूल	4
आप	4

- इन पार्टियों के सांसदों ने आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की

एक सांसद ने हत्या का मामला, चार ने हत्या के प्रयास का मामला और तीन ने महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामले दर्ज होने के बारे में जानकारी दी हैं। भाजपा के 99 सांसदों में से 27, कांग्रेस के 28 सांसदों में से 12, तृणमूल कांग्रेस के के 13 सांसदों में से चार और आम आदमी पार्टी के 10 सांसदों में से चार ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के तीन-तीन सांसदों ने भी आपराधिक मामलों का खुलासा किया है।

राज्यसभा सदस्य की औसत संपत्ति 120.69 करोड़ रुपये आंकी गई

रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि 31 सांसदों (14 प्रतिशत) की कुल संपत्ति अरबों में है। प्रमुख पार्टियों में, भाजपा के छह सांसदों, कांग्रेस के पांच सांसदों, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के चार सांसदों, आम आदमी पार्टी और बीआरएस के दो-दो सांसदों और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के तीन सांसदों ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है। राज्यसभा में सदस्य की औसत संपत्ति 120.69 करोड़ रुपये आंकी गई है। भाजपा के मामले में प्रति सांसद औसत संपत्ति 28.29 करोड़ रुपये है जबकि कांग्रेस के लिए 128.61 करोड़ रुपये, तृणमूल के लिए 17.70 करोड़ रुपये और आम आदमी पार्टी के लिए 574.09 करोड़ रुपये है। अन्य दलों में वाईएसआरसीपी (522.63 करोड़ रुपये), समाजवादी पार्टी (399.71 करोड़ रुपये), बीजू जनता दल (105.63 करोड़ रुपये) और द्रमुक (11.90 करोड़ रुपये) शामिल हैं। बीआरएस सांसद बंडी पार्थ सारथी ने सबसे अधिक करीब 5,300 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। इसके बाद आम आदमी पार्टी के राजेंद्र गुप्ता (5,053 करोड़ रुपये) और वाईएसआरसीपी के अयोध्या रामी रेड्डी आला (2,577 करोड़ रुपये) दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

अमृत विचार

अयोध्या, शुक्रवार, 20 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

अब तीन सदस्यीय समिति करेगी विवादों का निस्तारण

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. परिवहन निगम ने संविदा चालकों और परिचालकों से जुड़े विवादों के निस्तारण को तेज करने के लिए आर्बिट्रेशन व्यवस्था में बदलाव किया है। अब तक 5 सदस्यीय आर्बिट्रेशन समिति के स्थान पर 3 सदस्यीय समिति का गठन किया जाएगा। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि संविदा कर्मियों से जुड़े मामलों की संख्या बढ़ने और उनके निस्तारण में देरी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। नई व्यवस्था से मामलों का जल्द निपटारा संभव हो सकेगा। उन्होंने बताया कि पहले नियमानुसार पांच सदस्यीय समिति बनाई जाती थी, जिसमें क्षेत्रीय प्रबंधक, सेवा प्रबंधक, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (वित्त), वरिष्ठतम सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक और सहायक विधि अधिकारी शामिल होते थे। नई व्यवस्था के तहत अब क्षेत्रीय प्रबंधक के साथ उपरोक्त अधिकारियों में से किसी दो को शामिल कर तीन सदस्यीय समिति बनाई जाएगी। इससे प्रक्रिया सरल होगी और निर्णय लेने में कम समय लगेगा।

डॉ.हेडगेवार की जयंती पर केशव प्रसाद मौर्य ने दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर डॉ. हेडगेवार के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. हेडगेवार का पूरा जीवन राष्ट्रसेवा, संगठन शक्ति और सांस्कृतिक जागरण को समर्पित रहा। उनके विचार आज भी देश को एक सशक्त, संगठित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि समाज में एकता, समरसता और राष्ट्रहित सर्वोपरि की भावना को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। केशव प्रसाद मौर्या ने लोगों से आह्वान किया कि डॉ. हेडगेवार के आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें।

सुधरी बच्चों की पोषण स्थिति, 1.43 करोड़ का परीक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में बच्चों की पोषण स्थिति में सुधार के सकारात्मक संकेत मिले हैं। आंगनबाड़ी केंद्रों के पोषण ट्रैकर आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2026 के मुकाबले फरवरी 2026 में स्टंटिंग में 1.21 प्रतिशत, अति कुपोषित बच्चों में 0.12 प्रतिशत और अंडरवेट श्रेणी में 0.61 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। फरवरी में प्रदेशभर में बड़े स्तर पर चलाए गए अभियान के तहत 1.43 करोड़ से अधिक बच्चों का परीक्षण किया गया। छह वर्ष तक के बच्चों की लंबाई, वजन और आयु के आधार पर उनकी पोषण स्थिति का आकलन किया गया, जिससे कुपोषण की सटीक पहचान संभव हो सकी।

होम-स्टे संचालकों को मिला प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में पर्यटन को नई दिशा देने के प्रयासों के तहत मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट (एमकेआईटीएम) में होम-स्टे संचालकों के लिए पांच दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 16 से 20 मार्च तक चल रहे इस कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 31 प्रतिभागियों को आधुनिक आतिथ्य सेवाओं और प्रबंधन की बारीकियां सिखाई जा रही हैं।

हज यात्रा: पासपोर्ट जमा करने की बाध्यता खत्म

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नई गाइडलाइन जारी, फ्लाइट बुकिंग के लिए पोर्टल सुविधा

अमृत विचार: हज-2026 पर जाने वाले यात्रियों की यात्रा को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए हज कमेटी ऑफ इंडिया ने सर्कुलर-34 जारी कर नई गाइडलाइन लागू की है। उप्र. राज्य हज समिति के सचिव/कार्यपालक अधिकारी एसपी तिवारी ने बताया कि इस बार पासपोर्ट पहले से जमा करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। यात्री अपने मूल अंतरराष्ट्रीय पासपोर्ट को सुरक्षित रखें और फ्लाइट बुकिंग के समय अपने साथ लेकर जाएं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पासपोर्ट की वैधता 31 दिसंबर 2026 तक होना अनिवार्य है। पासपोर्ट क्षतिग्रस्त, कटा-फटा या दागयुक्त नहीं होना चाहिए और वीजा स्टैंपिंग के लिए कम-से-कम दो खाली पन्ने होना जरूरी है। पासपोर्ट का विवरण हज आवेदन से मेल खाना चाहिए, अन्यथा यात्रा बाधित हो सकती है। फ्लाइट बुकिंग अब हज कमेटी ऑफ इंडिया के पोर्टल के माध्यम से होगी। यात्रियों को यात्रा से पहले पासपोर्ट, हेल्थ कार्ड, टीकाकरण प्रमाणपत्र, बैंक रसीद और बुकिंग कन्फर्मेशन की जांच करने की सलाह दी गई है।

अपराध पर ब्रेक लगाएंगी पांच नई प्रयोगशालाएं

यूपीएसआईएफएस में स्थापित होगी प्रयोगशाला, क्वांटम व डिजिटल फॉरेंसिक के जरिए होगी जांच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केस निस्तारण तेज, दोषियों को जल्द सजा दिलाने में मिलेगी मदद

अमृत विचार: योगी सरकार अपराध के बदलते तौर-तरीकों पर लगाम लगाने के लिए फॉरेंसिक सिस्टम को हाईटेक बनाने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज (यूपीएसआईएफएस) में पांच नई अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित की जाएंगी।

इनमें क्वांटम कंप्यूटिंग लैब, चैलेंज्ड ऑडियो-वीडियो लैब, थ्री-डी प्रिंटिंग लैब, एससीएडीए लैब और डिजिटल फॉरेंसिक लैब शामिल हैं। इन लैब्स के जरिए

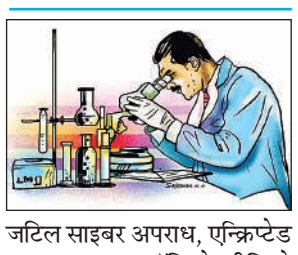

जटिल साइबर अपराध, एन्क्रिप्टेड डाटा, खराब ऑडियो-वीडियो साक्ष्य और डिजिटल उपकरणों से जुड़े मामलों की जांच अधिक सटीक और तेज होगी। यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज के निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी के अनुसार, क्वांटम लैब जटिल डाटा एनालिसिस और साइबर अपराध जांच में मदद करेगी, जबकि ऑडियो-वीडियो लैब कमजोर साक्ष्यों को स्पष्ट कर सकेगी। थ्री-डी प्रिंटिंग लैब अपराध स्थल के मॉडल तैयार करने में सहायक होगी और एससीएडीए लैब औद्योगिक व महत्वपूर्ण ढांचे पर साइबर हमलों की जांच में उपयोगी साबित होगी। डिजिटल फॉरेंसिक लैब से मोबाइल और कंप्यूटर डाटा रिकवरी की क्षमता भी बढ़ेगी।

पहले से संचालित पांच एडवांस्ड लैब्स के साथ ये नई सुविधाएं प्रदेश की जांच प्रणाली को और मजबूत करेंगी। इससे केसों के निस्तारण में तेजी आएगी, साक्ष्य मजबूत होंगे और दोषियों को जल्द सजा दिलाने में मदद मिलेगी।

क्या बदलेगा

- साइबर अपराध और एन्क्रिप्टेड डाटा की तेज व सटीक जांच
- खराब ऑडियो-वीडियो साक्ष्यों को स्पष्ट करने की सुविधा
- थ्री-डी मॉडल से क्राइम सीन का बेहतर पुनर्निर्माण
- औद्योगिक व महत्वपूर्ण ढांचे पर साइबर हमलों की पड़ताल
- मोबाइल, कंप्यूटर से डाटा रिकवरी और डिजिटल जांच मजबूत
- वैज्ञानिक साक्ष्य आधारित जांच से केस मजबूत, सजा की दर बढ़ेगी

जांच के लिए प्रशिक्षित हो रही एजेंसियां

पुलिस और जांच एजेंसियों को वैज्ञानिक साक्ष्य आधारित जांच के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे अपराधियों के खिलाफ मजबूत केस तैयार किए जा सकें। योगी सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश में न्याय प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाया जाए। नई लैब्स के शुरू होने से केसों के निस्तारण में तेजी आएगी और दोषियों को जल्द सजा दिलाने में मदद मिलेगी। साथ ही, इससे प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने में भी योगदान मिलेगा।

बैंक अफसरों के ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी

प्रधानमंत्री मुद्रा लोन के नाम पर 2.77 करोड़ का घोटाला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बैंक ऑफ इंडिया के मैनेजर व फील्ड अफसर समेत 44 पर कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुई थी रिपोर्ट

अमृत विचार: सीबीआई ने बाराबंकी स्थित बैंक ऑफ इंडिया में प्रधानमंत्री मुद्रा लोन के नाम पर 2.77 करोड़ के घोटाले में सीबीआई सक्रिय हो गई। सीबीआई की टीमों ने तत्कालीन बैंक मैनेजर अमन वर्मा और फील्ड अफसर शैलेंद्र प्रताप के लखनऊ और मैनपुरी के पांच ठिकानों पर छापेमारी की। वहां पर टीम ने आवश्यक दस्तावेज बरामद किए हैं।

मामला तीन वर्ष पुराना है। प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना में दस लाख तक बेरोजगारों को कारोबार शुरू करने के लिए ऋण देने की सुविधा है। इस मामले में बाराबंकी की बैंक ऑफ इंडिया की बरौली

मलिक शाखा में मुद्रा लोन देने के नाम पर 2.77 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया। आरोप है कि 41 लोगों के नाम से खाते खोले गए। उसके बाद दलाल सुरेश रावत के जरिए फर्जी तौर पर खाते खोलकर उनके खातों में घोटाले की रकम को ट्रांसफर कर दिया गया। एक युवक सलमान के नाम से भी फर्जी तौर पर 9.10 लाख रुपये का मुद्रा लोन स्वीकृत किया गया।

इस मामले में बैंक मैनेजर राजीव बच्चन ने पहले पुलिस में तहरीर दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उसके बाद बैंक की ओर से मामला हाईकोर्ट जा पहुंचा। अदालत में सलमान ने भी अपने बयान दर्ज कराए गए। अदालत के आदेश पर बैंक मैनेजर, फील्ड अधिकारी व दलाल समेत 44 लोगों पर मुकदमा कायम करा दिया गया। उसके बाद सीबीआई सक्रिय हुई और छापेमारी शुरू कर दी। सूत्रों का दावा है कि छापे में सीबीआई को घोटाले के अहम साक्ष्य मिले हैं।

ट्रांफार्मर फुंकने पर होगी कार्रवाई और वेतन से रिकवरी

अधिशासी अभियंता से 20, एसडीओ से 30 और जेई से वसूले जाएंगे 50 फीसदी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पावर कारपोरेशन के चेयरमैन आशीष गोयल के आदेश से मची विभाग में खलबली

अमृत विचार: पावर कारपोरेशन ने बिजली ट्रांसफार्मर फुंक जाने पर उनकी मरम्मत का खर्च क्षेत्र के एसडीओ और जूनियर इंजीनियर से वसूला जाएगा। जूनियर इंजीनियर को मरम्मत का 50, एसडीओ को 30 और अधिशासी अभियंता को भी 10 फीसदी धन देना होगा। साथ ही विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी। इस आदेश के बाद विभाग में खलबली का माहौल है, वहीं इंजीनियरों में भी खासा रोष व्याप्त है।

गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है तो ट्रांसफार्मरों पर बिजली का लोड बढ़ता जा रहा है। हालात यह हो गए हैं कि प्रदेश भर में आए दिन हजारों ट्रांसफार्मर फुंक रहे हैं। जिसके चलते मरम्मत पर पावर कारपोरेशन का काफी धन खर्च हो रहा है। पावर कारपोरेशन के चेयरमैन आशीष गोयल ने फुंकने वाले ट्रांसफार्मर की मरम्मत पर होने वाले खर्च को क्षेत्र के अधिशासी अभियंता, एसडीओ और जूनियर इंजीनियरों से रिकवरी करने के आदेश जारी किया है।

इस तरह होगी वसूली

आदेश में कहा गया है कि यदि 10 से 63 केवीए तक के ट्रांसफार्मर यदि फुंकते हैं तो उसकी मरम्मत पर होने वाला 50 फीसदी खर्चा क्षेत्र का जूनियर इंजीनियर, 30 फीसदी एसडीओ और 20 फीसदी अधिशासी अभियंता देंगे। इसी तरह 100 से लेकर 250 केवीए के ट्रांसफार्मर की मरम्मत पर जूनियर इंजीनियर और एसडीओ से 40-40 और अधिशासी अभियंता से 20 फीसदी धन वसूला जाएगा। 400 से 1000 केवीए के ट्रांसफार्मर की मरम्मत पर जूनियर इंजीनियर, एसडीओ और अधिशाषी अभियंता को 30-30 और अधीक्षण अभियंता से दस फीसदी रकम वसूल की जाएगी।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने जताया रोष

इंजीनियरों से मरम्मत की वसूली के आदेश पर विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति कड़ा रोष व्यक्त किया है। समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि यह दमनकारी कार्रवाई है, जिसके वह नहीं झुकेंगे। ट्रांसफार्मरों के फुंकने के अनेक तकनीकी कारण होते हैं, जिनमें ओवरलोडिंग प्रमुख है। ओवरलोडिंग की जिम्मेदारी शीर्ष प्रबंधन की होती है, क्योंकि पर्याप्त क्षमता के ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराना और लोड प्रबंधन करना उसी के दायरे में आता है। बिना किसी तकनीकी जांच के सामान्य आदेश के माध्यम से अभियंताओं पर आर्थिक दंड थोपना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने इस तरह के इंजीनियरों को प्रताड़ित करके प्रबंधन निजीकरण का रास्ता आसान करना चाह रहा। तुरंत ही इस आदेश को वापस लेना चाहिए।

भाजपा सरकार युवाओं के भविष्य से कर रही खिलवाड़ : अखिलेश यादव

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में पढ़े-लिखे युवा बेरोजगार हैं और उन्हें रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिल रहे हैं। सपा प्रमुख गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित कर रहे थे। सरकार स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी व्यवस्थाओं को संभालने में विफल रही है।

एलपीजी की कमी नहीं : सतीश चंद्र

अमृत विचार, लखनऊ : खाद्य तथा रसद एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के राज्यमंत्री सतीश चन्द्र शर्मा ने बताया कि प्रदेश में एलपीजी, डीजल और पेट्रोल की पर्याप्त उपलब्धता है और उपभोक्ताओं को समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। राज्य मंत्री, गुरुवार को सरकारी कार्यालय में खाद्य एवं रसद विभाग की समीक्षा बैठक में आपूर्ति व्यवस्था, राशन वितरण और गेहूं खरीद तैयारियों पर चर्चा कर रहे थे।

बदलाव : एसएनए प्रणाली से ही होगा धनावंटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सरकारी भुगतान में अब साइबर ट्रेजरी से आरबीआई तक डिजिटल ट्रैकिंग
- पारदर्शिता बढ़ेगी, देरी और गड़बड़ी पर लगेगा अंकुश

अमृत विचार: प्रदेश में विकास योजनाओं के भुगतान को अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए शासन ने नई व्यवस्था लागू कर दी है। वित्त विभाग की ओर से जारी शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि अब केंद्र प्रायोजित योजनाओं से जुड़े सभी भुगतान साइबर ट्रेजरी, पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (पीएफएमएस) और भारतीय रिजर्व बैंक के जरिए चरणबद्ध तरीके से होंगे।

वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव(एसीएस) दीपक कुमार के अनुसार, नई व्यवस्था के तहत विभागों के बिल पहले साइबर ट्रेजरी में प्रस्तुत कर पास किए जाएंगे। इसके बाद ई-क्लेम फाइल बनाकर पीएफएमएस को भेजा जाएगा। वहां से फाइल संबंधित मंत्रालय के प्रोग्राम डिवीजन को जाएंगी, जहां दैनिक स्वीकृति जारी होगी। स्वीकृति के बाद भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली के माध्यम से धनराशि संबंधित योजना खाते में ट्रांसफर की जाएगी और खाते में धन आने के बाद ही अंतिम भुगतान संभव होगा। एसीएस (वित्त) ने सभी विभागों को निर्देश दिया है कि इस प्रक्रिया का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। शासन का मानना है कि इससे भुगतान प्रणाली पूरी तरह डिजिटल, सुरक्षित और ट्रैकिंग योग्य बनेगी, जिससे अनियमितताओं और देरी पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा। साथ ही, यह व्यवस्था योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और जवाबदेही तय करने में भी अहम भूमिका निभाएगी।

मत्स्य पालन से जुड़ी महिलाओं को सशक्त बनाने को बदले गए नियम

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश सरकार ने मत्स्य पालन क्षेत्र में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए 'माता सुकन्या महिला मत्स्य पालक सशक्तिकरण परियोजना' के तहत संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम की ओर से जारी शासनादेश में योजना को अधिक प्रभावी और व्यावहारिक बनाने के लिए कई अहम बदलाव किए गए हैं। नई व्यवस्था के तहत परियोजना में चयन प्रक्रिया, पात्रता मानकों और कार्यान्वयन की प्रक्रिया को सरल किया गया है, ताकि अधिक से अधिक लाभार्थी जुड़ सकें। शासनादेश के अनुसार, योजना के तहत इकाई लागत करीब 3 लाख रुपये तय की गई है, जिसमें 60 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा।

गोवंश के छुट्टा घूमने पर लगेगी रोक

प्रदेशभर में 469 गाय संरक्षण केंद्रों का निर्माण पूरा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- चारे की व्यवस्था के लिए 25 मार्च तक निकाले जाएंगे टेंडर

अमृत विचार: प्रदेश भर में छुट्टा घूमने वाले गोवंश पर काफी हद तक आने वाले दिनों में लगाम लग सकेगी। सरकार ने 469 बड़े गो-संरक्षण केंद्रों का निर्माण पूर्ण हो गया है, जबकि 30 केंद्रों का लोकार्पण होना प्रस्तावित है। इसके अलावा 130 केंद्रों का 15 मई तक निर्माण पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने निर्देश दिए कि रबी फसल की कटाई शुरू हो गई है। इसलिए पशुओं को खिलाने को पूरे वर्ष के लिए भूसा

खरीद के लिए 25 मार्च टेंडर की प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाए। इसके साथ ही गर्मी और लू से बचाव के लिए गो आश्रय स्थलों में स्वच्छ पेयजल, चारा तथा त्रिपाल आदि की पर्याप्त व्यवस्थाएं भी कर ली जाएं।

प्रदेश में पशुओं की नस्ल सुधारने के लिए कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम में तेजी लाएं, वहीं बकरी पालने वाली जैसी लाभार्थी योजनाओं को तेजी से लागू किया जाए। पशु डाक्टर गो आश्रय स्थलों पर जाएं और गोवंश के उत्तम स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं औषधि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। जिन गौ आश्रय स्थलों में अव्यवस्था या गोवंश की देखभाल संबंधी कोई भी शिकायत मिले तो उसमें तत्काल सुधार किया जाए। बैठक में विभाग के अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम और पीसीडीएफ के एमडी वैभव श्रीवास्तव आदि अधिकारी मौजूद रहे।

विध्वंस के रहे सरकार के नौ वर्ष: अजय राय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पत्रकारों से संवाद करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व अन्य। अमृत विचार

- लोकार्पण के बाद ग्रीन कॉरीडोर की सड़क अगले दिन ही धंस गई
- भूमि विकास बैंक कर रहीं किसानों से सूदखोर जैसा व्यवहार

अमृत विचार: कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश सरकार के नौ साल पूरे होने पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार के नौ साल नव निमार्ण के नहीं, बल्कि विध्वंस के हैं। 15 मार्च को 1519 करोड़ की लागत से बने लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर का लोकार्पण होता है। लेकिन अगले ही दिन वह सड़क धंस जाती है। आगरा समेत प्रदेश भर की भूमि विकास बैंक किसानों से सूदखोर जैसे व्यवहार कर रही हैं। आलू किसान आत्महत्या करने की मजबूर हो रहे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष गुरुवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर पत्रकार वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कल सरकार के मुखिया बीते नौ वर्ष की उपलब्धियों का ढिंढोरा पीट रहे थे। यह बातें पूरी तरह से झूठी हैं। सूदखोरों का एक ऐसा मकड़जाल इस प्रदेश में फैला है। फतेहपुर के एक परिवार ने 5 लाख रुपये सूद पर लिए थे। बदले में 27 लाख 50 हजार देने के बाद भी तकादा जारी था। उत्पीड़न से परेशान परिवार ने आत्महत्या कर ली।

उन्होंने कहा कि रोजगार सेवक जिसने एसआईआर में दिन रात काम किया। लेकिन उसे मानदेय नहीं मिला। इसके कारण आत्महत्या कर ली। आरोप लगाया कि बदायूं के एचपीसीएल प्लांट में भाजपा के एक विधायक के गुर्गे द्वारा दो अधिकारियों की हत्या कर दी गई। काशी मणिकर्णिका घाट पर लगी महारानी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर विरासत की हत्या कर दी गई। आगरा समेत प्रदेश भर के सभी आलू किसान परेशान हैं। एक क्विंटल बुवाई की लागत 1200-1500 है,लेकिन दाम 200-300 रुपये प्रति क्विंटल ही मिल रहा है। इस दौरान आगरा के किसानों ने भूमि विकास बैंक द्वारा किए जा रहे अपने उत्पीड़न की कहानी बताई।

निरीक्षण

केंद्रीय सचिव ने लखनऊ में की स्किल इको-सिस्टम की समीक्षा

उद्योग आधारित प्रशिक्षण को और मजबूत करने पर जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आईटीआई अलीगंज में आधुनिक प्रशिक्षण मॉडल की सराहना

अमृत विचार : केंद्र सरकार की सचिव (व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता) देबाश्री मुखर्जी ने गुरुवार को लखनऊ दौरे के दौरान उप्र. के स्किल इको-सिस्टम की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज का निरीक्षण कर वहां संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्थान में चल रहे विभिन्न ट्रेड्स और प्रशिक्षण मॉड्यूल की जानकारी ली और प्रशिक्षार्थियों से संवाद कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर फीडबैक भी प्राप्त किया। रेमंड टेलरिंग सेंटर सहित कई इकाइयों का अवलोकन करते हुए उन्होंने कौशल प्रशिक्षण की व्यवस्था की सराहना की।

सचिव मुखर्जी ने टाटा टेक्नोलॉजीज के सहयोग से स्थापित अत्याधुनिक लैब्स और कार्यशालाओं का निरीक्षण किया। साथ ही रॉयल एनफील्ड और मारुति सुजुकी के वर्कशॉप का दौरा कर उद्योगों की जरूरतों के

लखनऊ स्थित आईटीआई अलीगंज का निरीक्षण करतीं केंद्रीय सचिव देबाश्री मुखर्जी।

अनुरूप तैयार किए जा रहे युवाओं की सराहना की। ऑटोकैड लैब में प्रशिक्षार्थियों द्वारा तैयार की जा रही तकनीकी ड्रॉइंग को उन्होंने सराहा, वहीं टर्नर वर्कशॉप में भी विद्यार्थियों से बातचीत कर उनके अनुभव जाने। इस दौरान एचसीएल फाउंडेशन समर्थित 'स्किल रथ' पहल का भी अवलोकन किया गया, जिसे उन्होंने कौशल विकास से युवाओं को जोड़ने की प्रभावी पहल बताया।

समीक्षा बैठक में प्रदेश में चल रहे नवाचारों, अप्रेंटिसशिप योजनाओं और निजी क्षेत्र की भागीदारी पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। देबाश्री मुखर्जी ने उत्तर प्रदेश के स्किल मॉडल को देश के लिए मिसाल बताते हुए कहा कि राज्य रोजगारपरक प्रशिक्षण की दिशा में प्रभावी कार्य कर रहा है।

बागपत के खान अधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि

अमृत विचार, लखनऊ : बागपत में खनन कार्यों और राजस्व प्राप्ति में खराब प्रदर्शन और लापरवाही के चलते खान अधिकारी वीरेन्द्र प्रताप सिंह को वित्तीय वर्ष 2025-26 की मध्यावधि के लिए विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है। यह कार्रवाई गुरुवार को भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की सचिव एवं निदेशक माला श्रीवास्तव ने बागपत में खनन कार्यों और राजस्व प्रगति की समीक्षा के बाद की है। समीक्षा में पाया गया कि 42 करोड़ रुपये के लक्ष्य के सापेक्ष केवल 22.85 करोड़ रुपये की ही राजस्व प्राप्ति हुई। खनन पट्टों के निष्पादन में देरी, जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (डीएसआर) के अद्यतन में लापरवाही और संभावित खनन क्षेत्रों को शामिल न करने जैसी कमियां सामने आईं।

ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर खोलने को मांगे आवेदन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में योग्य चालकों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए परिवहन विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश के 20 जिलों में 32 प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केंद्र (ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर) स्थापित करने के लिए पहली अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं।

राज्य परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने गुरुवार को बताया कि आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी। इसके लिए विभाग ने एक विशेष पोर्टल विकसित किया है, जहां इच्छुक और पात्र आवेदक अपने आवेदन आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि आवेदन 1 अप्रैल 2026 को दोपहर 12 बजे से स्वीकार किए जाएंगे।

बलिया में सबसे ज्यादा खुलेंगे चार केंद्र

रिक्तियों की बात करें तो बलिया में सबसे अधिक 4 केंद्र खोले जाएंगे। कानपुर नगर और बदायूं में 3-3, जबकि महराजगंज, लखीमपुर खीरी, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर और बलरामपुर में 2-2 केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा रामपुर, हरदोई, फिरोजाबाद, अंबेडकरनगर, कुशीनगर, बहराइच, फर्रुखाबाद, चंदौली, फतेहपुर, महोबा, चित्रकूट और श्रावस्ती में 1-1 केंद्र खोले जाएंगे।

चैत्र नवरात्रि
की हार्दिक शुभकामनाएं
मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त
एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी
बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर" जी
के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित
एम. के.
बन्धानी हींग
श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर
विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज कानपुर 208001, फोन – 9519456555, 9695416555

एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बुके देकर स्वागत करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राम मंदिर परिसर में मौजूद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य एवं समारोह में मौजूद साधु-संत। अमृत विचार

श्रीराम मंदिर भारत के राष्ट्र मंदिर का बना प्रतीक : सीएम

अयोध्या कार्यालय।

कहा- दुनिया में तमाम युद्ध चल रहे हैं, अयोध्याधाम में लोग श्रीराम यंत्र की स्थापना कार्यक्रम में सहभागी बनकर रामराज्य की अनुभूति कर रहे हैं

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर भारत के राष्ट्र मंदिर का प्रतीक बन गया है। यह रामराज्य की आधारशिला भी है। दुनिया में तमाम युद्ध चल रहे हैं, अव्यवस्था, आर्थिक अराजकता, भय-आतंक है और अयोध्याधाम में हजारों की संख्या में उपस्थित हम लोग भयमुक्त होकर राष्ट्रपति के अभिवादन और श्रीराम यंत्र की स्थापना कार्यक्रम में सहभागी बनकर रामराज्य की अनुभूति कर रहे हैं।

वे गुरुवार को श्रीराम मंदिर परिसर में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने कहा कि भारत इसलिए भारत बना है, क्योंकि इसे ऋषि-मुनियों की तपस्या, अन्नदाता किसानों के परिश्रम, कारीगरों की उद्यमिता और भारत की आस्था ने सदैव 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के रूप में बनाए रखा। श्रीराम जन्मभूमि यज्ञ की पूर्णाहुति कार्यक्रम के साथ जुड़कर न केवल प्रदेशवासी, बल्कि देश-दुनिया के सनातन धर्मावलंबी के मन में भी आनंद की अनुभूति हो रही है।

इस दौरान राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मां अमृतानंदमयी (अम्मा), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक भैया जी, श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले कारीगरों के पारिवारिक सदस्यों समेत हजारों रामभक्त मौजूद रहे।

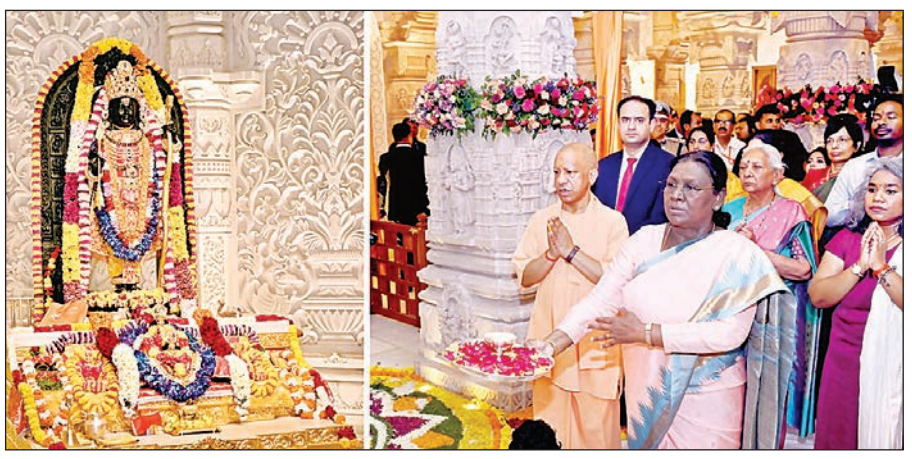

रामलला की आरती उतारतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, साथ में मौजूद राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने किया राष्ट्रपति का स्वागत

अयोध्या,अमृत विचार : चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रामनगरी पहुंचीं। यहां महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे।

2025 में 156 करोड़ श्रद्धालु आए उत्तर प्रदेश

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2025 में 156 करोड़ श्रद्धालु-पर्यटक धार्मिक व आध्यात्मिक स्थलों की यात्रा करने उत्तर प्रदेश आए। अयोध्या, काशी, प्रयागराज महाकुम्भ, मथुरा-वृंदावन में दर्शन करने जितने लोग आए, उतनी आबादी कई देशों की नहीं है। यह नया और बदलता भारत है।

बलिदान देने वाले रामभक्तों, संतों को किया नमन

सीएम ने राम मंदिर निर्माण यज्ञ में योगदान देने वाले संतों, रामभक्तों, कारीगरों/श्रमिकों का अभिनंदन किया। उन्होंने आंदोलन के दौरान बलिदान देने वाले रामभक्तों के साथ ही संतों व दिवंगत विहिप नेता अशोक सिंहल आदि को नमन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को स्मृति चिह्न प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने किया।

रामभक्तों में आध्यात्मिक उर्जा का संचार कर गई राष्ट्रपति

विशाल तिवारी, अयोध्या।

अमृत विचार : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अयोध्या दौरा करोड़ों रामभक्तों के लिए दिव्य और प्रेरणादायक क्षण साबित हुआ। 19 मार्च 2026 को, जब चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होने के साथ हिंदू नववर्ष का आगमन भी हुआ। इस पर्व पर राष्ट्रपति ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचकर रामलला के चरणों में शीश नवाया। यह दौरा न केवल धार्मिक महत्व का था, बल्कि पूरे देश में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करने वाला भी रहा। गुलाबी रंग की साड़ी, एक हाथ में घड़ी तो दूसरे में कंगन पहने राष्ट्रपति विशुद्ध भारतीय महिला लग रहीं थीं। उन्होंने सबसे पहले रामलला की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। रामलला के दिव्य बाल रूप के दर्शन किए, शीश झुकाकर प्रणाम किया और आरती उतारी। मंत्रोच्चारण के बीच घंट-घड़ियाल की ध्वनि और भक्तों के जयकारों ने वातावरण को और भी पावन बना दिया। यह दौरा राष्ट्रपति के पहले अयोध्या भ्रमणों में से एक महत्वपूर्ण था, जो राम मंदिर के निर्माण के बाद हुआ। इससे पहले मई 2024 में भी उन्होंने दर्शन किए थे, लेकिन इस बार चैत्र नवरात्रि के अवसर पर श्रीराम यंत्र स्थापना जैसे विशेष आयोजन ने इसे और यादगार बना दिया। रामभक्तों ने इसे राष्ट्रपति के माध्यम से प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद माना। हनुमानगढ़ी के संत सत्यदेव दास ने कहा कि राष्ट्रपति का अयोध्या दौरा आस्था, समर्पण और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बन गया। रामभक्तों में आध्यात्मिक ऊर्जा भरते हुए उन्होंने साबित किया कि प्रभु श्रीराम की कृपा सब पर समान है। राष्ट्रपति की एक झलक पाने के लिए रामपथ पर दंतधावनकुंड तिराहे पर खड़े पटवा मंदिर के पुजारी सत्येंद्र दास, राघव कुंज के रंजीव शरण दास, अतुल दास आदि ने कहा कि यह पल न केवल उनके जीवन का, बल्कि करोड़ों रामभक्तों को भी कृतार्थ करने वाला क्षण बना।

रामपथ पर सजे मंच पर सांस्कृतिक कलाकार। अमृत विचार

कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से किया स्वागत

अयोध्या, अमृत विचार : महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के लिए जैसे ही राष्ट्रपति का काफिला रवाना हुआ, पूरे मार्ग पर उत्सव जैसा दृश्य देखने को मिला। सड़क के दोनों ओर करीब 20 सांस्कृतिक मंच सजाए गए थे। जहां लगभग 250 कलाकारों ने रामायण आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भारतीय वेशभूषा में कलाकारों ने स्वागत गीत, भजन, अवधी-भोजपुरी लोकगायन-लोकनृत्य समेत भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत कार्यक्रमों के जरिए मन मोह लिया।

राष्ट्रपति के आगमन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं कलाकार।

हर ओर उत्साह व उल्लास

अयोध्यावासियों ने भी सड़क किनारे खड़े होकर पुष्प वर्षा, जयकारों संग देश की प्रथम नागरिक का गर्मजोशी से स्वागत किया। राष्ट्रपति ने भी अयोध्यावासियों का अभिवादन किया। कार्यक्रम को और भव्य बनाने के लिए रामलीला के अंश, झांकियां, ढोल-नगाड़ा, शंखनाद, वेदपाठ और भजन-कीर्तन जैसी पारंपरिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं, जिससे अयोध्या की समृद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पारंपरिक लोक नृत्यों के माध्यम से अवध की सांस्कृतिक छटा प्रस्तुत की। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक के निर्देशन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की थी।

राष्ट्रपति के आगमन पर स्वागत गीत प्रस्तुत करते बटुक। अमृत विचार

श्रीराम यंत्र की स्थापना के बाद श्रद्धालुओं ने किये रामलला के दर्शन

अयोध्या, अमृत विचार : चैत्र शुक्ल प्रतिपदा व हिंदी नव वर्ष के पहले दिन राम मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की भी भारी भीड़ रही। ट्रस्ट के द्वारा निर्धारित समयानुसार सुबह 6 बजे से रामलला के दर्शन प्रारंभ हुए। कड़ी सुरक्षा के बीच राम मंदिर दर्शनार्थियों को प्रवेश दिया गया। यह क्रम लगभग 10:30 बजे तक चला, जिसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आने के कारण श्रद्धालुओं का प्रवेश रोक दिया गया। इस दौरान राम मंदिर प्रवेश मार्ग जगतगुरु रामानंदाचार्य द्वार पर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। दोपहर 12 बजे तक लगे प्रतिबंध के बाद मंदिर का पट भोग आरती के लिए बंद रहा। दोपहर 1 बजे दूसरी पाली में दर्शन प्रारंभ हुआ। वही दर्शन मार्ग पर लगे स्क्रीन के माध्यम से इस पूरे आयोजन को आने श्रद्धालु भी देते रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को देखते ही जय श्री राम के नारे लगाए और मंदिर में दर्शन के लिए प्रवेश किया। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि राम मंदिर के द्वितीय तल पर श्री राम यंत्र की स्थापना राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के द्वारा संपन्न हुई है। इस दौरान लगभग एक घंटे पहले सुबह 10:30 बजे मंदिर परिसर को खाली करा दिया गया। राष्ट्रपति के जाने के बाद कड़ी सुरक्षा के बीच आने वाले श्रद्धालुओं को सुगमता पूर्वक दर्शन कराया गया।

एयरपोर्ट में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नगर की चाबी सौंपते महापौर गिरीश पति त्रिपाठी। अमृत विचार

महापौर ने देश की प्रथम नागरिक को सौंपी 'नगर की चाबी'

अयोध्या, अमृत विचार : अयोध्या के महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति का अभिवादन करते हुए उन्हें 'नगर की चाबी' भेंट की। यह सम्मान अतिथि को नगर की ओर से दिया जाने वाला सर्वोच्च प्रतीकात्मक सम्मान माना जाता है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अयोध्या का यह दूसरा दौरा है।

अयोध्या राम भक्तों के लिए सर्व प्रिय : राष्ट्रपति

अयोध्या, अमृत विचार: प्रभु श्रीराम ने अयोध्या नगरी में जन्म लिया। इस पवित्र भूमि का स्पर्श करना मेरे लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है। स्वयं प्रभु श्री राम ने अपनी इस जन्मभूमि को स्वर्ग से भी श्रेष्ठ बनाया था। अयोध्या राम भक्तों के लिए सर्व प्रिय है। ये बातें गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहीं। वह श्रीराम यंत्र स्थापना समारोह में आए अतिथियों को संबोधित कर रहीं थीं।

जय श्री राम के उद्घोष के साथ अपना संबोधन प्रारंभ करते हुए कहा कि युद्ध में विजय प्राप्त करने के बाद माता सीता और लक्ष्मण जी के साथ प्रभु श्री राम के अयोध्या आगमन का कलात्मक रेखा चित्र हमारे संविधान के हस्तलिखित मूल प्रति में है। यह रेखाचित्र मूल अधिकार के अत्यंत महत्वपूर्ण भाग तीन के शुरू में दिखाई देता है। कहा कि प्रसन्नता हो रही है कि इस चित्र के विषय में जानकारी और जागरूकता प्रसारित किया जा रहा है। जनमानस को संवैधानिक आदर्श और सांस्कृतिक प्रतीकों के साथ जोड़ा जा रहा है। चैत्र शुक्ल के प्रथम दिवस पर यहां आकर मै स्वयं को कृतार्थ अनुभव कर रही हूं। देश-विदेश में रहने वाले सभी भारतवासियों और राम भक्तों को नए वर्ष की हार्दिक बधाई देती हूं। कहा कि राममंदिर का भूमिपूजन, विग्रह प्राण प्रतिष्ठा, शिखर पर धर्म ध्वजारोहण और सभी देश वासियों के लिए मंदिर खोले जाना इतिहास में स्वर्णिम तिथि हैं। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर प्रधानमंत्री जी को मैंने एक पत्र लिखा था। जिसमें कहा था कि हम सबके लिए सौभाग्य की बात है। हम सब अपने राष्ट्र के पुनर्निर्माण और स्थापना के नई कालचक्र के आरंभ का साक्षी बना रहे हैं। हम सभी एक विकसित भारत निर्माण में आगे बढ़ रहे है। प्रभु श्री राम के आशीर्वाद से 2047 या उसके पहले ही लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। जो की रामराज्य की स्थापना के रूप में प्राप्त होती है।

उन्होंने कहा कि बीते वर्ष के दौरान 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी सीमा से ऊपर निकाला गया है। प्रभु श्री राम के आशीर्वाद से इस मंदिर और परिसर की भव्यता बढ़ती ही जा रही हैं। माता अन्नपूर्णा, माता दुर्गा और प्रभु श्री रामलला का दर्शन करके कृत कृत हो गई हूं। प्रभु श्री राम की कृपा से आज इस पावन परिसर में मुझे और भी पुण्य लाभ मिल गया है। परिसर के सप्त मंदिर में जाकर, माता शबरी, निषाद राज, माता अहिल्या, महर्षि वाल्मीकि महर्षि विश्वामित्र और महर्षि अगस्त्य की पवित्र मूर्तियों का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिलेगा। प्रभु श्री राम और सभी देवी देवताओं से प्रार्थना है कि देश वासियों पर कृपा बनी रहे और आधुनिक विश्व में राम राज्य जैसी व्यवस्था संपादित कर सके। इस दिव्य मंदिर में द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र की स्थापना और पूजन करने का सौभाग्य मुझे मिला।

द्वितीय ब्रह्मचारिणी

दूसरे दिन नवरात्र में मां के ब्रह्मचारिणी एवं तपश्चारिणी रूप को पूजा जाता है। जो साधक मां के इस रूप की पूजा करते हैं उन्हें तप, त्याग, वैराग्य, संयम और सदाचार की प्राप्ति होती है और जीवन में वे जिस बात का संकल्प कर लेते हैं उसे पूरा करके ही रहते हैं। देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा से मंगल दोष खत्म होता है।

बीज मंत्र.....

माँ ब्रह्मचारिणी: ह्रीं श्री अम्बिकायै नमः।

न्यूज ब्रीफ

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष ने की मंदिर के संपूर्ण निर्माण की घोषणा

अयोध्या, अमृत विचार : श्रीराम मंदिर द्वितीय तल पर श्रीराम यंत्र की स्थापना पूजन के साथ संपूर्ण स्वरूप प्राप्त हो गया है। जहां भगवान श्री राम की आस्था से ओत-प्रोत अयोध्या नगरी भव्य उत्सव की साक्षी बनी। स्थापना समारोह कार्यक्रम में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देवगिरी ने मंदिर के संपूर्ण निर्माण की घोषणा की। अहिल्याबाई होल्कर को भी याद किया गया। मंदिर निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले निर्माण एजेंसियों और उनके वर्करों का अभिनंदन स्वागत किया। इस मौके पर सात हजार से अधिक लोग उपस्थित रहे।

सजग रहा स्वास्थ्य विभाग

अयोध्या। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अयोध्या दौरे के दौरान स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सजग रहा। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अन्य वीवीआईपी की मौजूदगी में स्वास्थ्य महकमा उच्च सतर्कता पर था। स्वास्थ्य विभाग ने राष्ट्रपति के काफिले के साथ-साथ प्रमुख चौराहों, मार्गों और मंदिर परिसर के आसपास एंबुलेंस तैनात कीं। वरिष्ठ चिकित्सकों की विशेष टीम पहले से मौजूद थी। सीएमओ डॉ. देवेंद्र कुमार भिटौरिया ने बताया कि आपातकालीन सेवाओं के लिए मेडिकल यूनिट्स तैयार रखी गईं।

हलकान रहे अफसर

अयोध्या। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर जिले के अफसर दिन भर हलकान रहे। सुबह से दौड़ भाग शुरू हुई तो कार्यक्रम समापन के बाद ही राहत मिली। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर तैयारियां सप्ताह भर से चल रही थी। व्यवस्था को लेकर गुरुवार सुबह से ही प्रशासन के अफसरों के वाहन दौड़ने लगे थे। कमिश्नर राजेश कुमार, डीआईजी सोमेन वर्मा, डीएम निखिल टी. फुंडे, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर के साथ प्रशासन, पुलिस और विकास सहित अन्य विभागों के अफसर सक्रिय रहे। राष्ट्रपति के पूरे मार्ग पर हूटर के साथ अफसरों की तैनाती की गई थी।

आज तेज हवा के साथ हल्की बारिश व ओले गिरने की संभावना

अयोध्या। अमृत विचार : रामनगरी में आज 20 मार्च को मौसम में बदलाव की संभावना है। आचार्य नरेंद्र देव कृषि व प्रौद्योगिकी विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ. अमरनाथ मिश्र ने अयोध्या समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश में तेज हवा के साथ हल्की बारिश के साथ कुछ स्थानों पर ओले भी गिरने की आशंका जताई है। आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाए रहेंगे, जो पूरे दिन बने रह सकते हैं। कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है। बताया कि यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से जुड़ा हुआ है, जो उत्तर भारत के कई राज्यों में बारिश, आंधी और ओले का कारण बन रहा है।

आस्था | सात महीने से अनवरत चल रही रामलला की परिक्रमा, संतों संग गृहस्थों ने जीवनचर्या में शामिल कर ली नित्य परिक्रमा

दो लाख श्रद्धालु कर चुके रामकोट की परिक्रमा

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या।

अमृत विचार: अयोध्या में लगभग सात महीने से रामलला के महल क्षेत्र रामकोट की नित्य परिक्रमा अनवरत चल रही है। अब तक दो लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने रामकोट की परिक्रमा की है। संतों के साथ कई गृहस्थों ने इसे अपनी जीवन चर्या में शामिल कर लिया है।

श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि बृज में गोवर्धन की तरह रामलला के रामकोट की अनवरत परिक्रमा 21 अगस्त 2025 को तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ अयोध्या और गैर प्रातों से आने वाले संतों ने गाजे-बाजे के साथ परिक्रमा शुरू की थी। अब इसमें भक्तों की भीड़ बढ़ने लगी है। परिक्रमा और ट्रस्ट से जुड़े लोगों के अनुसार अब तक दो लाख से ज्यादा श्रद्धालु परिक्रमा कर चुके हैं।

कहा कि अयोध्या की चार परिक्रमा 84 कोसी, 14 कोसी, पंचकोसी और रामकोट की परिक्रमा में रामकोट की परिक्रमा का अलग महत्व है। रामकोट वह क्षेत्र हैं जहां चक्रवर्ती सम्राट राजा दशरथ के साथ रामलला निवास करते थे। राजा राम के साथ देवी-देवताओं, सर्वमान्य ऋषि मुनियों के स्थान है। नववर्ष के साथ अन्य पर्व व त्योहारों पर राम कोट की परिक्रमा अतीत मे भी की जाती रही है।

रामकोट की परिक्रमा करते श्रद्धालु। अमृत विचार

परिक्रमा में आने वाले महत्वपूर्ण मंदिर

रामकोट परिक्रमा की परिधि के अंदर श्रीराम मंदिर के साथ हनुमानगढ़ी, कनक भवन, दशरथ महल सहित 108 प्रमुख मंदिर हैं।

जयघोष संग सुबह पांच बजे शुरू होती परिक्रमा

जय सियाराम के जय घोष के साथ प्रतिदिन सुबह पांच बजे परिक्रमा शुरू होती है। भक्त राम धुन के साथ राम मंदिर के श्री रामानंदाचार्य गेट से परिक्रमा शुरू करते है। वापस आकर यहां परिक्रमा समाप्त करते हैं।

एक घंटे में तय होती 3.5 किमी. की दूरी

रामकोट की परिक्रमा के लिए लगभग 3.5 किमी. की दूरी पैदल तय की जाती है। राम धुन, ढोल मजीरे के साथ राम मंदिर से टेढ़ी बाजार, कटरा, अशर्फी भवन चौराहे होते हुए फिर मंदिर के गेट पर पहुंचते हैं। इसमें करीब एक घंटे का समय लगता है।

संत-धर्माचार्य व महापौर हो चुके हैं शामिल

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र, ट्रस्टी व निर्मोही अखाड़ा के श्रीमहान्त दिनेन्द्र दास जी, गोपाल जी, आचार्य नरेंद्र जी, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, पूर्व मेयर ऋषिकेश उपाध्याय, बावन मंदिर के महान्त वैदेही वल्लभ शरण जी, भानपुरा पीठ मंदसौर के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ जी, हनुमानगढी के पुजारी रमेश दासजी, महान्त सत्येंद्र दास जी सहित तमाम विशिष्ठ जन नित्य परिक्रमा में शामिल हो चुके हैं।

राशन दुकानदार अब खाली बोरे नहीं बेच सकेंगे

अयोध्या, अमृत विचार : जिला आपूर्ति अधिकारी बृजेश मिश्र ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत खाद्यान्न वितरण के बाद बचने वाले खाली बोरों को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। जिले के सभी कोटेदारों को अब वितरण के बाद खाली होने वाले बोरों को सुरक्षित रखना अनिवार्य होगा। आगामी रबी विपणन वर्ष 2026-27 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के तहत किसानों से गेहूं खरीद के सुचारु संचालन के लिए इन बोरों का उपयोग किया जाएगा। सभी आपूर्ति निरीक्षकों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में राशन विक्रेताओं को स्पष्ट रूप से अवगत कराएं कि खाली बोरों को न तो बेचा जाएगा और न ही किसी अन्य को दिया जाएगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि बोरे कटे-फटे या क्षतिग्रस्त न हों। आदेश में कहा गया है कि आवश्यकता पड़ने पर इन बोरों को जिला खाद्य विपणन अधिकारी को उपलब्ध कराया जाएगा।

अमृत विचार

अयोध्या, शुक्रवार, 20 मार्च 2026

कड़ी सुरक्षा के घेरे में रही रामनगरी, वाहनों के प्रवेश पर रही रोक

हाईवे पर भी पुलिस व सुरक्षा बल तैनात, रामपथ पर सिर्फ पैदल चलने की अनुमति | पुलिस, पीएसी के साथ एटीएस, सीआरपीएफ, आरएएफ के जवान भी रहे तैनात

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : राष्ट्रपति के दौरे को लेकर गुरुवार को रामनगरी कड़ी सुरक्षा के घेरे में रही। राष्ट्रपति के आगमन व प्रस्थान के दौरान रामपथ पर उदया चौराहे से लता चौक तक सभी प्रकार के वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहा। शहर में बाहरी वाहनों के प्रवेश पर भी रोक लगाई गई थी। हालांकि उनके राम मंदिर में प्रवेश के उपरांत दो पहिया वाहनों को चलने की अनुमति जरूर रही। रामपथ पर श्रद्धालु पैदल दर्शन पूजन को जाते रहे।

राष्ट्रपति के आगमन से पहले खाली रामपथ। अमृत विचार

राष्ट्रपति गुरुवार सुबह करीब 10:15 बजे एयरपोर्ट पहुंचीं। वहां से सड़क मार्ग से लखनऊ-अयोध्या-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग से महोबरा चौराहा, टैढ़ी बाजार चौराहा होते हुए उन्होंने वीवीआईपी प्रवेश द्वार-11 से राम मंदिर में प्रवेश किया। करीब 10 किमी. के इस मार्ग पर चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई थी। मार्ग में पड़ने वाले ओवरब्रिज पर भी पुलिस व पीएसी के जवान तैनात रहे। रामपथ पर टेढ़ी बाजार से गेट नंबर-11 तक सड़क के दोनों ओर बने फुटपाथ के साथ घरों, दुकानों की छतों पर भी सुरक्षाकर्मी तैनात रहे।

रामपथ पर टेढ़ी बाजार से राम मंदिर जाने वाले मार्ग पर लगी बेरिकेडिंग।

रामपथ पर जुड़ने वाले गलियों पर बैरिकेडिंग लगाकर आवागमन बंद किया गया था। यहां पर पुलिस के साथ यातायातकर्मी भी तैनात रहे। एयरपोर्ट से लेकर राम मंदिर तक नौ स्थानों पर यातायात पुलिस की लिफ्टिंग वैन व फायरब्रिग्रेड ने दमकल वाहनों को तैनात कर रखा था। यलो जोन के कंट्रोल रूम में सीसीटीवी के माध्यम से पल पल की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। एडीजी जोन लखनऊ प्रवीण कुमार, डीआईजी सोमेन वर्मा, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी वीआईपी मूवमेंट की निगरानी करते रहे। एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि वीवीआईपी प्रोटोकॉल के मानक के अनुरूप सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। विभिन्न् स्थानों पर पुलिस, पीएसी, सीआरपीएफ, आरएएफ, यातायात पुलिस व एटीएस के कमांडो की तैनाती की गई थी।

न्यूज ब्रीफ

चौकी प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

मवई, अयोध्या। भारतीय किसान यूनियन रुदौली इकाई के पदाधिकारियों ने विद्युत विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। अधिशासी अभियंता को संबोधित ज्ञापन पटरंगा हाईवे चौकी प्रभारी राजकुमार को सौंपा। संगठन ने पटरंगा एसडीओ पर क्षेत्र में विद्युत उपभोक्ताओं, विशेषकर किसानों से अनियमित वसूली करने का आरोप लगाया है। ज्ञापन देने वालों में यूनियन के रुदौली तहसील अध्यक्ष रवि शंकर पांडे, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष शंकर पाल पांडे, राजेश तिवारी, मंडल सचिव भोला सिंह टाइगर, जिला सचिव लक्ष्मीकांत तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

आग से दो मालवाहक वाहन जले

रुदौली, अयोध्या। अमृत विचार : कोतवाली रुदौली के ठीक बगल में गुरुवार को कूड़े के ढेर में लगी भीषण आग ने दो मालवाहक वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि दोनों वाहन पूरी तरह जलकर राख हो गए। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। कोतवाल संजय मौर्य ने बताया कि आग पूरी तरह नियंत्रित कर ली गई है। किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई है, हालांकि दो वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा है।

शांति समिति की हुई बैठक

रुदौली अयोध्या, अमृत विचार। कोतवाली रुदौली मेंगुरुवार को ईद पर्व को लेकर ईदगाह व क्षेत्र के मस्जिदों के इमाम के साथ शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में प्रतिबंधित पशुओं को बंद कराने और मस्जिदों के आसपास साफ-सफाई, चूना छिड़काव की मांग की गई। कोतवाल संजय मौर्य ने सभी इमामों से नमाज के समय की जानकारी ली। नगर पालिका अध्यक्ष जब्बार अली ने साफ सफाई, चूना छिड़काव, पानी की आपूर्ति कराए जाने का भरोसा दिलाया। कोतवाल ने बताया कि बैठक में ट्रैफिक डाइवर्जन व सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की गई।

हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल

कुमारगंज, अयोध्या। अमृत विचार : कुमारगंज थाना क्षेत्र के अकमा स्थित ब्लूमिंग बड स्कूल के सामने गुरुवार शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार थाना क्षेत्र के धमथुवा गांव निवासी विनोद कुमार पुत्र अलगू प्रसाद व राजित राम पुत्र राधिका गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीर उमरहर निवासी जुगुन सिंह ने घायल विनोद कुमार को अपनी बाइक से संयुक्त सौ शैय्या चिकित्सालय पहुंचाया। दूसरे घायल राजित राम को भी अस्पताल भिजवाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

महादेव घाट व सत्संग घाट पर चला स्वच्छता अभियान

अयोध्या, अमृत विचार : जिला गंगा समिति से गोसाईगंज में तमसा नदी को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से महादेवा घाट और सत्संग घाट पर स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया।अधिशासी अधिकारी सीमा राय, जिला परियोजना अधिकारी नमामि गंगे नीरज कुमार, भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून कुलभूषण साहू और जल कल प्रभारी शिव शंकर वर्मा के नेतृत्व में पूरी टीम ने घंटों श्रमदान कर घाटों पर बिखरे कूड़े-कचरे और हानिकारक पॉलिथीन को एकत्रित किया। श्वेता साहू ने पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया। अधिशासी अधिकारी ने कहा कि नदियों का संरक्षण केवल सरकार की ही नहीं बल्कि हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी है, हम सब मिलकर नदियों को स्वच्छ बनाएंगे।महादेव घाट और सत्संग घाट पर स्थानीय लोगों और टीम, नगर पंचायत कार्यालय के कर्मचारी अमरेंद्र कुमार, सफाई कर्मचारी अब्दुल, मोहर्रम अली आदि ने हिस्सा लिया।

नशे की हालत में भर्ती महिला-पुरुष भागे

अयोध्या, अमृत विचार : जिला अस्पताल में नशे की हालत में भर्ती हुए महिला और पुरुष बिना किसी को बताए भाग निकले। बेड पर दोनों मरीजों के न मिलने के बाद हड़कंप मच गया। अस्पताल के कर्मचारी दोनों को ढूंढने में लगे हुए हैं। बताया जाता है कि हरदोई का रहने वाला व्यक्ति एक महिला के साथ नशे की हालत में मवई सीएचसी से रेफर होकर पहुंचा था। सुबह ही उसे भर्ती किया गया था। दोपहर के बाद वो भाग निकला। उसे खोजा जा ही रहा था कि शाम के समय भर्ती महिला भी भाग गई। बताया जाता है कि व्यक्ति महिला का देवर है। फार्मासिस्ट सर्वेश श्रीवास्तव ने बताया कि मामला सुबह के समय का है। मुझे इसकी पूरी तरह से जानकारी नहीं है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय चौधरी ने बताया कि महिला मिल गई है, जबकि पुरुष का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस को सूचित किया जाएगा।

अयोध्या में मौन साधना के लिए पहुंचे विभिन्न प्रदेशों के साधक

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: मानव में देवत्व का उदय और वसुधैव कुटुंबकम की भावना को प्रबल करने के लिए अखिल भारतीय विश्व गायत्री परिवार के निर्देशन में नौ दिवसीय विशिष्ट मौन साधना शिविर गायत्री शक्तिपीठ रामकोट अयोध्या में शुरू किया गया। शांतिकुंज हरिद्वार से आए मौन साधना शिविर प्रभारी कुलदीप सिंह राणावत चित्तौड़गढ़ ने बताया कि साधना शिविर में भाग ले रहे साधकों की दिनचर्या अत्यंत व्यवस्थित एवं अनुशासनात्मक है। प्रतिदिन सुबह चार बजे जागरण के साथ आत्मबोध, नियमित ध्यान, यज्ञ, डायरी लेखन, मंत्र लेखन और जप करते हुए रात्रि पौने नौ बजे तत्वबोध की साधना और प्रार्थना के बाद दिनचर्या समाप्त होती है। बताया कि मानव में देवत्व का उदय और वसुदेव कुटुंबकम की भावना पैदा करना ही शिविर का उद्देश्य है।

गायत्री शक्तिपीठ रामकोट में मौन साधना के लिए बैठे साधक।

मीडिया प्रभारी नीलम मिश्रा ने बताया कि इस विशिष्ट मौन साधना शिविर में अंडमान निकोबार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार के 27 साधक 27 मार्च तक प्रतिभाग करेंगे। शिविर का शुभारंभ गायत्री मंत्र के साथ दीपक जलाकर डॉ. एसबी सिंह, अजय धवन, जिला समन्वयक मारकंडे पाल और व्यवस्थापक राम केवल यादव ने किया। साधकों का स्वागत इंजीनियर राम अवतार गर्ग, डीएन वर्मा, अनीता तिवारी, मुकेश श्रीवास्तव, कुमुद सिंह, स्नेह लता श्रीवास्तव आदि ने पुष्प वर्षा कर तिलक और अक्षत लगाकर किया।

सड़क पर नहीं पढ़ी जाएगी नमाज

अयोध्या, अमृत विचार। ईद पर होने वाली नमाज को लेकर पुलिस प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है। पूर्व में ही धर्म गुरुओं के साथ बैठक कर स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि कही भी सड़क पर नमाज नहीं पढ़ी जाएगी। सभी ईदगाह स्थलों व मस्जिदों पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जा रही है। सिविल लाइंस स्थित ईदगाह पर होने वाली नमाज को लेकर सुरक्षा का खाका खींचा जा रहा है। इसको लेकर बस स्टेशन, तहसील चौराहा, रिकाबगंज हनुमानगढ़ी व बड़े पोस्ट ऑफिस मोड़ के पास बैरिकेडिंग कर नमाज के समय वाहनों के आवाजाही पर रोक लगाई जाएगी। नमाज के समय आवारा पशुओं से कोई बाधा न आए, इसको लेकर नगर निगम ऐसे पशुओं की धरपकड़ कर रहा है। सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी ने बताया कि ईद की नमाज को लेकर सभी तैयारियां कर ली गई है। ईदगाह समेत सभी मस्जिदों पर पुलिस व पीएसी के जवान तैनात किए जा रहे हैं।

नृपेंद्र मिश्र ने देखा निर्माणाधीन 300 शैय्या अस्पताल स्थल

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : रामपथ पर रीडगंज के निकट निर्माणाधीन 300 शैय्या अस्पताल स्थल पर राष्ट्रपति के दौरे के बाद श्रीराम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र पहुंचे। उन्होंने वहां चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान मंडलायुक्त राजेश कुमार व जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे भी मौजूद रहे।

मंडलायुक्त राजेश कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत बन रहा यह अस्पताल जिले में सर्वाधिक विशेषताओं वाला रहेगा। यह हॉस्पिटल दोनों शहरों के बीच बना है। यहां पहुंचना बहुत आसान रहेगा। सबसे अच्छी बात यह है कि अस्पताल के सामने ही चिकित्सकों व स्टाफ के लिए आवास रहेगा। एमआरआई और रेडियोलॉजी डिपार्टमेंट के सभी इक्यूपमेंट मौजूद रहेंगे। 18 माह में इसका निर्माण पूरा हो जाएगा। जिले का यह बड़ा अस्पताल साबित होगा।

निरीक्षण के दौरान मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र, कमिश्नर राजेश कुमार, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे।

मदरसा जामिया अरबिया में रोजा इफ्तार

अयोध्या। अमृत विचार : मदरसा जामिया अरबिया हुसैनिया मोहल्ला बछड़ा में बुधवार शाम रोज़ा इफ्तार पार्टी का आयोजन मदरसा के प्रबंधक कारी इरफान अहमद हलीमी की ओर से किया गया। इफ्तार के बाद ख़ुदा से मुल्क में रहने वाले सभी लोगों के लिए सुख समृद्धि और शांति और भाईचारा कायम रहने के लिए सामूहिक दुआ कराई गई। इसमें मुफ्ती हस्ब उल्लाह खान, मुफ्ती अहमद आरिफ हस्सान, मुफ्ती अब्दुल मन्नान, मौलाना सलमान, मौलाना फख्रे आलम आदि शामिल रहे।

अंतर्राष्ट्रीय एआई कान्फ्रेंस में डॉ. गीतिका ने हासिल की उपलब्धि

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या के भौतिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की सह आचार्य डॉ. गीतिका श्रीवास्तव को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जापान के हकोडेटे, होक्काइडो में आयोजित कांफ्रेंस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल हुई है।

ऐक्टिविटी एंड बिहेवियर कंट्रोल चैलेंज 2026 के तह आयोजित मल्टीमोडल अपर लिम्ब मूवमेंट इन्टेन्ट डिटेक्शन चैलेंज में डॉ. गीतिका श्रीवास्तव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उनकी टीम को उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए बेस्ट पेपर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया, साथ ही प्रतियोगिता की कोडिंग श्रेणी में फर्स्ट रनर अप घोषित किया गया। इस उपलब्धि के लिए उन्हें नकद पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन आईईईई व कतर विवि के मशीन लर्निंग ग्रुप से किया गया। प्रतियोगिता में विश्व के 23 देशों से चुने हुए 157 शोधकर्ताओं व वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया। कोडिंग चैलेंज का मुख्य उद्देश्य मस्तिष्क के बहु-माध्यमीय जैव-संकेतों के माध्यम से मानव के अंगों की गति को पहचानने के लिए उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मॉडल विकसित करना था। डॉ. गीतिका एआई व बायोमेडिकल इलेक्ट्रानिक्स के क्षेत्र में अनुसंधान में महत्वपूर्ण योगदान कर रही हैं। उनके नेतृत्व में लगभग 1.5 करोड़ रुपये से अधिक की बाह्य वित्तपोषित शोध परियोजनाएं संचालित हो रही हैं।

अवध विवि भौतिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग की सह आचार्या डॉ. गीतिका श्रीवास्तव व छात्र-छात्राएं।

राजघाट में 1251 कुण्डीय लक्ष्मीनारायण महायज्ञ आज से

अयोध्या, अमृत विचार: अयोध्या में राजघाट पर 1251 कुण्डीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ सहहनुमत् श्री राम महायज्ञ का शुभारंभ 20 मार्च को कलश यात्रा, जल यात्रा और भव्य शोभा यात्रा के साथ होगा। यह जानकारी प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने दी। कहा कि आयोजन श्री लक्ष्मीप्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज के सानिध्य में किया जा रहा है।

बताया कि यज्ञ 20 से 28 मार्च तक निरंतर चलेगा। प्रतिदिन शाम देश के विभिन्न हिस्सों से पधारने वाले संत-महंतों से प्रवचन दिए जाएंगे, जिससे श्रद्धालुओं को धर्म एवं अध्यात्म की गहन जानकारी प्राप्त होगी। परिवहन मंत्री ने कहा कि आयोजन को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की गई हैं। मौके पर महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक अमित सिंह चौहान सहित अन्य लोगों की मौजूदगी रही।

पत्रकारों से बातचीत करते परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह साथ में महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक डॉ .अमित सिंह चौहान।

हाउस अरेस्ट की गई समाजसेवी अर्चना तिवारी। अमृत विचार

पुलिस के पहरे में रही अर्चना, राष्ट्रपति को देना चाहती थी ज्ञापन

अयोध्या, अमृत विचार: राष्ट्रपति के दौरे के समय समाजसेवी अर्चना तिवारी पुलिस के पहरे में रही। वह राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपना चाहती थी। उन्होंने इसे सोशल मीडिया पर भी फोटो सहित वायरल किया है। इसमें कहा कि वह राष्ट्रपति जी से मुलाकात करके यूजीसी कानून के खिलाफ पांच सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपना चाहती थी। उसके लिए उन्होंने प्रशासन से पहले ही अनुमति मांगी थी, लेकिन उन्हें घर पर ही हाउस अरेस्ट कर दिया गया। पुलिस का पहरा रहा। अपनी व्यथा भी व्यक्त की है। कहा अब शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार भी नहीं बचा है।

चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन देवी मंदिरों में उमड़ी भीड़

- घरों व मंदिरों में कलश स्थापना के साथ किया गया माता शैलपुत्री का पूजन, शुरू हुआ नौ दिन का उपवास

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : चैत्र (वासांतिक) नवरात्र के प्रथम दिन रामनगरी के देवी मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी। माता शैलपुत्री की पूजा-अर्चना के लिए भोर से ही मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। भगवान राम की कुलदेवी बड़ी देवकाली और माता सीता की कुलदेवी छोटी देवकाली सहित अन्य प्रमुख मंदिरों में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सोशल मीडिया पर हिंदू नववर्ष की शुभकामनाओं का भी दौर चला।

इस पावन अवसर पर भक्तों ने घर-घर कलश स्थापना के साथ माता को विराजमान कर उनकी पूजा अर्चना कर नौ दिनों तक चलने वाले इस उत्सव की शुरुआत की। सुबह से ही मंदिरों के बाहर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। मंदिर परिसर भक्ति भजनों और मंत्रोच्चार से गूंज उठा। बड़ी देवकाली मंदिर में जहां दर्शन के लिए भक्तों ने घंटों इंतजार किया, वहीं छोटी देवकाली मंदिर में माता सीता की कुलदेवी के प्रति आस्था का अदभुत नजारा देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने माता के चरणों में फूल, प्रसाद और श्रद्धा अर्पित की। वहीं गुप्तारघाट स्थित मरी माता, कैंट स्थित पाटेश्वरी माता, मकबरा स्थित शीतला माता मंदिर समेत अन्य देवी मंदिरों में देर शाम तक रौनक देखी गई।

इस दौरान मंदिरों को फूलों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया था, जिसने उत्सव के माहौल को और भव्य बना दिया। वहीं श्रद्धालुओं ने नवसंवत्सर 2083 चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर सरयू में उदयमान सूर्य को अर्घ्य देकर अयोध्या के सुख समृध्दि की मंगल कामना की। लोगों ने सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से एक दूसरे को हिंदू नववर्ष की शुभकामनाएं भी दी।

सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने बताया कि मंदिरों में सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। नवमी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए सभी के लिए दर्शन की व्यवस्था की जाएगी। वहीं भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बेरिकेडिंग और कतार प्रबंधन की व्यवस्था भी आवश्यकता के अनुसार लगाई जाएगी।

बड़ी देवकाली मंदिर में दर्शन-पूजन करते श्रद्धालु। अमृत विचार

देवी मंदिरों में लगी भक्तों की कतार

शाहगंज, अयोध्या, अमृत विचार। ग्रामीण क्षेत्रों में चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ गुरुवार को पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ। पहले दिन गांवों में स्थित देवी मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने माता रानी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर कलश स्थापना की तथा व्रत-उपवास की शुरुआत की। बीकापुर के सराय भानौली, मुकीम पहाड़पुर, शाहगंज बाजार, चन्दीपुर नगाहरा, देवसिया पारा, चेतरा पडरी, पुहंपी, सहित आसपास के क्षेत्रों में विशेष उत्साह देखने को मिला। प्रशासन की ओर से भी शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए हैं।

रामकथा

दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने पूजन कर लिया आशीष, जिला पंचायत अध्यक्ष व परिजनों से की मुलाकात

श्रीराम कथा भारतीय संस्कृति और आस्था का केंद्र : मौर्य

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार: जिले के सरायरासी स्थित जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह के निवास पर आयोजित श्री राम कथा महोत्सव के पहले दिन प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक पहुंचे। दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद लिया। जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह व परिवारजनों से भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि श्रीराम कथा भारतीय संस्कृति और आस्था का केंद्र है, जो समाज को मर्यादा, सदाचार और सेवा का संदेश देती है। ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हम सभी के लिए आदर्श है। कथा श्रवण से व्यक्ति के जीवन में नैतिक मूल्यों का विकास होता है और समाज में समरसता बढ़ती है।

जिपं अध्यक्ष रोली सिंह ने दोनों उपमुख्यमंत्रियों का स्वागत किया। कहा कि यह कथा महोत्सव क्षेत्रवासियों के लिए आस्था और भक्ति का विशेष अवसर है। आयोजन का उद्देश्य लोगों को रामकथा से जोड़कर सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना है। महोत्सव में पीठाधिपति, वेद विद्या प्रतिष्ठान (पुणे) महाराष्ट्र एवं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद गिरी जी महाराज 19 से 27 मार्च तक कथा वाचन करेंगे। 28 मार्च को भंडारे का आयोजन होगा। प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित ने बताया कि व्यवस्थाओं को सुचारु रखने के लिए स्वंयसेवक तैनात किए गए हैं। पार्किंग, सुरक्षा, पेयजल, बैठने और यातायात प्रबंधन के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं।

सरायरासी में जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह के आवास पर आयोजित राम कथा में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या व ब्रजेश पाठक। अमृत विचार

निकाली गई कलश यात्रा

पूराबाजार, अमृत विचार : श्रीरामकथा महोत्सव के आयोजन में पीठाधीपति वेद विद्या प्रतिष्ठान महाराष्ट्र एवं कोषाध्यक्ष श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या व कथा व्यास स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज की नेतृत्व में सरायराशी गांव में कलश यात्रा निकाली गई। मुख्य यज्ञमान जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह व उनके पति आलोक कुमार सिंह रोहित, सुरेंद्र प्रताप सिंह, रामसेन सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, डॉ. अभिषेक सिंह, राघवेंद्र प्रताप सिंह, अतुल सिंह, अंकुर सिंह आदि शामिल रहे। कथास्थल से निकली कलश यात्रा सरायराशी गांव में भ्रमण कर पुनः कथा स्थल तक पहुंची।

कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते राहुल शिक्षा निकेतन के छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

धूमधाम से मनाया वार्षिकोत्सव

रामपुर भगन, अयोध्या, अमृत विचार। रामपुर भगन बाजार स्थित राहुल शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज में वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन गुरुवार को किया गया। शुरुआत मुख्य अतिथि पूर्व विधायक जितेंद्र सिंह बब्लू ने की। छात्र-छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय, भक्ति व सामाजिक गीत की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में कंपोजिट विद्यालय समदा व पूर्व माध्यमिक विद्यालय रामपुर भगन के बच्चे शामिल हुए। इसमें अपर्णा प्रथम, प्रतिज्ञा द्वितीय व मानसी, कविता व आयुषी संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। इन्हें पुरस्कृत भी किया गया। विशिष्ट अतिथि राजेश कुमार सिंह व पूर्व प्रमुख शिवकुमार सिंह रहे। अध्यक्षता अमरनाथ सिंह ने की। अतिथियों ने नवोदय विद्यालय में चयनित अक्षय यादव को सम्मानित किया। प्रबंधक विनय सिंह ने अतिथियों का आभार जताया। इस मौके पर विद्यालय की प्रधानाचार्य अनिल पांडे, रेखा तिवारी, रमाकांत तिवारी, भगवान बली यादव समेत अन्य मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

पत्रकार सड़क दुर्घटना में घायल

सोहावल, अमृत विचार : एक हिंदी दैनिक के प्रतिनिधि शिवकुमार पांडेय निवासी बड़ागांव गुरुवार को सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। बताया गया कि वह अपनी बाइक से सोहावल से अयोध्या शहर जा रहे थे। बीच में उन्हें तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी। वाहन का पहिया उनके पैर के ऊपर से निकल गया। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर पत्रकारों ने अस्पताल पहुंच उनकी कुलशक्षेम पूछी। डॉक्टरों ने उन्हें खतरे से बाहर बताया है।

माँ कामाख्या धाम महोत्सव आज से

मवई, अयोध्या। अमृत विचार : रुदौली क्षेत्र में मां कामाख्या धाम महोत्सव शुक्रवार को शुरू होगा। महोत्सव की तैयारियों का गुरुवार को रुदौली विधायक व कामाख्या धाम महोत्सव न्यास के मुख्य संरक्षक राम चन्द्र यादव व महोत्सव न्यास के अध्यक्ष रविकांत तिवारी मोनू ने निरीक्षण किया। सुबह 10 बजे कन्या पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। महोत्सव में मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह अंतर्गत 251 कन्याओं का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विवाह होगा। विधायक ने बताया कि 20 से 26 मार्च तक महोत्सव में अवध से भोजपुरी व बालीवुड दुनिया के बड़े-बड़े भजन गायक व अभिनेता अलग अलग दिनों में अपनी प्रस्तुति देंगे। अवध की लोक नृत्य के साथ अन्य प्रदेशों के लोककलाओं का भी आयोजन होगा। 24 को अखिल भारतीय दंगल होगा, जिसमे कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह मुख्य अतिथि होंगे। इस दौरान पूर्व ब्लॉक प्रमुख कमलेश यादव, नगर पंचायत अध्यक्ष व न्यास संयोजक शीतला प्रसाद शुक्ला, सांस्कृतिक प्रभारी गायक विवेक पांडेय, तेज तिवारी आदि मौजूद रहे।

श्रीअन्न के उत्पाद तैयार कर आत्मनिर्भर बने महिलाएं

कुमारगंज अयोध्या।

- ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण विषय पर दी जानकारी

कृषि विवि में महिलाओं को सर्टिफिकेट देते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार : शरीर को स्वस्थ एवं बीमारियों से बचाव के लिए सभी को श्रीअन्न का प्रयोग करना चाहिए। सामुदायिक महाविद्यालय में श्रीअन्न से जुड़े उत्पाद बनाने का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। ये बातें गुरुवार को आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहीं। वे सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में चल रहे छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. साधना सिंह ने कहा कि इस प्रकार के कौशल प्रशिक्षण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए बहुत उपयोगी होते हैं।मोटे अनाजों पर आधारित मूल्य संवर्धित उत्पादों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण विषय पर महिलाओं को जानकारी दी गई। बताया कि प्रशिक्षण के पहले दिन मोटे अनाजों से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने, मिलेट, पास्ता बनाने की विधि, पोषण महत्व तथा इसके माध्यम से स्वरोजगार के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं एवं किशोरियों को मोटे अनाजों से बने पास्ता, नूडल्स, बेकरी उत्पाद जैसे- बिस्किट, केक, तथा इडली, फरा, प्रिमिक्स आदि व्यंजन बनाना सिखाया गया। महिलाओं को व्यवसाय के लिए सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा विवि परिसर का भ्रमण भी कराया गया। शिवनाथपुर, पिठला,बवा व कुमारगंज की कुल 40 महिलाओं एवं किशोरियों ने प्रतिभाग किया। कुलपति ने प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया। डॉ. अनीशा वर्मा ने समस्त अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तृप्ति वर्मा ने किया। इस मौके पर समस्त अधिष्ठाता, निदेशक एवं वैज्ञानिक मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री आवास के नाम पर रिश्वत लेते बाबू गिरफ्तार

जलालपुर, अंबेडकरनगर।

- नगर पालिका परिषद जलालपुर में तैनात कर्मचारी पर एंटी करप्शन की टीम की कार्रवाई

अमृत विचार। प्रधानमंत्री आवास योजना में नाम शामिल कराने के नाम पर रिश्वत लेने के आरोप में एंटी करप्शन टीम ने नगर पालिका में तैनात एक बाबू को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद आरोपी को टीम अपने साथ ले गई।

बता दें कि नगर पालिका परिषद जलालपुर में तैनात रमाकांत चौबे जो प्रधानमंत्री आवास के प्रभारी हैं उन पर रिश्वत मांगने का आरोप लगा था। नगर क्षेत्र के वाजिदपुर निवासी अवधेश कुमार चौहान ने एंटी करप्शन टीम को लिखित शिकायत दी थी कि वह योजना के पात्र हैं, लेकिन सूची में नाम दर्ज कराने के लिए बाबू द्वारा पांच हजार रुपए की अवैध मांग की जा रही है। शिकायत के आधार पर अयोध्या मंडल की एंटी करप्शन टीम ने जाल बिछाया। तय योजना के अनुसार शिकायतकर्ता से रुपए लेते समय टीम ने आरोपी को नगर पालिका कार्यालय के बाहर रामलीला मैदान परिसर से रंगे हाथ पकड़ लिया। टीम ने मौके पर ही रासायनिक परीक्षण हाथ धुलवाकर कर रुपए लेने की पुष्टि की और आरोपी को हिरासत में ले लिया। इस संबंध में जलालपुर के अधिशासी अधिकारी अरविंद कुमार ने बताया कि कर्मचारी रमाकांत चौबे को एंटी करप्शन टीम द्वारा हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की जानकारी कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गंगा वारियर्स व हिंडन टाइटन ने जीता लीग मैच

अयोध्या कार्यालय।

- टी-20 एपीएल :अभिषेक व रितिक रहे मैन-ऑफ-द-मैच

मैन ऑफ द मैच पुरस्कार प्रदान करते गंगा वारियर्स के ओनर रितिक।

अमृत विचारः अयोध्या प्रीमियर लीग (एपीएल) टी-20 में गुरुवार को गंगा वारियर्स व हिंडन टाइटन टीम ने लीग मुकाबले में जीत दर्ज की। डीसीए जिला सचिव उमेर अहमद व गंगा वारियर्स के ओनर रितिक ने अभिषेक व रितिक को मैन-ऑफ-द-मैच ट्रॉफी प्रदान की।

डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल के क्रिकेट स्टेडियम में गुरुवार को दो लीग मैच खेले गए। पहले मैच में गंगा वारियर्स टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक के 79, कृष्णा के 26, रनों की मदद से 18.5 ओवरों में सभी विकेट खोकर 156 रन बनाये। यमुना सुपर किंग्स के उमेश यादव व विनायक ने तीन-तीन, हिमांशु ने दो, पंकज व उमेश तिवारी ने एक-एक विकेट लिया। जवाब में बल्लेबाजी करते उतरी यमुना टीम सत्येन्द्र के 49, विनायक के 48 रनों के सहयोग के बावजूद नौ विकेट खोकर 132 रनों पर सिमट गई। गंगा टीम के विशाल व सौरभ ने दो-दो, पंकज, शोएब, राघवेन्द्र व अभिषेक ने एक-एक विकेट लिया।

दूसरे मैच में बेतवा ब्लास्टर टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए विनय के 52, सुधांशु के 31, विकास के 24 रनों की सहायता से सात विकेट खोकर 149 रन बनाये। हिंडन टाइटन के प्रखर व रितिक ने दो-दो, निखिल व प्रिंस ने एक-एक विकेट लिया। जवाब में बल्लेबाजी करते हुए हिंडन टीम ने सत्यम के 28, संस्तुत के 27, कुशाग्र 24, रितिक 20 रनों की बदौलत 18 ओवरों में चार विकेट शेष रहते मैच जीत लिया। बेतवा टीम के कृष्णा ने तीन, घनश्याम ने दो, शशांक ने एक विकेट लिया। डीसीए के जिला सचिव उमेर अहमद, आयोजन संयुक्त सचिव बाल किशन निषाद, ऑफीसियल व खेल प्रेमी मौजूद रहे।

10 अप्रैल के बाद भी कर सकते हैं मतदाता बनने के आवेदन

अयोध्या कार्यालय।

- बोले, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और प्रशासन के अफसरों के साथ की बैठक

कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के साथ बैठक करते उप्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा। अमृत विचार

अमृत विचार : प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कहा कि 10 अप्रैल के बाद भी फॉर्म छह भरकर अपना नाम मतदाता सूची में बढ़वा सकते हैं। यह उन लोगों के लिए होगा, जिनका नाम 10 अप्रैल को मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन में नाम नहीं होगा। वह गुरुवार को यहां राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और प्रशासन के अफसरों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि एसआईआर के तहत नोटिस पर सुनवाई प्रदेश में 99.70 फीसदी और जिले में 99.40 फीसदी पूरी हो चुकी है। 27 अप्रैल तक यह काम पूरा हो जाएगा। 10 अप्रैल को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। उन्होंने कहा कि आम लोगों में यह भ्रम नहीं होना चाहिए। कि आगे मतदाता सूची में नाम नहीं बढ़ेगा। यदि सूची में उनका नाम नहीं है तो वह फिर फॉर्म छह भरकर मतदाता बन सकते हैं। बताया कि जिन लोगों ने छह मार्च के बाद फॉर्म छह भरा है उनका नाम भी सूची में शामिल होगा लेकिन 10 अप्रैल के बाद। सूची में यदि नाम में गड़बडी दिखती है तो फॉर्म आ भरकर उसे दुरुस्त करा लें। बताया कि राजनीतिक दलों के साथ बैठक में कोई बड़ी शिकायत नहीं रही। सभी पांच विधानसभा के सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ बैठक में अब तक के कार्यों की समीक्षा की गई।

उन्होंने बताया कि आयोग ने चुनाव के दौरान कई नई सुविधाएं देने पर विचार किया है। अब मोबाइल फोन मतदान केंद्र तक ले जा सकेंगे। केवल वोट डालने के दौरान अंदर नहीं ले जा सकेंगे। वहां मोबाइल फोन रखने की व्यवस्था होगी। अन्य सुविधाएं भी होंगी।बताया कि अब फॉर्म छह भरने वालों को वोटर आईडी के लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। 15 दिन के भीतर उन्हें वोटर आईडी डाक से मिल जाएगी।

तथ्यपरक शोध के लिए धन जरूरी : प्रो. रंजू

अयोध्या कार्यालय। गुणात्मक एवं तथ्यपरक शोध के लिए वित्त की उपलब्धता एक अति आवश्यक प्राचल है, अत: हमें विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं से वित्तीय अनुदान प्राप्त करने हेतु प्रयास करना चाहिए। ये बातें श्री शालिग्राम पीजी कॉलेज, मेरठ की प्रो. रंजू नारंग ने गुरुवार को कहीं। वह डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं ललित कला विभाग के संयुक्त तत्वाधान में उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड आर्थिक संघ द्वारा वित्तपोषण के साथ शैक्षणिक शोध संस्थानों के विकास में वित्तीय अनुदान का योगदान विषयक पर अर्थशास्त्र व ग्रामीण विकास विभाग के सेमिनार हाल में आयोजित एक दिवसीय विचार गोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहीं थीं। अध्यक्षता कर रहे अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के अध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा अध्यक्ष ने कहा कि शोध संबंधी विभिन्न तकनीकी आवश्यकता के लिए पर्याप्त वित्त की उपलब्धता अच्छे शोध को उत्प्रेरित करती है। डॉ. अलका श्रीवास्तव ने वित्तीय सहायता से संबंधित गैर सरकारी संस्थानों से अनुदान प्राप्त करने के तरीकों पर प्रकाश डाला। डॉ. रीमा सिंह ने यह बताया कि शोध लागत को देखते हुए शोध छात्र छात्राएं के लिए वित्तीय अनुदान आवश्यक है।

सिद्ध योगियों की लीला है महारास: आचार्य ज्ञानचंद

पूराबाजार, अमृत विचार। ब्लॉक के राजेपुर में गोसाईगंज विधायक अभय सिंह के आवास पर चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में अंतरराष्ट्रीय कथा ब्यास आचार्य ज्ञानचंद द्विवेदी ने कहा कि योगेश्वर श्रीकृष्ण एवं सिद्ध योगियों की लीला है महारास। यह काम के पराभव की भी लीला है। कहा कि भगवान ने पृथ्वी पर पाप का अंत करने के लिए कंस का वध किया, आतंक का शमन ही कंस वध है। कथा में प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजय सिंह, पूर्व मंत्री अमिता सिंह, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, विधायक चंद्रभानु पासवान, विधायक कटेहरी धर्मराज निषाद, विधायक करनैलगंज अजय सिंह, विधायक कटरा बावन सिंह, एमएलसी पवन सिंह चौहान, विधायक ज्ञानापुर भदोही विपुल दुबे, विधायक सुल्तानपुर सदर राज बाबू उपाध्याय, विधायक मनकापुर रमापति शास्त्री, पूर्व सांसद जौनपुर केपी सिंह सहित तमाम श्रोता मौजूद रहे।

लाभार्थियों को मिल रहा योजनाओं का लाभ

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

कार्यक्रम में मौजूद प्रभारी मंत्री गिरीश चंद्र यादव, जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला।

अमृत विचार। जनपद के प्रभारी मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने 9 वर्षों के कार्यकाल में विकास का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा रहा है, जिससे प्रदेश के समग्र विकास को गति मिली है। प्रभारी मंत्री कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित उत्तर प्रदेश के नव निर्माण के 9 वर्ष तथा 'विकसित भारत–विकसित उत्तर प्रदेश कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम का संचालन मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने किया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार 9 वर्षों की उपलब्धियों को नव निर्माण के 9 वर्ष के रूप में मना रही है। इस अवधि में कानून व्यवस्था, निवेश, बुनियादी ढांचा, कृषि, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और तकनीकी आधारित सुशासन के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। कहा कि प्रदेश आज भयमुक्त, निवेश अनुकूल और तेजी से विकसित होने वाला राज्य बन चुका है।

योजनाओं के लाभार्थियों को वितरित किया प्रमाण पत्र

प्रभारी मंत्री द्वारा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, स्वीकृति पत्र एवं प्रतीकात्मक चाभियां वितरित की गईं। कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रभारी मंत्री ने सूचना विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ किया तथा अधिकारियों के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योत्सना बंधु, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में लाभार्थी एवं आमजन उपस्थित रहे।

कुरान की तिलावत वाले घरों में नहीं होता है शैतान का वास : शाहिद हुसैन

शाहिद हुसैन रिजवी, मौलाना।

जिला संवाददता, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। कुरान सिर्फ किताब नहीं बल्कि दर्स-ए-इंकेलाब भी है। कुरान की सबसे बड़ी सूरह है सूर्ह बकरा। कुरान में सबसे बेहतरीन पीने वाली चीज को दूध बताया गया है। कुराने करीम में खुदा की नजर में सबसे बुरा तलाक को बताया गया है। उक्त तथ्य मौलाना शाहिद हुसैन रिजवी ने गुरुवार को रोजादारों के एक समूह को संबोधित करते हुए प्रस्तुत किया। माहे रमजान में कुरान के महत्व को समझाते हुए उन्होंने कहा कि पवित्र कुरान कयामत के दिन हम सब निजात की सिफारिश के संग गवाह और प्रमाण का काम करेगा। पवित्र कुरान की तिलावत व्यक्ति को कई बीमारियों से बचाती है और कब्र की सजा से मुक्ति दिलाती है। यह वाल्दैन के गुनाहों की सजा को कम कर देती है। लिहाजा यह दर्शाता है कि कुरान से लगाव सांसारिक बरकतों और शाश्वत दोनों ही पुरस्कार प्रदान करता है। शैतान के लिए इससे अधिक कष्टदायक कुछ नहीं है कि वह बंदों को कुरान पढ़ते हुए देखता है। कुरान की तिलावत वाले घरों में शैतान का वास नहीं होता है। पवित्र कुरान को हिफ्ज करने वाले का स्थान जन्नत में ऊंचा होता है।

नगर पालिका ने हटाई शहजादपुर से पुरानी सब्जी मंडी

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। जनपद के शहजादपुर में पुरानी सब्जी मंडी को हटाकर बभनगवा स्थित नव-निर्मित मंडी में स्थानांतरित कर दिया गया है। नगर पालिका ने यह कदम ट्रैफिक जाम की समस्या के समाधान के लिए उठाया है। नई सब्जी मंडी में नगर पालिका परिषद द्वारा टिन शेड सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। दुकानों का आवंटन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया गया है। प्रभारी ईओ उपजिलाधिकारी विशाल सारस्वत ने बताया कि मंडी को नई जगह पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इस स्थानांतरण के लिए पिछले दो महीने से लगातार प्रचार-प्रसार किया जा रहा था। नई जगह पर मंडी के आने से क्षेत्र में जाम की समस्या से काफी राहत मिलेगी। पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर लगभग 100 दुकानदारों को जगह आवंटित की गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिन दुकानदारों को अभी टिन शेड में जगह नहीं मिल पाई है, उन्हें भी जल्द ही नए टिन शेड बनाकर दुकानें आवंटित की जाएंगी।

25 लाख रुपए के 125 मोबाइल किए बरामद

अंबेडकरनगर। अमृत विचार। जनपद पुलिस की मोबाइल रिकवरी सेल ने बड़ी सफलता हासिल किया है। टीम ने विभिन्न स्थानों से कुल 125 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन मोबाइलों की अनुमानित कीमत लगभग 25 लाख रुपए है, जिन्हें उनके असली मालिकों को सौंप दिया गया है। पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर ने इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आम लोगों के गुम हुए मोबाइलों की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस कार्यालय में गठित मोबाइल रिकवरी सेल की टीम ने यह उपलब्धि हासिल किया है। पुलिस अधीक्षक ने लोगों को सेकेंड हैंड मोबाइल खरीदने से बचने की सलाह दी, क्योंकि इससे न केवल आर्थिक नुकसान हो सकता है, बल्कि कानूनी जटिलताओं का भी सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने मोबाइल की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने को कहा कि क्योंकि इनमें कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और व्यक्तिगत जानकारी होती है। कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति को फोन पर अपना ओटीपी वन टाइम पासवर्ड साझा न करें। साथ ही यदि कोई व्यक्ति फोन पर पैसों की मांग करता है, तो तुरंत इसकी शिकायत साइबर थाने में दर्ज कराएं।

पीड़ित को मोबाइल देते पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर।

इंटरलॉकिंग सड़क का लोकार्पण करते संतोष यादव। अमृत विचार

ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने इंटरलॉकिंग सड़क का किया लोकार्पण

संवाददाता, आजमगढ़। अमृत विचार : क्षेत्र के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कोयलसा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि संतोष यादव ने बृहस्पतिवार को ग्राम मादेपुर में इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण कर इसे जनता को समर्पित किया। इस सड़क के निर्माण से गांव के लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्रीय विकास को गति मिलेगी। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि संतोष यादव ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं और आगे भी जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ही उनकी पहली प्राथमिकता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान रिखू पटेल, प्रधानाध्यापक दिनेश यादव, पूर्व चेयरमैन जोगेंद्र सिंह, रामचंद्र जायसवाल एवं आनंद तिवारी सहित कई पार्टी कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी मौजूद रहे।

ट्रक व पिकअप की टक्कर, तीन घायल

आजमगढ़। अमृत विचार : जिले के निजामाबाद थाना क्षेत्र के फरिहा चौक पर बुधवार देर रात ट्रक और पिकअप की आमने-सामने टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि अनियंत्रित ट्रक पुलिस बूथ में जा घुसा। निजामाबाद थाना क्षेत्र के फरिहा चौक पर बुधवार देर रात तेज रफ्तार ट्रक और पिकअप के बीच टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे बने पुलिस बूथ में जा घुसा, जिससे बूथ को भी नुकसान पहुंचा। फरिहा पुलिस चौकी पुलिस ने घायलों को नजदीकी अस्पताल भिजवाया।

जल संचयन के लिए किया प्रेरित

टांडा, अंबेडकरनगर।

जल महोत्सव कार्यक्रम का फीतकाट कर उद्घाटन करते एमएलसी डॉ. हरिओम पांडे।

अमृत विचार। टांडा ब्लॉक के ग्राम पिपरी मोहम्मदी में जल महोत्सव कार्यक्रम के तहत जल अर्पण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय उपस्थित रहे।

एमएलसी ने जल संचयन और जल बंधन कर लोगों को जल संरक्षण का संदेश दिया तथा नल जल योजना से लाभान्वित परिवारों को जल बचाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर पिपरी मोहम्मदी के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों द्वारा जल संरक्षण को लेकर रैली निकाली गई और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिससे पूरे गांव में जागरूकता का माहौल बना। कार्यक्रम में जल निगम के सहायक अभियंता पवन कुमार, नितेंद्र पांडेय, अभिषेक वर्मा, अवर अभियंता धर्मेंद्र प्रसाद और मिथुन चक्रवर्ती, ग्राम प्रधान सुरेश वर्मा, वीटीएल फर्म के प्रतिनिधि अरुण कजला सहित ग्रामवासी और विद्यालय के बच्चे उपस्थित रहे। बताया गया कि पिपरी मोहम्मदी जल योजना लगभग 2 करोड़ 95 लाख रुपए की लागत से निर्मित हुई है, जिससे 303 परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। योजना के अंतर्गत 11.6 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई है और पिछले एक वर्ष से नियमित जलापूर्ति की जा रही है। गौरतलब है कि इससे पूर्व 16 मार्च 2026 को अकबरपुर ब्लॉक के ग्राम जोगापुर में भी जल अर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

दो बच्चों की मां युवक के साथ लापता

जलालपुर, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से दो बच्चों की मां के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। महिला अपने साथ नकदी और लाखों रुपए के जेवर भी लेकर चली गई है। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि महिला के ससुर ने कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि बीते 15 मार्च को परिवार के सदस्य खेत पर काम करने गए थे। इसी दौरान करीब दोपहर 3 बजे उनकी बहू घर से अचानक गायब हो गई। आरोप है कि वह घर से लगभग पांच लाख रुपए के सोने-चांदी के कीमती आभूषण भी ले गई। गायब हुए आभूषणों में कान की बाली, झुमका, सोने की अंगूठी, कमर करधनी, शादी का हार तथा अन्य जेवरात शामिल हैं। परिजनों के अनुसार इनकी कुल कीमत करीब 5 लाख रुपए बताई जा रही है।

प्रतियोगिता | देव इंद्रावती महिला महाविद्यालय कटेहरी में में बेटियां दिखाएंगी अपनी धमक

राज्य स्तरीय महिला हॉकी प्रतियोगिता की तैयारी पूरी

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

आयोजन समिति के सदस्यों के साथ क्रीड़ा स्थल का जायजा लेते जिला हॉकी संघ के सचिव डॉ. हनुमान प्रताप सिंह व अन्य।

अमृत विचार। राज्य स्तरीय आमंत्रण महिला हॉकी प्रतियोगिता की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। जिला क्रीड़ाधिकारी शीला भट्टाचार्य ने बताया कि खेल निदेशालय द्वारा जिला ओलंपिक संघ हॉकी संघ के सचिव डॉ. हनुमान प्रताप सिंह के अनुरोध पर राज्य स्तरीय आमंत्रण सीनियर महिला हॉकी प्रतियोगिता आवंटित की गई है।

प्रतियोगिता का आयोजन खेल निदेशालय के तत्वावधान में जिला खेल कार्यालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिलाधिकारी द्वारा बेहतर तरीके से प्रतियोगिता कराए जाने का निर्देश दिया गया है। राजकीय स्टेडियम में 400 मीटर का ट्रैक निर्माणाधीन है। जिसके मद्देनजर खिलाड़ियों की सुविधा को देखते हुए यह प्रतियोगिता देव इंद्रावती महिला महा विद्यालय कटेहरी में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में नौ मंडल और मेजबान जनपद की एक टीम प्रतिभाग करेंगी। प्रतियोगिता में लखनऊ, मेरठ, सहारनपुर, गोरखपुर, वाराणसी, झांसी, अयोध्या, प्रयागराज, बरेली और अंबेडकरनगर जनपद की टीम प्रतिभाग करेंगी। प्रतियोगिता का शुभारंभ 20 मार्च को किया जाएगा। जबकि समापन 24 मार्च को होगा। गुरुवार को जिला हॉकी संघ के सचिव ने आयोजन समिति के सदस्यों के साथ क्रीड़ा स्थल का जायजा लिया।

क्रीड़ा स्थल पर पहुंचे अंपायर, जज और टेक्निकल स्टाफ

जिला हाकी संघ के सचिव डॉ. हनुमान प्रताप सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता की सकुशल संपन्न कराने के लिए अंपायर, जज और टेक्निकल स्टाफ पहुंच गया है। जिसमें आजमगढ़ से चांदनी, रामपुर से मुस्कान, फतेहपुर से धीरेन्द्र, झांसी से कशिश, फर्रुखाबाद से शबनम, झांसी से मनीषा, मेरठ से संदीप और नरेंद्र, आगरा से आशा, प्रयागराज से मनीष शामिल हैं।

बाइक ने युवती को मारी जोरदार टक्कर, मौत

अंबेडकरनगर, अमृत विचार। सड़क हादसे में 26 वर्षीय युवती की मौत हो गई। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के टांडा रोड स्थित पटेल नगर के पास जॉब से लौट रही युवती को तेज रफ्तार बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान महरुआ थाना क्षेत्र के आदमपुर तिंदौली निवासी पुनीता यादव पुत्री शेषमणि यादव के रूप में हुई है। पुनीता अकबरपुर में मारुति एजेंसी में काम करती थी और पटेल नगर में किराए के मकान में रहती थी। बुधवार देर शाम वह अपनी नौकरी से लौटकर सब्जी लेने जा रही थी, तभी पीछे से आए एक अनियंत्रित दोपहिया वाहन ने उसे टक्कर मार दी।

शिवाला घाट पर नव वर्ष महोत्सव का आयोजन

जलालपुर, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। जलालपुर स्थित शिवाला घाट पर तमसा नदी के पावन तट पर नव वर्ष चेतना समिति द्वारा नूतन वर्ष के स्वागत में भव्य नव वर्ष महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय काल गणना प्रणाली तथा विक्रम संवत आधारित हिंदू पंचांग के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना और भारतीय संस्कृति की जड़ों को सुदृढ़ करना रहा। महोत्सव के अंतर्गत हवन एवं दीपोत्सव का आयोजन कर आमजन के साथ नव वर्ष का स्वागत किया गया। समिति के अध्यक्ष डॉ मिथिलेश त्रिपाठी ने भारतीय नव वर्ष की मंगल बेला पर लोगों से अपील करते हुए कहा कि अपने घरों पर 'ॐ' अंकित पताका लगाएं, बंधनवार सजाएं तथा मोहल्लों के मंदिरों और चौराहों को सजाकर नव वर्ष की शुभकामनाएं व्यापक रूप से प्रसारित करें। उन्होंने बैनर और पोस्टर के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक शुभकामना संदेश पहुंचाने का भी आह्वान किया।

अमृत विचार

अयोध्या, शुक्रवार, 20 मार्च 2026

सुलतानपुर

न्यूज ब्रीफ

बम फेंकने के मामले में अग्रिम जमानत खारिज

सुलतानपुर, अमृत विचार : जुड़ारा प्रधान के घर पर बम फेंकने के मामले में दो किशोर आरोपियों की गिरफ्तारी रोकने के लिए दायर अग्रिम जमानत अर्जी को कोर्ट न्यायाधीश निशा सिंह की अदालत ने आरोपो को गंभीर पाते हुए खारिज कर दी। अभियोजन की ओर से वादी के अधिवक्ता सन्तोष पाण्डेय ने बताया कोतवाली देहात थाने के जुड़ारा गांव के प्रधान अनिल मिश्र ने बीती 10 फरवरी की रात लोहरामऊ के सूदापुर स्थित घर पर बमबारी के आरोप में दो नामजद एवं कुछ अज्ञात पर केस दर्ज कराया था।

दुष्कर्म के आरोपी सिपाही की जमानत अर्जी खारिज

सुलतानपुर, अमृत विचार : बल्दीराय थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला के साथ शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने, बिना सहमति गर्भपात कराने , गाली देने व धमकी देने के मामले में जेल में निरुद्ध डायल 112 के सिपाही आमिर फिरदौस की जमानत अर्जी फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम न्यायाधीश राकेश की अदालत ने खारिज कर दी है। एडीजीसी दान बहादुर वर्मा ने बताया कि आरोपी सिपाही चन्दौली जिले के थानाक्षेत्र साहबगंज के भोडसर गांव का निवासी है। उसके खिलाफ बीते दिनों पीड़िता ने दुष्कर्म समेत अन्य आरोप में केस दर्ज कराया था। पुलिस ने आरोपी सिपाही को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

न मिले सिलेंडर तो यहां करें शिकायत

सुलतानपुर, अमृत विचार : जिला पूर्ति अधिकारी जीवेश कुमार मौर्य ने स्पष्ट किया है कि जिले में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और उपभोक्ताओं को घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि सभी उपभोक्ता नियमानुसार गैस की बुकिंग कर अपनी रिफिल संबंधित एजेंसी से प्राप्त करें। यदि किसी उपभोक्ता को गैस सिलेंडर प्राप्त करने में कोई समस्या आती है तो वह 9096202871 व 7800000041 नंबरों पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है।

उत्तराखण्ड के विवि में व्याख्यान देंगे डॉ. अरुण

सुलतानपुर, अमृत विचार : जनपद के युवा कवि एवं लेखक डॉ. अरुण निषाद 21 मार्च को उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार में आयोजित व्याख्यानमाला में अपना व्याख्यान देंगे। यह कार्यक्रम साहित्य अकादमी नई दिल्ली और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। डॉ. निषाद भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर अपने विचार रखेंगे।

विवाहिता की हत्या के मामले में कोर्ट सख्त, विवेचक मय केस डायरी तलब

मानीटरिंग अर्जी पर सुनवाई के बाद क्राइम ब्रांच गौरीगंज को स्थानांतरित हुई विवेचना

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: अमेठी जिले में विवाहिता की हत्या के प्रकरण में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नवनीत सिंह की अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए विवेचक को केस डायरी सहित तलब किया है। यह आदेश गौरीगंज थानाक्षेत्र के शिवदीन टिकरिया निवासी कृष्ण कुमार पाण्डेय के अधिवक्ता रोहित अवस्थी व संदीप पांडेय की ओर से प्रस्तुत मानीटरिंग अर्जी पर सुनवाई के बाद पारित किया गया। अधिवक्ता ने बताया लचर विवेचना के चलते एसपी अमेठी ने मामले की विवेचना को अब क्राइम ब्रांच को सौंप दिया है।

आरोप है कि कृष्ण कुमार की पुत्री की शादी करीब 10 वर्ष पूर्व अमेठी जिले के पूरे शिवगुलाम घूरे का पुरवा निवासी उमाकान्त शुक्ल के साथ हुई थी, जिसके बाद से ससुराल पक्ष द्वारा लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा। 18 फरवरी 2026 को संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी पुत्री की मृत्यु हो गई, जिसमें मारपीट और करंट लगाकर हत्या करने का आरोप लगाया गया है। तहरीर पर थाना अमेठी में हत्या समेत अन्य आरोप में पति उमाकांत शुक्ल, देवर रविकांत, जटाशंकर व ससुर अरविंद शुक्ल के खिलाफ दहेज उत्पीड़न समेत हत्या का केस दर्ज हुआ। वादी का आरोप है कि पुलिस द्वारा निष्पक्ष जांच नहीं की जा रही है तथा पति के अलावा अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी नहीं हुई है। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित विवेचक को निर्देशित किया है कि वह 09 अप्रैल को न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर केस डायरी प्रस्तुत करें, ताकि प्रकरण की प्रगति का अवलोकन किया जा सके। इस आदेश के बाद मामले की निगरानी अब न्यायालय स्तर पर होने की संभावना बढ़ गई है।

राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के केस में नहीं दर्ज हो सकी गवाही

संवाददाता, सुलतानपुर : आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह समेत अन्य के खिलाफ एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रहे मुकदमे में गुरुवार को एफआईआर लेखक अजीत पांडेय व विवेचक अनूप सिंह से जिरह की कार्रवाई नही हो सकी। विशेष कोर्ट एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने विवेचक से जिरह करने के लिए 27 मार्च की तारीख नियत की है। बंधुआकला थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी प्रवीण कुमार यादव ने 13 अप्रैल 2021 को आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सदस्य संजय सिंह समय 13 लोगों के खिलाफ नामजद व अज्ञात लोगों के विरुद्ध आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था।

कादीपुर के पूर्व सपा विधायक पर दर्ज केस में फाइनल बहस जारी

संवाददाता, सुलतानपुर : कादीपुर के पूर्व सपा विधायक रामचन्दर चौधरी व कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा के खिलाफ दर्ज केस में फाइनल बहस जारी है। गुरुवार को बचाव पक्ष के अधिवक्ता अरविंद सिंह राजा ने एमपी-एमएलए कोर्ट जज राकेश की अदालत में बहस पूर्ण की। कोर्ट ने शेष बहस के लिए 24 मार्च की तारीख नियत की है। 17 दिसंबर 2002 को कादीपुर के संत तुलसीदास डिग्री कॉलेज के पास सड़क दुर्घटना में छात्रा पूनम श्रीवास्तव की मौत हो जाने पर लोगों ने सड़क जामकर प्रदर्शन किया था। तत्कालीन कोतवाल शिवराज सिंह ने पूर्व सपा विधायक राम चन्दर चौधरी व कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा समेत कई अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

संग्रह अमीन हत्याकांड में 13 आरोपियों के बयान दर्ज 24 मार्च को अगली सुनवाई

बहुचर्चित संग्रह अमीन सुरेश यादव एवं उनके भतीजे बृजेश यादव हत्याकांड में गुरुवार को अदालत में अहम प्रगति हुई। न्यायाधीश संध्या चौधरी की अदालत में जलालुद्दीन, संजय यादव, मनीष यादव, अभय यादव, राहुल यादव, संजय यादव प्रधान, मनोज यादव, मुकेश यादव समेत 13 आरोपियों के बयान दर्ज किए गए। एडीजीसी पवन कुमार दूबे ने बताया कि दो आरोपी अंकित और डब्बू जेल में निरुद्ध होने के कारण उनके बयान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दर्ज कराए गए। वहीं, बचाव पक्ष के अधिवक्ता संतोष पांडेय के अनुसार बयान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अदालत ने मामले में सफाई साक्ष्य के लिए अगली तारीख 24 मार्च नियत की है।

- संग्रह अमीन सुरेश यादव व भतीजे बृजेश हत्याकांड का मामला

गौरतलब है कि अमेठी जनपद के मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के भद्दौर गांव निवासी संग्रह अमीन सुरेश यादव और उनके भतीजे बृजेश यादव की 27 फरवरी 2023 को कथित चुनावी रंजिश के चलते गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मृतक बृजेश के भाई योगेश यादव ने केस दर्ज कराया था। इस मामले में जलालुद्दीन, संजय यादव समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ अदालत में सुनवाई जारी है तथा अगली नियत तारीख पर बचाव पक्ष सफाई साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

बल्दीराय, सुलतानपुर, अमृत विचार : स्थानीय थाना क्षेत्र के पूरे सूबेदार मजरे बिसावां में बुधवार की देर रात एक युवक का शव पेड़ से शर्ट के सहारे लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। ग्रामीणों के अनुसार मृतक की पहचान राहुल यादव (21) पुत्र राजेंद्र यादव के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर क्षेत्राधिकारी बल्दीराय व थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से गहन जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि थाना क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन शव मिलने की घटना से इलाके में दहशत का माहौल है और लोग तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं। इस घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है और गांव में शोक की लहर है।

तालाब में डूबने से दो किशोरों की मौत व एक की बची जान

कादीपुर-सुल्तानपुर, अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के मलिकपुर गांव में गुरुवार शाम एक दर्दनाक हादसे में दो किशोरों की तालाब में डूबने से मौत हो गई, जबकि एक बालक को ग्रामीणों की सूझबूझ से बचा लिया गया। घटना के बाद गांव में मातम पसर गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार लगभग 3:30 से 4:00 बजे के बीच मलिकपुर गांव के तीन बच्चे रत्नेश (13 वर्ष) पुत्र जियाराम, कक्षा 8, कुंदन (14 वर्ष) पुत्र रविंद्र, कक्षा 7 और अमन (13 वर्ष) पुत्र प्रमोद, कक्षा 5—गांव के पास स्थित तालाब में नहाने गए थे। इसी दौरान गहराई में जाने से तीनों बच्चे डूबने लगे।

घटना को पास में मौजूद ग्रामीण आदि शक्ति दूबे व अच्छेलाल ने देखा तो तुरंत मौके पर पहुंचकर तीनों को बाहर निकालने का प्रयास किया। कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने तीनों बच्चों को तालाब से बाहर निकाला और तत्काल डायल 112 को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से बच्चों को अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने रत्नेश और कुंदन को मृत घोषित कर दिया, जबकि अमन की हालत में सुधार बताया जा रहा है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आवश्यक विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है। वहीं प्रशासन द्वारा परिजनों को हर संभव सहायता दिलाने की बात कही जा रही है।

हीट वेव पर प्रशासन अलर्ट, हुई बैठक

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: बढ़ती गर्मी और संभावित हीट वेव को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। गुरुवार को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक अपर जिलाधिकारी वित्त एव राजस्व राकेश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सभी विभागों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए गए।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग को सीएचसी-पीएचसी पर लू से बचाव के इंतजाम सुनिश्चित करने, शिक्षा विभाग को स्कूल समय में बदलाव और जागरूकता अभियान चलाने को कहा गया। वहीं नगर पालिका और पशुपालन विभाग को रैन बसेरा व जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। अग्निशमन महकमे को पूरी तरह से सतर्क रहने का निर्देश दिया। वही अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि हीट वेव से प्रभावित लोगों को तत्काल आर्थिक सहायता दी जाए। प्रशासन का फोकस जन जागरूकता बढ़ाने और समय रहते राहत पहुंचाने पर है। बैठक में सीएमओ, एसीएमओ, सीवीओ, जिला पंचायत राज अधिकारी, बीएसए, जिला आपदा विशेषज्ञ, अग्निशमन अधिकारी तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हीट वेव को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करते एडीएम वित्त एवं राजस्व।

- एडीएम वित्त ने विभागों के साथ की तैयारी की समीक्षा

चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: चैत्र नवरात्र के पहले दिन गुरूवार को सुबह से ही जिले भर के देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह होते ही भक्त माताराणी के दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंचने लगे और पूरे दिन जय माता दी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

भारतीय नववर्ष के साथ शुरू हुए चैत्र नवरात्र के पहले दिन भदैया के लोहरामऊ स्थित दुर्गा देवी धाम में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालु माता शैलपुत्री की पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचकर नारियल, चुनरी और साज-सज्जा का सामान अर्पित करते रहे तथा हलुआ-पूरी का भोग लगाया। मंदिर परिसर को फूलों और आकर्षक लाइटों से सजाया गया था, जो भक्तों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। मुख्य द्वार से लेकर गर्भगृह तक भव्य सजावट के बीच श्रद्धालु आरती और हवन करते नजर आए। मंदिर के पुजारी पंडित राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने बताया कि नवरात्र के दौरान भक्तों को सुगमता से दर्शन कराए जा रहे हैं। वहीं, गोमती नदी किनारे स्थित शाहपुर हरिवंश गांव के मरी माई धाम में भी सुबह से दोपहर तक श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। **बल्दीराय संवाददाता के अनुसार** नवरात्र पर्व के शुभ अवसर पर रसूलपुर स्थित गायत्री ज्ञान मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ यज्ञ पूजन एवं स्थापना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से यज्ञ संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यज्ञ में हनुमान सिंह, रंग बहादुर सिंह, विक्रम, शिव शंकर अग्रहरी सहित कई अन्य लोगों ने आहुति देकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। श्रद्धालुओं ने माता रानी की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। **विंदेश्वरीगंज संवाददाता के अनुसार** चैत्र शुक्ल पक्ष की वर्ष प्रतिपदा पर हिन्दू नववर्ष के अवसर पर बल्दीराय तहसील क्षेत्र में गुरुवार को भव्य भगवा ध्वज बाइक यात्रा निकाली गई। सरैया माफी मंडल में आयोजित इस यात्रा को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखने को मिला। यात्रा की शुरुआत नर्मदेश्वर भगवान शिव मंदिर, अयोध्या दुबेपुर (अयोध्यापुरम) से विधिवत पूजन-अर्चन के साथ हुई। इसके बाद स्वयंसेवक भगवा ध्वज के साथ सुरेशनगर बाजार, गोविंदपुर, अगई होते हुए चंदौर पहुंचे, जहां खारा मंडल के कार्यकर्ताओं ने भी सहभागिता की। यात्रा रामनगर, पीपरगांव, हरौरा और सरैया होते हुए देहली बाजार पहुंची, जहां स्थानीय लोगों ने पुष्प वर्षा कर जोरदार स्वागत किया। दीपक तिवारी के नेतृत्व में संजय पांडेय, प्रशांत तिवारी, गुड्डू तिवारी, बबलू पांडेय समेत दर्जनों ग्रामीणों ने यात्रियों का अभिनंदन किया। इसके बाद यात्रा समरथपुर, बघौना बाजार, लंगड़ी और वलीपुर जंगलीनाथन धाम होते हुए केवटली पहुंची और पुनः नर्मदेश्वर मंदिर पर संपन्न हुई।

देहली बाजार में ध्वज बाइक यात्रा निकालते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

- सुबह से ही जयमाता दी के जयकारों से गूंजे मंदिर लोहरामऊ मंदिर में लगी रही भक्तों की भारी भीड़

छात्रा से छेड़छाड़ का आरोप, केस दर्ज

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचार : गोसाईगंज थाना क्षेत्र की एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ और पीछा किए जाने की बात कहते हुए परिजनों ने तहरीर दी है। परिवार के अनुसार, उनकी 21 वर्षीय बेटी पढ़ाई के लिए जिला मुख्यालय आती-जाती थी, उसे एक युवक द्वारा अश्लील टिप्पणियां व धमकी दिए जाने से छात्रा मानसिक रूप से परेशान हो गई। परिजनों को जानकारी होने पर उन्होंने थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। गोसाईगंज थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

77 हजार से अधिक मतदाताओं के नाम हटे

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचार : पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच जिले में अनंतिम मतदाता सूची के सत्यापन का कार्य तेजी से चल रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर अब तक करीब 97 प्रतिशत सत्यापन कार्य पूरा कर लिया गया है। जांच के दौरान बड़ी संख्या में डुप्लीकेट मतदाता सामने आए हैं, जिनमें से अब तक 77,449 नाम मतदाता सूची से हटाए जा चुके हैं। जिले में इस कार्य के लिए कुल 1223 बीएलओ लगाए गए हैं, जो 979 ग्राम पंचायतों में घर-घर जाकर सत्यापन कर रहे हैं। गौरतलब है अनंतिम सूची के प्रकाशन के समय जिले में कुल 20,28,565 मतदाता दर्ज थे। इसके बाद आयोग की जांच में 7,07,856 डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान की गई, जिनका सत्यापन

- अंतिम दौर में पंचायत निर्वाचक नामावली सत्यापन

कराया जा रहा है। सत्यापन के दौरान अब तक 6,07,030 मतदाता वैध पाए गए हैं, जबकि 23,377 मतदाताओं का सत्यापन अभी बाकी है। सत्यापन के दौरान 77,449 मतदाताओं का नाम डिलीट किया गया है। अपर जिलाधिकारी प्रशासन व उप जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव शुक्ल ने बताया कि शेष मतदाताओं का सत्यापन जल्द पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ ही पंचायत चुनाव से पहले 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक नए मतदाता लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग ले सकें।

फेसबुक के झांसे में आ युवक ने गवांए 1.53 लाख

संवाददाता सुलतानपुर, अमृत विचार : नगर कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइन निवासी बृजेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने पुलिस अधीक्षक को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए टाटा 1 एमजी की दुकान दिलाने के नाम पर यह रकम जमा की थी। काफी समय बीत जाने के बाद भी न तो कोई एजेंसी मिली और न ही कोई कार्यवाही हुई। ठगी का एहसास होने पर उन्होंने ऑनलाइन एफ आई आर भी दर्ज कराई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। बृजेन्द्र त्रिपाठी ने मांग की है कि उनकी जमा धनराशि वापस दिलाई जाए और फेसबुक के जरिए लोगों को ठगने वाले आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इस घटना ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर बढ़ते साइबर अपराधों को उजागर किया है। साइबर थाना प्रभारी ने बताया कि एसपी के निर्देश पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

किशोरी अपहरण मामले में पुलिस की क्लीनचिट रद

सुलतानपुर, अमृत विचार: अमेठी जनपद के भाले सुलतान शहीद स्मारक थाना क्षेत्र में दर्ज नाबालिग किशोरी के अपहरण के मामले में अदालत ने पुलिस की अंतिम रिपोर्ट (क्लीनचिट) को निरस्त कर दिया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नवनीत सिंह की कोर्ट ने पीड़िता की मां की ओर से दाखिल प्रोटेस्ट अर्जी पर सुनवाई करते हुए मामले में पुनः अग्रिम विवेचना कराने का आदेश दिया। कोर्ट को बताया गया कि बीते साल 20 जून को किशोरी के अपहरण का मामला दर्ज हुआ था। विवेचना के बाद पुलिस ने साक्ष्य के अभाव में अंतिम रिपोर्ट लगा दी थी। इस पर वादिनी पक्ष के अधिवक्ता मोईन खान ने आपत्ति जताते हुए कहा कि आरोपी दिलीप द्वारा किशोरी को बहला ले जाया था और पुलिस ने विवेचना में सही तथ्यों की अनदेखी की।

- तीन माह में दूसरी बार हुए जांच के आदेश, अगली सुनवाई 20 मई को

प्रोटेस्ट अर्जी में यह भी कहा गया कि किशोरी की बरामदगी पटियाला से हुई थी, जबकि पुलिस ने अलग कहानी प्रस्तुत कर दी। सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने पुलिस की क्लीनचिट रद्द करते हुए संबंधित थाना प्रभारी को निर्देश दिया कि मामले की निष्पक्ष अग्रिम विवेचना कर तीन माह के भीतर रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत करें।

दिव्यांग बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम ने कर दिया भावुक

सुलतानपुर, अमृत विचार : दुबेपुर ब्लॉक के भांई गांव में मानवता और संवेदनशीलता की अनूठी तस्वीर देखने को मिली। माहौल उस समय भावुक हो गया, ज़ब मानसिक मंदित विद्यालय के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। मानसिक मंदित संस्थान रूरल इनफॉर्मेटिक एंड सोशल हारमोनी एकेडमी के दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम ने हर किसी को भावुक कर दिया। प्रबंधक मकसूद खान उर्फ मस्सन की पहल पर हुए इस आयोजन में बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियां देकर सभी का दिल जीत लिया। तालियों की गूंज के बीच बच्चों की मुस्कान ने माहौल को भावनाओं से भर दिया।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरे पुत्र रुद्र प्रताप पुत्र पुनीत कुमार के घरेलू नाम से बीमा पॉलिसी संख्या 265566050 है जबकि पुत्र का सही नाम अर्चित प्रताप व पुत्र के पिता का सही नाम शोभित कुमार है जो पुत्र के आधार कार्ड व अन्य शैक्षिक प्रमाण पत्रों में अंकित है। दोनो एक ही व्यक्ति के नाम है। **शोभित कुमार पुत्र आशा राम ,दुर्गा नगर तिर्वा गंज ,जिला कन्नौज।**

सूचना

I, RAJ KUMAR S/O RAM PRASAD, R/O-180A, VISHNU LOK COLONY, MANAS NAGAR, PS- SAROJINI NAGAR, LUCKNOW, UP, HEREBY INFORM EVERYONE THAT I HAVE CHANGED MY NAME TO RAJ KUMAR CHAUDHARY SHOULD BE KNOWN, IDENTIFIED, AND ADDRESSED AS RAJ KUMAR CHAUDHARY.

सूचना

मैने अपना नाम SHAMSHAD से बदलकर SHAMSAD ALI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-VISMILLA ADD- KOTHA, KEDARPUR, PAINTEPUR DEHAT DIST-SITAPUR-261203(U.P.)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 1991 अनु0 465263 का अंकपत्र एवं प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है। **केशव दत्ता निवासी- ग्राम-पोस्ट ककरघटा , शाहाबाद , हरदोई**

सूचना

मैने अपना नाम SIMARANDEEP KAUR से बदलकर SIMRAN DEEP KAUR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-SATENDRA PAL SINGH ADD-VILL AND POST-NAURANGABAD, DIST-LAKHIMPUR KHERI-262905(U.P.)

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल संस्थागत 2018 अनु0 1181307 एवं इण्टरमीडिएट 2021 संस्थागत अनु0 215873082 का अंक पत्र सह प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है। **गुन्जन वर्मा, निवासी- ग्राम नगला भाग , शाहाबाद , हरदोई**

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम MOHAMMAD IRATAJ था से बदलकर MOHAMMAD IRTAJ रख लिया है। अब मुझे MOHAMMAD IRTAJ के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-NISAR ADD-VILL-KATURIKHURD POST-KATURI KALAN PS-BADDUPUR DIST-BARABANKI-225306 (U.P.)

सूचना

सूचित हो कि मेरा हाईस्कूल का अंकपत्र रोल नंबर 1252309740 वर्ष 2025 वास्तव में खो गया है। चौधरी ओंकारनाथ इंटर कालेज चन्द्र नगर नन्दवल से उत्तीर्ण किया था। **गोपाल पुत्र अवधेश कुमार ग्राम सिरौली कला विकास खंड फखरपुर बहराइच।**

सूचना

मै अपने पुत्र सुरेन्द्र जिसका चाल चलन आचरण ठीक नहीं है, उससे अपना समस्त रिश्ता व आवागमन बंद करता हूं तथा उसके द्वारा कृत्य कार्यो का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों से उसके कृत्यों से कोई सरोकार नहीं रहेगा। **प्रार्थी परशुराम पुत्र हरीलाल निवासी ग्राम व पोस्ट कन्थईपुर थाना बदोसरांय जिला बाराबंकी।**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मेरा नाम शीबू/ सुषमा पुत्री हृदय नारायण अब मेरे सभी दस्तावेजों में सुषमा है दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है यह सत्य है भारतीय जीवन बीमा निगम में शीबू के नाम से पालिसी संख्या275761501 खुलवा दी गई है जबकि मेरे सभी दस्तावेज में सुषमा दर्ज है आधार कार्ड मार्कशीट आदि में सही नाम सुषमा है जिसे पालिसी में सही करनेहेतु घोषणा की जा रही है घोषणा कर्ता **सुषमा पुत्री हृदय नारायण निवासी ग्राम अरई चुरैला पोस्ट अरई जनपद अम्बेडकर नगर पिन कोड 224149**

सूचना

मेरा हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की अंकतालिकाएं (मार्कशीट) वास्तव मे खो गया है। जिनका विवरण निम्न है- **नाम व पता- राहुल कुमार पुत्र राजकुमार निवासी ग्राम बरगदवा, पोस्ट ककरहवा थाना मोहाना जिला सिद्धार्थनगर।** हाईस्कूल-परीक्षा वर्ष-2021-रोल नंबर-212743572 इंटरमीडिएट- परीक्षा वर्ष-2023 रोल नंबर-2237376862 बोर्ड- उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद

सूचना

मै **भगौती पुत्र अंगनू निवासी ग्राम धनौरा मजरा दनौर परगना व तहसील मलिहाबाद जिला लखनऊ,** मेरे बड़े पुत्र अनूप व उसकी पत्नी रागिनी का चालो-चलन व आचरण मेरे व मेरे परिवार के प्रति ठीक नही है। मुझसे व मेरे परिवार से हमेशा दुर्व्यवहार करता है अर्थात मारपीट करता है। मैं अपने बड़े पुत्र अनूप व उसकी पत्नी रागिनी के खराब चालो-चलन व आचरण से काफी आहत हूँ इसलिए मै अनूप व उसकी पत्नी को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। आज से मेरा व मेरे परिवार से समस्त रिश्ते-नाते समाप्त हो गये हैं। यदि उपरोक्त अपकृत्य या अपराध करते हैं तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा मेरी व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

आयोजन | कवि सम्मेलन में कवियों ने बांधा समां, श्रोता हुए मंत्रमुग्ध, हिंदू नववर्ष की पूर्व संध्या पर आयोजित किया गया कार्यक्रम

हिन्दू नववर्ष प्राकृतिक व सांस्कृतिक नवचेतना का प्रतीक : जितेंद्रानंद

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: हिंदू नववर्ष की पूर्व संध्या पर पंडित रामनरेश त्रिपाठी सभागार में भारतीय नववर्ष आयोजन समिति द्वारा आयोजित 14 वें भव्य कवि सम्मेलन में गीत और गजलों की मधुर प्रस्तुति ने श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा। अयोध्या से आए कवि जमुना पांडेय की अध्यक्षता व बाराबंकी से पधारे राम किशोर त्रिपाठी के संचालन में कार्यक्रम की शुरुआत जबलपुर से आई कवियत्री मणिका दूबे ने सरस्वती वंदना से की।

बाराबंकी से आए हास्य कवि विकास बौखल ने किसी खंजर से ना तलवार से जोड़ा जाए, सारी दुनिया को चलो प्यार से जोड़ा जाए। ये किसी शख्स को दोबारा ना मिलने पाए, प्यार के रोग को आधार से जोड़ा जाए व लखनऊ से आए ओज कवि अभय निर्भीक ने इसका वैभव सदियों से है बिखराता नित नई छटा, इसे मिटाने वाले मिट गए किन्तु सनातन नहीं मिटा सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। बिहार से आए हास्य व्यंग के कवि शंभू शिखर ने मनहूस से चेहरों को सदा डांटता हूं मैं। गम के बदलियों में भी खुशी छांटता हूं मैं व जबलपुर से आई गीतकार मणिका दूबे ने वजूद धागे सा टूट जाना सही नहीं है। अनापरस्तों से दिल लगाना ठीक नहीं है सुनाकर श्रोताओं की खूब तालियां बटोरी। कोटा से आए गीत व गजलकार कुंवर जावेद ने शहर एक तख्त से हर ताज से लड़ जाती है। कोई भी राज हो हर राज से लड़ जाती है। हमारे देश की बेटी को कितना जानते हो। सुहाग के लिए यमराज से लड़ जाती है, सुनाकर श्रोताओं को भावुक कर दिया। रायपुर छत्तीसगढ़ से पधारे गीतकार रमेश बिस्वहार ,अयोध्या से आए ध्रुव उपाध्याय ने कवि सम्मेलन में गीत-गजलों से समां बांधा। इसके पहले कार्यक्रम के पहले सत्र का शुभारंभ मुख्य वक्ता महासचिव, अखिल भारतीय संघ समिति स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती व कार्यक्रम संयोजक पालिकाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल ने मंचासीन अतिथियों के साथ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कवि सम्मेलन के पहले सत्र को संबोधित करते हुए स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने भारतीय काल गणना, भारतीय नववर्ष की महत्ता और प्रकृति में होने वाले परिवर्तन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा हिन्दू नववर्ष केवल एक तिथि परिवर्तन नहीं, बल्कि प्राकृतिक और सांस्कृतिक नवचेतना का प्रतीक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग संघचालक डॉ एके सिंह व संचालन डॉ प्रीति प्रकाश ने किया।

कवि सम्मेलन में भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, डॉ एमपी सिंह, स्वामी प्रपन्नाचार्य, विभाग प्रचारक श्री प्रकाश, जिला प्रचारक आशीष, रामचन्द्र मिश्रा, एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, विधायक राजबाबू उपाध्याय, बार अध्यक्ष राघवेन्द्र प्रताप सिंह, जगजीत सिंह छंगू, ओम प्रकाश पाण्डेय बजरंगी, ऋषिकेश ओझा, विजय सिंह रघुवंशी, शिव कुमार सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते जितेंद्रानंद सरस्वती। ● अमृत विचार

कलश स्थापना संग हुई मां शैलपुत्री की आराधना

चैत्र नवरात्र का आरंभ, देवी मंदिरों में लगा श्रद्धालुओं का जमघट, दर्शन-पूजन कर मांगा परिवार की सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

आस्था

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार : चैत्र नवरात्र को लेकर मां का दरबार सज गया है। हर तरफ मां के आगमन की धूम मची है। नवरात्र के पहले दिन गुरुवार को देवी मंदिरों में मां के पहले स्वरूप शैलपुत्री की पूजा की गयी। श्रद्धालुओं ने कलश स्थापना कर मां का पूजन अर्चन किया और आशीर्वाद मांगा। शहर के खैरा भवानी मंदिर व काली भवानी मंदिर पर भक्तों का तांता लगा रहा।

उमरी स्थित मां बाराही देवी के मंदिर पर दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। पहले दिन कलश स्थापना संग मां के पहले स्वरूप शैलपुत्री की पूजा अर्चना की गई। लोगों ने व्रत अनुष्ठान किया और घरों में कलश के साथ मां की प्रतिमा स्थापित कर व्रत करने का संकल्प लिया। मंदिरों में भोर से ही देवी पूजन के लिए श्रद्धालु पहुंच गए। व्रतधारियों व अन्य भक्तों ने मंदिर पहुंचकर मां की स्तुति की। शहर के काली भवानी मंदिर, खैरा देवी मंदिर, उमरीबेगमगंज के मां बाराही देवी मंदिर, मनकापुर के बानगढ़ देवी मंदिर, मेहनौन के मां पटमेश्वरी देवी मंदिर, मुंगरौल देवी मंदिर, करनैलगंज के मां काली मंदिर समेत जिले के अन्य देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर माथा टेका और मां की पूजा अर्चना की। मनकापुर के बानगढ़ देवी मंदिर में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। बड़ी संख्या में लोग मां के मंदिर पहुंचे और पूजन-अर्चन किया।

मनकापुर के कोल्हमपुर स्थित मंदिर में दर्शन करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

बेलई आश्रम में आज से मानस ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

परसपुर गोंडा, अमृत विचार : के युक्तपुरी परमधाम स्थित श्री अद्वैत स्वरूप संन्यास आश्रम बेलई आश्रम में गुरुवार से श्री रामचरितमानस ज्ञान यज्ञ, भजन संध्या एवं सत्संग समारोह का शुभारंभ हुआ। आयोजन 19 से 27 मार्च तक होगा। प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से सायं 4 बजे तक मानस सत्र आयोजित होगा, जिसमें श्रद्धालु श्री राम कथा का रसपान करेंगे। कथा वाचन का दायित्व सुप्रसिद्ध कथा व्यास उपासना नन्द पुरी जी रजनी दीदी निभा रही हैं। समारोह का समापन 27 मार्च को भण्डारे के साथ किया जाएगा।

श्रीराम महायज्ञ कलश यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

मसकनवा, गोंडा, अमृत विचार : हनुमानगढ़ी कोटिया धाम मंदिर के 17वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित विशाल नौ दिवसीय श्रीराम महायज्ञ का शुभारंभ गुरुवार को श्रद्धा और भक्ति के माहौल में हुआ। इस अवसर पर निकाली गई भव्य कलश यात्रा में 501 कन्याओं सहित हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता रही, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक प्रभात कुमार वर्मा, पूर्व सांसद की सुपुत्री वर्षा सिंह, ब्लॉक प्रमुख छपिया नीलू पासवान, जिला पंचायत सदस्य शांति भूषण मणि त्रिपाठी तथा प्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा (पायार खास, छपिया) पहुंचे। यज्ञ समिति के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण, अंगवस्त्र और रामचरितमानस भेंट कर सम्मान किया। इसके बाद मंदिर परिसर से कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में आगे हाथी-घोड़े, सजे हुए रथ और पालकी चल रहे थे, जबकि पीछे 501 कन्याओं के साथ हजारों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पीले वस्त्रों में शामिल महिलाओं ने यात्रा की शोभा बढ़ा दी। कलश यात्रा में सीताराम, राधा-कृष्ण, हनुमान जी और भगवान श्रीकृष्ण की आकर्षक झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। वहीं लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत काठगोदवा नृत्य ने माहौल को और भी भक्तिमय बना दिया। सिंगार घाट पर यज्ञाचार्य रामजी शास्त्री, शुभम शास्त्री और पवन पांडे के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मुख्य यजमान रामधीरज शर्मा, गणेश गुप्ता, निवार शर्मा और दीप चंद्र यादव ने कलश पूजन संपन्न कराया। यज्ञ समिति से जुड़े पवन पांडे ने बताया कि नौ दिवसीय श्रीराम महायज्ञ के अंतर्गत प्रतिदिन सायं 8 बजे से देर रात तक श्री राम कथा का आयोजन होगा। सीओ उदित नारायण पालीवाल, छपिया थानाध्यक्ष प्रबोध कुमार तथा हथियागढ़ चौकी प्रभारी शिवकुमार यादव पुलिस बल के साथ शांति व्यवस्था बनाए रखने में मुस्तैद रहे। इस अवसर पर यज्ञ अध्यक्ष पूर्व प्रधान मनीष कुमार पांडेय, प्रधान, स्पीकर एवं एनाउंसर अरविंद कुमार शर्मा सहित विशाल गुप्ता, पप्पू स्कूल, गवर्नर गुप्ता, अर्जुन यादव, पंकज कमल, पवन गुप्ता, राहुल राजभर, समाजसेवी संजय यादव, अजय सिंह, अवधेश पटवा, कृष्णकांत मिश्रा, मनोज कुमार वर्मा, सूरज पांडे, रमेश कुमार, उमेश पांडे, विक्की गुप्ता, सुरेश कुमार सोनी, सुरजीत कुमार शर्मा, बबलू गुप्ता, राजकुमार विश्वकर्मा समेत सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

कलश यात्रा में शामिल गौरा विधायक प्रभात वर्मा। ● अमृत विचार

ईद-उल-फितर को लेकर अलर्ट मोड में पुलिस

ईदगाह का निरीक्षण करते एसपी विनीत जायसवाल। ● अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार : ईद-उल-फितर त्योहार को सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने गुरुवार को शहर क्षेत्र का भ्रमण कर ईदगाह एवं विभिन्न नमाज स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने धर्म गुरुओं व संभ्रांत नागरिकों से संवाद कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और शासन की गाइडलाइन से अवगत कराया। एसपी ने सभी से त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं। सुरक्षा व्यवस्था के तहत डॉग स्क्वॉड, स्थानीय अभिसूचना इकाई और अग्निशमन टीमों को भी सक्रिय रखा गया है। एसपी ने सोशल मीडिया को लेकर भी सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल सभी प्लेटफार्मों पर नजर बनाए हुए है। किसी भी भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट साझा करने वालों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

तहसील परिसर में स्थापित मंदिर में किया पूजन

मनकापुर, गोंडा, अमृत विचार : तहसील परिसर स्थित मंदिर पर बुधवार को पूजन अर्चन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। मुख्य यजमान सब रजिस्ट्रार हीमेन्द्र उपाध्याय व उनकी पत्नी रही। तहसील परिसर में बने सार्वजनिक काली मंदिर पर मंगलवार को अखंड रामायण का पाठ शुरू किया गया। जो बुधवार दोपहर तक चला। दोपहर बाद पूजन अर्चन एवं आरती के बाद भंडारे का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में बार एसो .के अध्यक्ष भानु प्रताप मिश्र, महामंत्री लालचंद शुक्ला, पूर्व अध्यक्ष सीके पाठक, मंत्री अजय शुक्ला, पूर्व अध्यक्ष श्रवण कुमार शुक्ल, सीपी वर्मा, अमित शुक्ला, राम शंकर मिश्र सहित सभी अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी, सदस्य व अधिकारी मौजूद रहे।

हरिओम आरटी जूनियर कमीशंड ऑफिसर पद पर चयनित

मनकापुर, गोंडा, अमृत विचार : भारतीय थल सेना में आरटी जूनियर कमीशंड ऑफिसर पद पर क्षेत्र के होनहार युवा हरिओम तिवारी का चयन होने से विकासखंड के ग्राम बैरीपुर रामनाथ में खुशी की लहर दौड़ गई है। बुधवार को परिणाम घोषित होते ही परिजनों व ग्रामीणों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। हरिओम तिवारी की प्रारंभिक शिक्षा गांव के प्राथमिक विद्यालय से हुई। इसके बाद उन्होंने अयोध्या स्थित श्रीनिवास गोधायन रामानुज संस्कृत महाविद्यालय से आचार्य की पढ़ाई पूरी की। उनके पिता मनकापुर आईटीआई फैक्ट्री से सेवानिवृत्त हैं। परिवार में दो भाई हैं, जिनमें हरिओम बड़े हैं, जबकि उनका छोटा भाई अयोध्या में बीएससी की पढ़ाई कर रहा है। अरविंद त्रिपाठी, रविंद्र त्रिपाठी व आचार्य रामायण त्रिपाठी सहित अन्य लोगों ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

21 को लगेगा बृहद रोजगार मेला

गोंडा, अमृत विचार : क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय की ओर से उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत 21 मार्च को एक दिवसीय बृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह रोजगार मेला जिला पंचायत सभागार में आयोजित होगा, जिसमें 25 से अधिक निजी एवं प्रतिष्ठित नियोजक युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेंगे। सहायक निदेशक (सेवायोजन) ने बताया कि मेले में अभ्यर्थी ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से प्रतिभाग कर सकते हैं। इसके लिए अभ्यर्थियों को सबसे पहले सेवायोजन विभाग के रोजगार संगम पोर्टल rojgaarsangam .up .gov . in पर अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण के बाद अभ्यर्थी पोर्टल पर उपलब्ध रोजगार मेले की सूचना देखकर आवेदन कर सकेंगे। रोजगार मेले में हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक, बीटेक, डिप्लोमा, आईटीआई एवं कौशल विकास मिशन के विभिन्न ट्रेडों से उत्तीर्ण अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं।

हरबंशपुर में पानी की टंकी का लोकार्पण

जल संरक्षण का संकल्प दिलाते विधायक रमापति शास्त्री। ● अमृत विचार

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार : हरबंशपुर में गुरुवार को जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्मित पानी की टंकी के लोकार्पण के अवसर पर जल अर्पण दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मनकापुर विधायक रमापति शास्त्री शामिल हुए, जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर अधिशासी अभियंता महेंद्र सिंह एवं सहायक अभियंता नितिन किशोर मौजूद रहे। ग्राम प्रधान दुर्गेश पांडे ने अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा फीता काटकर तथा अधिशासी अभियंता द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि रमापति शास्त्री ने कहा कि जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों के विकास की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। सरकार की प्राथमिकता है कि हर घर तक स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचे। पानी केवल हमारी आवश्यकता नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। यदि हम आज से ही जल संरक्षण को अपनी दिनचर्या में शामिल नहीं करेंगे, तो भविष्य में जल संकट और भी गंभीर हो सकता है। इसलिए सभी को मिलकर जल बचाने और उसके सही उपयोग का संकल्प लेना होगा। इस अवसर पर मनकापुर विधायक प्रतिनिधि वेद प्रकाश दूबे, अखिलेश तिवारी, प्रधान पर्वती संजय मौर्या, ग्राम विकास अधिकारी पप्पू सिंह यादव, अवर अभियंता हर्षित मिश्रा, एलएनटी पीएम मनोज कुमार, डीपीएमयू कोऑर्डिनेटर आयुषी सिंह, बाबूलाल शास्त्री, अरविंद सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

लेखपालों पर हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

खरगूपुर, गोंडा, अमृत विचार : अवैध निर्माण रोकने गए लेखपालों पर हमला करने व उन्हें बंधक बनाने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया है। पांच दिन पूर्व पिपरा चौबे गांव में ग्राम समाज की जमीन पर अवैध रूप से निर्माण कर रहे जनक लाल व ज्ञानेंद्र तिवारी को लेखपाल मनीष कुमार व अंकुर कुमार के मना करने पर उन पर हमला कर बाइक की चाबी व मोबाइल छीनकर बंधक बना लिया गया था। इस पर लेखपाल ने आरोपी जनक लाल, ज्ञानेंद्र तिवारी व दीपक मिश्र सहित चार अन्य अज्ञात पर एससी एसटी, बलवा, हमला व बंधक बनाने सहित अन्य गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। प्रभारी निरीक्षक शेषमणि पांडेय ने बताया कि आरोपी ग्राम पुरैनिया निवासी जनक लाल तिवारी व उनके पिता ज्ञानेंद्र तिवारी को पुरैनिया गांव के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया है।

एसडीएम ने देखी सिलेंडर की वितरण व्यवस्था

गैस सिलेंडर वितरण व्यवस्था की जांच करते एसडीएम। ● अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार : एसडीएम सदर अशोक कुमार गुप्ता ने पूर्ति विभाग की टीम के साथ सूर्या गैस तथा मंगलम गैस एजेंसी समेत विभिन्न गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गैस वितरण प्रक्रिया, उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर उपलब्धता तथा रजिस्टरों का परीक्षण किया। उन्होंने कहा कि वितरण में लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि घरेलू गैस का उपयोग घरेलू कार्यों के लिए ही किया जाए। उन्होंने उपभोक्ताओं से भी संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी शिव प्रकाश तिवारी, पूर्ति निरीक्षक जुगल किशोर समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

खरगूपुर इंस्पेक्टर को निलंबित करने का आदेश

- आईजी अमित पाठक ने थाने पहुंचकर की समीक्षा, 77 दिन तक कार्रवाई न होने पर भड़के
- सीओ नगर और एएसपी पूर्वी से भी मांगा स्पष्टीकरण

गोंडा, अमृत विचार : नाबालिग का अपहरण व आपत्तिजनक वीडियो वायरल प्रकरण में लापरवाही बरतने पर थाना खरगूपुर के प्रभारी निरीक्षक शेषमणि पाण्डेय के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। आईजी अमित पाठक के निर्देश पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित करने तथा विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।

खरगूपुर क्षेत्र की एक महिला ने आईजी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज करायी थी कि उसकी नाबालिग पुत्री को विनय नामक युवक अपहृत कर ले गया था। इस संबंध में थाना खरगूपुर में वर्ष 2025 में मुकदमा दर्ज हुआ था। विवेचना के दौरान पुलिस ने बालिका को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए आरोप-पत्र भी न्यायालय भेजा था। लेकिन आरोपी के जमानत पर छूटने के बाद पीड़िता से जुड़े आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए जाने लगे। शिकायत मिलने पर आईजी ने तत्काल नए अभियोग के पंजीकरण, आरोपी की जमानत निरस्तीकरण और पुनः गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद 77 दिन बीत जाने के बाद भी कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। 16 मार्च 2026 को पीड़िता की मां ने दोबारा रेंज कार्यालय पहुंचकर बताया कि आरोपी खुलेआम घूम रहा है। इस पर आईजी अमित पाठक खुद थाना खरगूपुर पहुंचे व प्रकरण की समीक्षा की।

जांच में सामने आया कि रेंज कार्यालय से निर्देश जारी होने के बाद भी समय से विवेचनात्मक कार्रवाई नहीं की गई। आरोपी की जमानत निरस्तीकरण का प्रयास नहीं हुआ, जबकि गिरफ्तारी के लिए मुंबई जाने की अनुमति मिलने के बावजूद टीम रवाना नहीं हुई। सोशल मीडिया पर वायरल आपत्तिजनक सामग्री को हटवाने के लिए भी कदम नहीं उठाए गए। आईजी ने इसे कर्तव्यों के निर्वहन में घोर लापरवाही मानते हुए प्रभारी निरीक्षक शेषमणि पाण्डेय के निलंबन का निर्देश दिया है। साथ ही सीओ सिटीव एएसपी (पूर्वी) से भी स्पष्टीकरण तलब किया है।

एफआईआर न दर्ज करने पर करनैलगंज कोतवाल के खिलाफ प्रारंभिक जांच शुरू

गोंडा, अमृत विचार : मोटरसाइकिल चोरी के मामले को दबाने और शिकायत को जन शिकायत रजिस्टर में दर्ज न कराने के आरोप में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली करनैलगंज के खिलाफ प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। शिकायतकर्ता श्रीचन्द्र तिवारी निवासी बटौरा बख्तावर सिंह (हथिया परास) की मोटरसाइकिल 19 फरवरी को चोरी हो गई थी। पीड़ित ने 21 फरवरी को थाना कोतवाली करनैलगंज में शिकायत की थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद शिकायतकर्ता 18 मार्च को पुलिस महानिरीक्षक, देवीपाटन परिक्षेत्र के समक्ष उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराई। आईजी के निर्देश पर परिक्षेत्रीय कार्यालय की टीम ने कोतवाली करनैलगंज पहुंचकर मामले की जांच की। जांच में सामने आया कि पीड़ित के प्रार्थना पत्र को न तो जन शिकायत रजिस्टर में दर्ज किया गया और न ही अब तक मोटरसाइकिल चोरी का अभियोग पंजीकृत किया गया। मामले को गंभीर मानते हुए अपराध छिपाने और एफआईआर दर्ज न करने के आरोप में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली करनैलगंज के विरुद्ध प्रारंभिक जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

रिवाल्वर साफ करते समय चली गोली, व्यापारी की मौत

मनकापुर, गोंडा, अमृत विचार: पटेल नगर निवासी प्रतिष्ठित व्यापारी की लाइसेंसी रिवाल्वर साफ करते समय चली गोली से घायल होने के बाद लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना से परिवार व व्यापारिक वर्ग में शोक की लहर है।

संदीप जैन फाइल फोटो।

पटेल नगर निवासी प्रतिष्ठित व्यापारी संदीप कुमार जैन (55) के साथ बुधवार सुबह हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि वह घर पर लाइसेंसी रिवाल्वर की सफाई कर रहे थे, तभी अचानक रिवाल्वर चल गई और गोली लगने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया। लखनऊ में मेदांता अस्पताल में उपचार के दौरान गुरुवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। संदीप जैन अपने पीछे पत्नी रुचि जैन, बेटा जतिन कुमार जैन, बेटी मोनी जैन सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। परिजनों के अनुसार, पोस्टमार्टम के बाद उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। घटना से नगर के व्यापारिक व सामाजिक वर्ग में शोक व्याप्त है। अध्यक्ष नगर पंचायत दुर्गेश सोनी, रमेश चौधरी, गोपी होंडा, त्रिभुवन कुमार गुप्ता, संजय साहू,दिलीप गुप्ता लड्डन खान, सैफ खान, राकेश तिवारी, गणेश गुप्ता आदि लोगों ने शोक संवेदना देते हुए दुख प्रकट किया है।

अभिषेक सुसाइड मामले में प्रेमिका की जमानत खारिज

गोंडा, अमृत विचार : नगर कोतवाली क्षेत्र के गायत्री पुरम के रहने वाले इंजीनियर अभिषेक श्रीवास्तव के आत्महत्या के मामले में कोर्ट ने उसकी प्रेमिका सोनल सिंह की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। सोनल सिंह पर अभिषेक को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है।

गायत्रीपुरम के इंजीनियर अभिषेक श्रीवास्तव ने 17 दिसंबर 2025 को सुसाइड कर लिया था। सुसाइड से पहले उसने अपनी प्रेमिका सोनल के साथ व्हाट्सएप पर हुई चैट का स्क्रीन शॉट कमरे में चस्पा किया था। मामले में उसके चचेरे भाई उद्भव श्रीवास्तव ने पड़ोस के रहने वाले दंपति सोनल सिंह व अजीत सिंह पर ब्लैकमेल ने का आरोप लगाते हुए अभिषेक को आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि सोनल ने पहले अभिषेक को प्रेम जाल में फंसाया और फिर उसे ब्लैकमेल करने लगी। जब उसने पीछा छुडाना चाहा तो सोनल ने छेड़खानी या आरोप लगाकर अभिषेक को जेल भिजवा दिया। जब वह जमानत पर छूटकर आया तो सोनल ने फिर से उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। इससे परेशान अभिषेक ने अपनी जान दे दी थी। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर सोनल और उसके पति अजीत सिंह को जेल भेज दिया था। सोनल सिंह फिलहाल मंडल कारागार में बंद हैं। सोनल सिंह ने जिला जज के न्यायालय में जमानत के लिए प्रार्थना पत्र दिया था, इस पर 27 फरवरी से सुनवाई चल रही थी।

दुकान में घुसकर दिव्यांग को पीटा

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार : कटरा शिवदयाल गंज चौराहे पर एक दिव्यांग कपड़ा दुकानदार के साथ दबंगों द्वारा मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने दो नामजद समेत चार के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। वजीराबाद निवासी दिव्यांग अशोक कुमार यादव चौराहे पर कपड़े की दुकान चलाते हैं। पीड़ित के अनुसार, बुधवार शाम चार लोग उनकी दुकान पर पहुंचे। इनमें से दो को वह पहचानते हैं। आरोप है कि सभी लोग जबरदस्ती सामान लेने लगे। विरोध पर उन्होंने दुकानदार को दुकान के अंदर से बाहर खींचकर मारपीट की। पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों को चौकी ले गई। वहां समझौता कराकर उन्हें छोड़ दिया गया। लेकिन करीब 15 मिनट बाद ही आरोपी फिर लाठी-डंडों के साथ वापस लौट आए और दोबारा मारपीट का प्रयास किया।

राष्ट्रपति के दौरे को लेकर हाई अलर्ट

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार: अयोध्या में राष्ट्रपति के कार्यक्रम को देखते हुए गोंडा-अयोध्या बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ यातायात को नियंत्रित करने के लिए रूट डायवर्जन लागू किया गया, जिससे आम लोगों को रास्ता बदलकर सफर करना पड़ा। बुधवार शाम से ही सीओ यूपी सिंह की मौजूदगी में थानाध्यक्ष और पुलिस ने सघन वाहन चेकिंग अभियान गोंडा-अयोध्या सीमा और कटरा शिव दयालगंज तिराहे पर चलाया।

गुरुवार सुबह से ही प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। अयोध्या की ओर जाने वाले मार्गों पर बैरिकेडिंग कर वाहनों की जांच शुरू कर दी गई। शिवदयालगंज से पुराने सरयू पुल की ओर जाने वाले चार पहिया वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई, ताकि अयोध्या में भीड़ और जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रशासन ने चार पहिया वाहनों को लोलपुर फोरलेन हाईवे की ओर डायवर्ट किया। वहीं, दोपहिया वाहनों को तलाशी के बाद अयोध्या की ओर जाने की अनुमति दी गई। थानाध्यक्ष अभय सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीमें गोंडा-अयोध्या सीमा पर मुस्तैद रहीं। उन्होंने बताया कि हर आने-जाने वाले वाहन की जांच की गयी और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया गया है। गांवों और मुख्य मार्गों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई है। प्रशासन के अनुसार, राष्ट्रपति के कार्यक्रम के समाप्त होते ही लागू किए गए सभी रूट डायवर्जन हटा दिए जाएंगे और यातायात व्यवस्था सामान्य कर दी जाएगी।

बैरियर लगाकर रूट डायवर्ट करते पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

सहूलियत | **37 .82 करोड़ रुपये की लागत से कराया जाएगा निर्माण**

मनिहारी घाट व तरबगंज के टेढ़ी नदी पर बनेगा पुल

करनैलगंज/परसपुर, गोंडा

अमृत विचार : करनैलगंज के सरयू नदी पर स्थित मनिहारी घाट व तरबगंज के विरसिंहपुर में टेढी नदी पर पक्के पुल निर्माण की स्वीकृति मिल गयी है। 37.82 करोड़ रुपये की लागत से इन दोनों पुलों का निर्माण कराया जायेगा।

इन पुलों के निर्माण से करनैलगंज व तरबगंज क्षेत्र के लाखों लोगों का आवागमन सुगम होगा। विधायक प्रेम नरायन पांडेय व अजय सिंह की पहल पर योगी सरकार ने इस महत्वपूर्ण परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है, जिससे क्षेत्रीय लोगों में खुशी का माहौल है। करनैलगंज के सरयू नदी पर अब तक पीपे के पुल के सहारे ही लोगों का आवागमन होता था। बरसात और बाढ़ के दौरान यह पुल हट जाने से ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए विधायक अजय सिंह ने गत दिसंबर माह में प्रदेश सरकार से पक्के पुल के निर्माण की मांग की थी। सरकार द्वारा अब करीब 23 करोड़ 72 लाख 98 हजार रुपये की लागत से पुल निर्माण को हरी झंडी दे दी गई है। इस घाट से प्रतिदिन लगभग 2 हजार लोगों का आवागमन होता है। पुल के निर्माण से रुदौली, सरिया, बरतरा, बरदहा, शाहपुर, धनावा, नारायनपुर, ललक, नारायनपुर, जय सिंह पारेता, कंजेमऊ, हीरापुर व मनिहारी समेत दर्जनों गांवों के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। इसी तरह तरबगंज विधानसभा के विरसिंहपुर स्थित टेढी नदी पर भी पुल निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण के साथ पुल व पहुंच मार्ग मार्ग निर्माण तथा सुरक्षात्मक कार्य की स्वीकृति शासन से मिली है। इस पर भी 14.08 करोड़ रुपये खर्च किए जायेंगे।

मनिहारी घाट पर बना पीपे का पुल। ● अमृत विचार

गौरवा जानीपुर क्षेत्र में दिखा गिद्धों का झुंड

गौरवाजानीपुर में निर्माणाधीन पानी की टंकी के चहारदीवारी पर गिद्धों का झुंड।

गोंडा, अमृत विचार : विकासखंड कटरा बाजार के अंतर्गत ग्राम गौरवा जानीपुर में उस समय लोगों में उत्सुकता का माहौल बन गया, जब अचानक आसमान में विलुप्तप्राय गिद्धों का एक बड़ा झुंड मंडराता हुआ दिखाई दिया। लंबे समय बाद गिद्धों के इस तरह एक साथ दिखाई देने से ग्रामीणों की भीड़ जुट गयी।

स्थानीय लोगों के अनुसार, गुरुवार को गांव के बाहर अब वर्तमान समय में पानी की टंकी बन गई है। टंकी के बाउंड्री दीवाल पर झुंडों में गिद्ध बैठे देखे गए। कुछ देर बाद पास के पेड़ों व खेतों में बैठ गए। यह दृश्य देखते ही आसपास के गांवों से भी लोग मौके पर पहुंचे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी इस दुर्लभ नजारे को अपने मोबाइल में कैद करते नजर आए। पूर्व प्रधान डा चंद्रशेखर पांडेय ने बताया कि पहले के समय में क्षेत्र में गिद्धों की संख्या अधिक हुआ करती थी। जानकारों के मुताबिक, गिद्ध पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण पक्षी हैं, जो मृत पशुओं को खाकर वातावरण स्वच्छ रखने में अहम भूमिका निभाते हैं।

अमृत विचार

अयोध्या, शुक्रवार, 20 मार्च 2026

गोंडा-बलरामपुर

देवीपाटन धाम में उमड़ा दर्शनार्थियों का रेला

चैत्र नवरात्र के पहले दिन देवी मां के पहले स्वरूप मां शैलपुत्री की आराधना में डूबे रहे श्रद्धालु, देवी मंदिरों में रही भक्तों की भीड़

बलरामपुर अमृत विचार : चैत्र नवरात्रि के शुभारंभ के साथ ही पूरे जनपद में भक्ति और उत्साह का माहौल छा गया है। पहले दिन मां दुर्गा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हिंदू नववर्ष का भी शुभारंभ हुआ। सुबह होते ही घर-घर में कलश स्थापना की गई और श्रद्धालुओं ने मां के नौ स्वरूपों की पूजा का संकल्प लिया।

नवरात्रि के पहले दिन देवी के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की आराधना की गई। जिले के प्रमुख मंदिरों, खासकर देवीपाटन धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। तड़के से ही भक्तों की कतारें लग गईं। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर स्थित सूर्य कुंड में आस्था की डुबकी लगाकर स्वयं को पवित्र किया और इसके बाद माता रानी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों की सजावट से देवीपाटन धाम की छटा और भी मनमोहक नजर आ रही है। घरों में भी नवरात्र को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। महिलाओं ने व्रत रखकर विधि-विधान से पूजन किया वहीं कई स्थानों पर दुर्गा सप्तशती का पाठ और भजन-कीर्तन का आयोजन भी शुरू हो गया है। चैत्र नवरात्रि का विशेष महत्व इस कारण भी है कि इसी काल में सूर्य के राशि परिवर्तन के साथ हिंदू नववर्ष का आरंभ होता है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। सभी देवी मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए हैं।

मां बिजलेश्वरी मंदिर में पूजन-अर्चन करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

रामकथा का शुभारंभ, कलश यात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब

पचपेड़वा, बलरामपुर, अमृत विचार : नवरात्र के पावन अवसर पर विकास खंड पचपेड़वा अंतर्गत ग्राम गुरचिहवा स्थित समय माता मंदिर परिसर में रामकथा का शुभारंभ हुआ। प्रथम दिन भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं और युवा शामिल हुए। कलश यात्रा मंदिर परिसर से सोनही नाले तक पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने पवित्र जल भरकर पुनः मंदिर पहुंचकर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किया। पूरे मार्ग में जय श्रीराम के उद्घोष और भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। रामकथा का वाचन अयोध्या धाम से पधारे कथावाचक आचार्य रविकांत शास्त्री द्वारा किया जा रहा है, जिनके प्रवचनों से श्रद्धालु भावविभोर हो रहे हैं। आयोजन में मंदिर प्रबंधक सतीश चंद्र मिश्रा सहित समिति के पदाधिकारियों की अहम भूमिका रही। मुख्य अतिथि विनय तिवारी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। पुजारी बरूवा महाराज के सानिध्य में कार्यक्रम संपन्न हो रहा है। यह आयोजन क्षेत्र में धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का संदेश दे रहा है।

कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु। ● अमृत विचार

बालिका प्रीमियर लीग की विजेता-उपविजेता टीमों ने किया कलेक्ट्रेट का भ्रमण

कलेक्ट्रेट में डीएम से जानकारी प्राप्त करती बालिकाएं। ● अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार : बालिका प्रीमियर लीग की विजेता एवं उपविजेता टीम की बालिकाओं ने बुधवार को कलेक्ट्रेट का शैक्षिक भ्रमण किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने बालिकाओं से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया और प्रशासनिक कार्यप्रणाली की जानकारी साझा की। जिलाधिकारी ने कहा कि अनुशासन, मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। विजेता टीम को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बालिकाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को मजबूत करती हैं। इस दौरान जिलाधिकारी ने एक महत्वपूर्ण पहल की घोषणा करते हुए बताया कि जनपद के बेसिक विद्यालयों की 10 प्रतिभाशाली बालिकाओं का चयन कर उन्हें पर्वतारोहण का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन बालिकाओं को भविष्य में माउंट एवरेस्ट फतह करने के लक्ष्य के साथ तैयार किया जाएगा। भ्रमण के दौरान बालिकाओं ने कलेक्ट्रेट की विभिन्न शाखाओं का अवलोकन किया और प्रशासनिक व्यवस्था को करीब से समझा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के अवध क्षेत्र प्रभारी मृगेंद्र बने

बलरामपुर, अमृत विचार : राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा (राम) ने अवध क्षेत्र के प्रभारी की नियुक्ति कर दी है। पार्टी के संस्थापक अलंकार अग्निहोत्री ने पूर्व भाजपा सदस्य मृगेंद्र उपाध्याय को अवध क्षेत्र प्रभारी नियुक्त किया है। पार्टी संस्थापक अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा का उद्देश्य आम जनता के अधिकारों की रक्षा करना और एक सशक्त संगठन खड़ा करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि नव नियुक्त पदाधिकारी अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करेंगे और संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

शहरी आशाओं का 8 दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

आशा बहूओं को प्रमाण पत्र वितरित करते सीएमओ और अन्य। ● अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार : राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के तहत नवीन चयनित शहरी आशाओं का आठ दिवसीय आधारभूत प्रशिक्षण मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में संपन्न हुआ। सीएमओ डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने प्रतिभागी आशाओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। सीएमओ डॉ. रस्तोगी ने कहा कि आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य व्यवस्था की अहम कड़ी हैं। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ. मीनाक्षी चौधरी, एसीएमओ डॉ. अनिल कुमार चौधरी, डीपीएम शिवेंद्र मणि त्रिपाठी, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

परेड ग्राउंड में सजेगा बलरामपुर महोत्सव

बलरामपुर, अमृत विचार : डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में आगामी बलरामपुर महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह 'धीरू' सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

- **बैठक में डीएम ने तैयारियों को दिया अंतिम रूप**

बैठक में निर्णय लिया गया कि 03 से 05 अप्रैल तक परेड ग्राउंड में तीन दिवसीय बलरामपुर महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। डीएम ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने महोत्सव को जनपद की संस्कृति, पर्यटन और स्थानीय प्रतिभाओं के उत्सव के रूप में आयोजित करने पर जोर दिया।

महोत्सव में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी, जिसमें लोकगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक कलाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही बॉलीवुड नाइट्स के माध्यम से प्रसिद्ध कलाकारों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। स्थानीय कलाकारों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को भी मंच प्रदान किया जाएगा। स्वयं सहायता समूहों, ओडीओपी उत्पादों और हस्तशिल्प की प्रदर्शनी व बिक्री के लिए स्टॉल लगाए जाएंगे। बच्चों के लिए किड्स जोन और फूड कोर्ट की व्यवस्था रहेगी। डीएम ने सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था को लेकर संबंधित विभागों को विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महोत्सव को भव्य और सुव्यवस्थित बनाकर जनपद की सकारात्मक छवि प्रस्तुत की जाए।

नारेबाजी के बीच बेनतीजा रही वार्ता

करनैलगंज, गोंडा, अमृत विचार : अधिवक्ताओं और एसडीएम व तहसीलदार के बीच चल रही तनातनी समाप्त कराने पहुंचे एडीएम की वार्ता गुरुवार को विफल रही। अधिवक्ताओं ने कहा कि संबंधित अधिकारियों का स्थानांतरण होने तक समझौता नहीं होगा और आंदोलन जारी रहेगा।

गुरुवार को एडीएम आलोक कुमार अधिवक्ताओं की समस्याएं सुनने करनैलगंज तहसील पहुंचे, लेकिन इस दौरान नारेबाजी होती रही। उन्होंने दोनों पक्षों के बीच सामंजस्य बनाने का प्रयास किया, परंतु अधिवक्ता मांगों पर अडिग रहे। एडीएम ने अधिवक्ताओं के बयान दर्ज किए और प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट डीएम को सौंपने का आश्वासन दिया। इसके बाद वे लौट गए। बार एसोसिएशन अध्यक्ष श्यामधर शुक्ल, महामंत्री पवन कुमार शुक्ल, त्रिलोकीनाथ तिवारी, गोपाल तिवारी, सुभाष तिवारी, धर्मेंद्र मिश्र, सुशील कुमार, सत्य नारायण सिंह, अरविंद शुक्ल, रामसभा मिश्र आदि थे।

विकास की नयी ऊंचाइयां छू रहा प्रदेश

- **प्रभारी मंत्री राकेश सचान ने नव निर्माण के नौ वर्ष कार्यक्रम में लिया भाग**

बलरामपुर, अमृत विचार : प्रदेश सरकार के 'नव निर्माण के नौ वर्ष' कार्यक्रम के तहत जनपद पहुंचे प्रभारी मंत्री राकेश सचान ने सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों पर चर्चा की। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों की सराहना की। कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश लगातार विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

इस अवसर पर तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह 'धीरू' समेत कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री सचान ने कहा कि भारत विश्व गुरु बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर चल रहे संघर्षों को सुलझाने में भी भारत अग्रणी भूमिका निभाएगा। गैंसड़ी के पूर्व विधायक शैलेश कुमार सिंह 'शैलू' द्वारा बाढ़ खंड अधिकारियों पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों पर मंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। एलपीजी की किल्लत के सवाल पर मंत्री ने कहा कि मौजूदा समय में खाड़ी क्षेत्र में चल रहे युद्ध के कारण असर पड़ा है। भारत लगभग 90 प्रतिशत ईंधन आयात करता है, ऐसे में कुछ दिक्कतें स्वाभाविक हैं, लेकिन देश की मजबूत विदेश नीति के चलते स्थिति को संभाला जा रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि ईंधन आपूर्ति लगातार बनी रहेगी। मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख किया। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक और प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

योजना के लाभार्थी को चैक वितरित करते प्रभारी मंत्री राकेश सचान।

व्यापारी पर हमले का एक आरोपी गिरफ्तार

नवाबगंज, गोण्डा, अमृत विचार : पशु व्यापारी पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि अयोध्या के रौनाही थाना क्षेत्र के शैखपुरा निवासी पशु व्यापारी मोहम्मद जावेद पर 5 मार्च की शाम लोलपुर फोरलेन हाईवे पर करीब 15 लोगों ने हमला कर दिया था। इस घटना में जावेद समेत दो अन्य लोग घायल हो गए थे। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने 13 नामजद और दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। जांच के दौरान पुलिस ने एक आरोपी बजरंग को ट्रांसपोर्ट नगर से गिरफ्तार किया।

नीलगाय से टकरायी कार, युवक की मौत

बलरामपुर, अमृत विचार : नेशनल हाईवे पर गत 15 मार्च की देर रात सड़क हादसे में नीलगाय से टकराने के बाद कार पलट गई। हादसे में सवार सभी यात्रियों को शारीरिक एवं अंदरूनी चोटें आईं, हालांकि शुरुआत में सभी सुरक्षित बताए जा रहे थे। लेकिन घायल युवक धर्मेंद्र(22) निवासी ग्राम बिनोहनी बलरामपुर की हालत अचानक बिगड़ने से उसकी रास्ते में ही मौत हो गई।

धर्मेंद्र फाइल फोटो।

घटना 15 मार्च की रात करीब 1 बजे की है। बताया जा रहा है कि मृतक धर्मेंद्र अपने साथियों के साथ बहराइच में एक दोस्त के रिसेप्शन से लौट रहा था। हाईवे पर जरवल रोड के करीब नीलगाय सामने आ गई, जिससे चालक संतुलन खो बैठा और कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई।हादसे के बाद सभी घायलों को मामूली चोटें आईं, जबकि धर्मेंद्र के सिर और सीने में चोट लगी थी। कुछ देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। साथी उसे जिला अस्पताल लेकर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। वहीं हाईवे पर आवारा पशुओं की मौजूदगी को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

जरवा के जंगल में लगी आग

जरवा, बलरामपुर, अमृत विचार : गर्मी की शुरुआत के साथ ही जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। सोहलवा वन्य जीव प्रभाग की रेंज रामपुर अंतर्गत कोतवाली जरवा के पीछे लगभग 100 मीटर अंदर जंगल में अज्ञात कारणों से आग लग गई। सूचना मिलते ही रेंजर प्रभात वर्मा, डिप्टी रेंजर वीर बहादुर, वनरक्षक हरदीन व वैदु टीम के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों के सहयोग से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। आग पर नियंत्रण न होने पर दमकल विभाग को सूचना दी गई। इसके बाद फायरमैन शिवशंकर, अभय पांडे, मनोज और जावेद अहमद की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बजाज पावर प्लांट में इंटर-यूनिट क्रिकेट टूर्नामेंट संपन्न, ललितपुर टीम ने जीती ट्रॉफी

ट्राफी के साथ विजेता टीम के खिलाड़ी। ● अमृत विचार

उतरौला, बलरामपुर, अमृत विचार : बजाज एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, यूनिट उतरौला में आयोजित तीन दिवसीय इंटर-यूनिट क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन हुआ। फाइनल मैच में ललितपुर पावर जेनरेशन कंपनी की टीम ने मेजबान बजाज एनर्जी उतरौला की टीम को 100 से अधिक रनों से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। विजेता टीम ललितपुर को यूनिट उतरौला के समीर साबत एवं यूनिट हेड (शुगर) श्याम सिंह ने ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में उतरौला की टीम उपविजेता रही, जबकि बजाज एनर्जी लिमिटेड कुंदरकी (गोंडा) ने तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में बजाज ग्रुप की विभिन्न इकाइयों — ललितपुर, नोएडा, बर्खेड़ा, खंभा खेड़ा, कुंदरकी, उतरौला और मकसूदापुर — की टीमों ने भाग लेकर खेल भावना का परिचय दिया।

क्रांतिकारी विचार मंच का वार्षिकोत्सव संपन्न

सम्मानित किए गए प्रतिभागियों के साथ अतिथि। ● अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार : भारतीय नववर्ष की पूर्व संध्या पर क्रांतिकारी विचार मंच का 26वां वार्षिकोत्सव समारोह श्री अवध पैलेस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं भगवान राम व भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाजसेवी राजकुमार श्रीवास्तव ने की, जबकि मुख्य अतिथि सदर विधायक पल्टूराम और विशिष्ट अतिथि विधायक कैलाश नाथ शुक्ल व नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह 'धीरू' रहे। कार्यक्रम में डॉ. साधना श्रीवास्तव के नेतृत्व में सरस्वती शिशु मंदिर की बालिकाओं ने महिषासुर मर्दन व श्रीराम जन्मोत्सव की झांकी प्रस्तुत की। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को अंगवस्त्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बौद्धिक संगोष्ठी में जय प्रकाश सिंह, इंदु भूषण जायसवाल सहित वक्ताओं ने विचार रखे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवी, अधिवक्ता, शिक्षक व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन ने सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक एकता का संदेश दिया।

गैर-इरादतन हत्या के आरोपी को 8 वर्ष की सजा

बलरामपुर, अमृत विचार : ऑपरेशन कनविक्शन अभियान के तहत प्रभावी पैरवी के चलते गैर-इरादतन हत्या के एक मामले में न्यायालय ने आरोपी को 8 वर्ष के सश्रम कारावास और 11,000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। प्रकरण 3 मई 2014 का है, जब रानीपुर निवासी शाहिदुन्निशा ने थाना सादुल्लानगर में तहरीर देकर बताया था कि उनके पति को उनके ही पुत्र अब्दुल वाहिद ने डांट-फटकार से नाराज होकर मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिनकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। इस मामले में पुलिस ने धारा 304 व 323 भादवि के तहत मुकदमा दर्ज किया था। विवेचना उपनिरीक्षक अखिलेश पांडेय द्वारा पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। सुनवाई के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय के निर्देशन में जिला शासकीय अधिवक्ता कुलदीप सिंह व मॉनीटरिंग सेल की प्रभावी पैरवी से न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत अपराधियों को सख्त सजा दिलाने की कार्रवाई जारी है।

एलपीजी कीमतों व सप्लाई की अव्यवस्था पर कांग्रेस का प्रदर्शन

बलरामपुर, अमृत विचार : घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की बढ़ती कीमतों और सप्लाई व्यवस्था में अव्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस नेताओं ने गैस एजेंसियों पर पहुंचकर उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुना। जिलाध्यक्ष शिवलाल कोरी ने कहा कि गैस सिलेंडर की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम जनता, खासकर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की कमर तोड़ दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि गैस की डिलीवरी व्यवस्था चरमरा गई है। प्रदेश महासचिव एवं पूर्व विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह 'धीरू' ने कहा कि सरकार की नीतियों के चलते गैस सिलेंडर आम आदमी की पहुंच से दूर होता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर ओवरचार्जिंग और कालाबाजारी की शिकायतें सामने आ रही हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष अनुज सिंह ने कहा कि उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है और उन्हें लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ, तो कांग्रेस पार्टी जनआंदोलन करने को बाध्य होगी। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता मारकंडे मिश्र, अवधेश पाल सिंह, विजय कुमार उपाध्याय, अनिल सिंह डिपर, राजेश सिंह, राजेश कुलदीप, विशाल कश्यप, अमेरिका, राधेश्याम यादव, दादू सिंह, लाखन सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सूचना

अंगद कुमार चौहान बनाम सरकार व जनकलली बनाम सरकार–ग्राम गढ़ी परगना व तहसील मनकापुर जनपद गोण्डा धारा–80 (1) उ0प्र0राजस्व सहिंता 2006 गाटा संख्या –208/0.1010 हे0 में से रकबा 0.0040 हे0 व गाटा संख्या 208/0.1010 हे0 में से 0.0040 हे0 को धारा–80 (1) उ0प्र0 राजस्व सहिंता 2006 की घोषित करने हेतु आवेदन किया गया है यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 23.03.2026 तक उपजिलाधिकारी मनकापुर के न्यायालय पर आकर आपत्ति कर सकता है।

उपजिलाधिकारी
मनकापुर–गोण्डा।

कार्यालय ग्राम पंचायत सिंगार घाट विकासखंड बभनजोत जनपद गोंडा

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सिंगार घाट विकासखंड बभनजोत में वित्तीय वर्ष 2026–2027 निराश्रित गोवंश भरण पोषण योजना के अंतर्गत गौ आश्रय केंद्र में भूसा साइलेज पशु आहार आपूर्ति हेतु इच्छुक पंजीकृत ठेकेदार फर्मो से निविदा दिनांक 20.3.2026 से 25.03.2026 को समय 3:00 बजे दिन में ग्राम पंचायत कार्यालय के सील्ड बाक्स में आमंत्रित की जाती है उसे दिन अपराह्न में निविदा खोली जाएगी निविदा को स्वीकृत अस्वीकृत करने का अधिकार अध्यक्ष ग्राम प्रधान सचिव में निहित होगा जिसके लिए कोई कारण संसूचित नहीं किया जाएगा।

चंद्रकला
ग्राम प्रधान

दीप नारायण पांडे
सचिव

ग्राम पंचायत सिंगार घाट विकासखंड बभनजोत जनपद गोंडा

एन0बी0एस0 लॉ कॉलेज

भादा (निकट प्रतापगंज बाजार), सुलतानपुर (उ0प्र0)–227816

में स्ववित्तपोषित योजनातर्गत आवश्कता है

स्नातक स्तर पर विधि संकाय (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम) एल0एल0बी हेतु प्राचार्य विधि– 01 पद, प्रवक्ता विधि– 10 पद।

योग्यता व वेतनमान – बीसीआई, यूजीसी एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार। इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि से 10 दिनो के भीतर अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखो की स्वप्रमाणित छायाप्रति के महाविद्यालय के पते पर संपर्क करे।

प्रबंधक– 7880821965

मनीराम वर्मा एजूकेशनल इंस्टीट्यूट

मड़ना उपरहार, अयोध्या

में स्ववित्त पोषित योजनांतर्गत आवश्यकता है-

प्राचार्य: 01 पद। स्नातक स्तर पर कला संकाय (बी.ए.) पाठ्यक्रम हेतु हिन्दी, अंग्रेजी, भूगोल, शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र, गृह विज्ञान एवं चित्रकला विषयों में 01–01 पद प्रवक्ताओं की।

योग्यता एवं वेतामान यू.जी.सी. एवं राज्य विश्वविद्यालय के मानकानुसार।

इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन तिथि के 10 दिवसों के अन्दर अपने शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति के साथ महाविद्यालय के पते पर सम्पर्क स्थापित करें।

भवदीय- प्रबंधक
धर्मवीर वर्मा
मो:– 9919003436

बुद्धा पार्क का निरीक्षण करते नगरपालिका अध्यक्ष व अन्य। ● अमृत विचार

70 लाख से संवरेगा बुद्धा पार्क, सोमवार को शिलान्यास

बलरामपुर, अमृत विचार : आदर्श नगरपालिका परिषद क्षेत्र स्थित बुद्धा पार्क के सौन्दर्यीकरण एवं विस्तार कार्य का शिलान्यास आगामी सोमवार को किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत बौद्ध धर्म के संतों द्वारा विधिवत पूजन-अर्चन के साथ होगी, जिसके बाद निर्माण कार्य तेज़ी से शुरू कराया जाएगा। पालिका अध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह 'धीरू' के प्रतिनिधि डीपी सिंह बैस ने बताया कि शासन से लगभग 70 लाख की धनराशि स्वीकृत हुई है। पार्क की नई बाउंड्री वॉल का निर्माण, हरित क्षेत्र का विकास, बैठने की व्यवस्था, बच्चों के लिए खेल उपकरणों की स्थापना तथा प्रकाश व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूर्व में पार्क की बाउंड्री क्षतिग्रस्त होने से सुरक्षा और सौन्दर्य प्रभावित हो रहा था, जिसे अब विशेष डिजाइन के तहत विकसित किया जाएगा। स्थानीय लोगों में योजना को लेकर उत्साह है। नागरिकों का मानना है कि विकसित होने के बाद यह पार्क सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा।

चोरी के तार के साथ 4 गिरफ्तार

गोंडा, अमृत विचार : थाना कोतवाली नगर पुलिस ने चोरी की एक बड़ी घटना का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक ई-रिक्शा, बड़ी मात्रा में चोरी का एल्युमिनियम तार और 14,600 रुपये नकद बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 18 मार्च को विद्युत उपकेंद्र चन्दवतपुर के अवर अभियंता ने सूचना दी थी कि 15 फरवरी को सुभागपुर लाइन से करीब 1000 मीटर तार चोरी कर लिया गया था। पुलिस ने 19 मार्च को महादेवा क्रॉसिंग ओवर ब्रिज के नीचे से चार आरोपियों मे नगर कोतवाली क्षेत्र के विष्णु, मोहम्मद उमैर, आबिद उर्फ छोटू और समीर को गिरफ्तार कर लिया।

कार्यालयः नगर निगम अयोध्या

पत्रांक: 927/न0नि0अयो0/2025–26 दिनांक: 19.03.2026

विषय–ई–निविदा सूचना न0नि0अयो0 द्वारा वित्तीय वर्ष (2026–27) के लिये नगर निगम के विभागीय कार्यो हेतु विभिन्न प्रकार के टैक्सी वाहनों को चालक सहित किराये पर प्राप्त किये जाने के सम्बन्ध में।

ई–निविदा सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर निगम अयोध्या के द्वारा वित्तीय वर्ष (2026–27) के लिये नगर निगम के विभागीय कार्यो हेतु विभिन्न प्रकार के टैक्सी वाहनों को चालक सहित किराये पर प्राप्त किये जाने हेतु फर्मो के चयन व दरों के स्वीकृतार्थ दिनाँक: 20.03.2026 से 09.04.2026 को अपरान्ह 05:00 बजे तक ऑनलाइन ई–निविदा पोर्टल http://etender.up.nic.in पर निविदा आमंत्रित की गयी है। प्राप्त निविदाओं को दिनाँक: 10.04.2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे खोला जायेगा। निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारी ई–निविदा पोर्टल http://etender.up.nic.in पर जाकर प्राप्त कर सकते हैं। निविदा मूल्य व जमानत धनराशि Net Banking, Link-https://emdnagarnigamayodhya.in/loginwithotp के माध्यम से सम्बन्धित फर्म/ठेकेदार, अपने खाते से कार्य के सापेक्ष आपेक्षित जमानत धनराशि व निविदा शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा।

अधिशाषी अभियन्ता (वि0/याँ0)
नगर निगम अयोध्या

न्यूज ब्रीफ

हत्यारों को आजीवन कारावास और जुर्माना

श्रावस्ती, अमृत विचार : इकौना के इटौंझा में किशोर की गला दबाकर हत्या हुई थी। इस मामले में जिला जज ने दो दोषियों को आजीवन कारावास व प्रतीक को 10 हजार रूपये के जुर्माने से दंडित किया है। इटौंझा गांव निवासी एक किशोर की 2015 में पुरानी रंजिश को लेकर गला दबाकर हत्या कर दी गई थी। मृतक के पिता की तहरीर पर इकौना पुलिस ने गांव निवासी सूरज आर्य पुत्र शिव शंकर व श्रवण कुमार पुत्र रामसागर को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। मामले में गुरुवार जिला जज ने सूरज आर्य व शिव शंकर को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास व प्रत्येक को 10,000 रूपये के जुर्माने से दण्डित किया है। हत्यारों को पुलिस अभिरक्षा में जिला कारागार ले जाया गया है।

ज्ञानेंद्र यादव ने बढ़ाया जिले का गौरव

सिरसिया, श्रावस्ती। सिरसिया के ग्राम बेचुवा निवासी ज्ञानेंद्र यादव ने जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल की है। घोषित परिणाम में ज्ञानेंद्र ने जिले में 12वीं रैंक प्राप्त की, उन्हें कुल 95 अंक मिले हैं। इस उपलब्धि से उन्होंने अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उसकी इस सफलता पर सभी ने उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

बस-कार भिड़ंत में अधेड़ की मौत व एक की हालत गंभीर

नेशनल हाईवे पर स्थित ग्राम पवही के निकट हुआ हादसा

रफ्तार की मार

संवाददाता कैसरगंज, बहराइच

अमृत विचार। कैसरगंज थाना अंतर्गत नेशनल हाईवे पर ग्राम पवही के निकट कार व रोडवेज बस में आमने-सामने टक्कर हो गयी। जिससे कार में बैठे एक व्यक्ति की मौत हो गई वहीं दूसरा व्यक्ति घायल हो गया जिसका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैसरगंज में इलाज चल रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार संजय पाठक पुत्र बदलू राम पाठक उम्र लगभग 45 वर्ष निवासी इंदिरा नगर लखनऊ एक एक प्राइवेट कंपनी में मैनेजर थे व श्रावस्ती जनपद मे तैनात थे। वे आज दोपहर अपने साथी लक्ष्मण प्रसाद निवासी मिर्जापुर के साथ लखनऊ से बहराइच जा रहे थे तभी पवही के निकट सामने से आ रही एक रोडवेज बस से टक्कर हो गयी। टक्कर इतनी जबरदस्ती की कार के परखच्चे उड गयें। कार में सवार संजय पाठक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई वहीं दूसरे लक्ष्मण प्रसाद को सीएचसी कैसरगंज मे भर्ती कराया गया है। थानाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि रोडवेज बस को कब्जे में ले लिया गया है तथा शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

हादसे में दुर्घटनाग्रस्त कार। अमृत विचार

मार्ग दुर्घटना में घायल बाइक सवार की मौत

मल्हीपुर, श्रावस्ती। चन्द्रखा बुजुर्ग गांव के निकट बुधवार शाम अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दिया गंभीर रूप से घायल युवक को लखनऊ ले जाया जा रहा था। जिसकी रास्ते में मौत हो गई। बहराइच मल्हीपुर मार्ग पर सोनवा थाना क्षेत्र के चन्द्रखा बुजुर्ग गांव के पास बुधवार शाम अज्ञात वाहन ने बाइक को ठोकर मार दिया। घटना में बाइक सवार सोनवा थाना के ग्राम चिचड़ी निवासी अमित कुमार(18) पुत्र वीरेंद्र कुमार गम्भीर रूप से घायल हो गया। वह किसी काम से बाइक लेकर तुलसीपुर चौराहा आया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने निजी वाहन से उसे जिला अस्पताल बहराइच भिजवाया। जहां से चिकित्सक ने हालत गम्भीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया। जिसकी लखनऊ ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराए बगैर शव का अंतिम संस्कार कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है।

सत्र समाप्त, 29.30 लाख कुंतल गन्ने की हुई पेराई

जरवल रोड, बहराइच। इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल) चीनी मिल, जरवल रोड का पेराई सत्र 17 मार्च की रात 11:30 बजे लंबे सायरन के साथ समाप्त हो गया। सत्र समापन के साथ ही पूरे क्षेत्र में मिल के सफल संचालन को लेकर संतोष का माहौल देखा गया। मिल आईपीएल चीनी मिल प्रबंधक टीएस राणा ने बताया कि पेराई सत्र 2025–26 के दौरान कुल 29,30,467.41 कुंतल गन्ने की पेराई की गई। वहीं लगभग 2.96 लाख कुंतल चीनी उत्पादन किया जा चुका है, हालांकि अभी अंतिम प्रोसेस जारी है। बताया गया कि मिल बंद होने के बाद भी करीब तीन दिनों तक चीनी उत्पादन की प्रक्रिया चलती रहती है। इस दौरान पहले से पेराई किए गए गन्ने से चीनी तैयार कर उसकी बोरियों की संख्या में और बढ़ोतरी होती है।

नगर में स्वच्छता अभियान के तहत लगाए गए स्टीकर

श्रावस्ती, अमृत विचार। नपाप की अधिशाषी अधिकारी डॉ अनीता शुक्ला की देखरेख में गुरुवार को स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान नगर में चूना छिड़काव के साथ डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने को कूड़ा गाड़ियों से घर-घर कचरा एकत्रित किया गया। नगर के कई मोहल्लों में सफाई कर्मियों ने लोगों के घरों के मुख्य दरवाजे पर स्वच्छता संबंधी स्टीकर लगा कर जागरूक किया। कूड़ा गाड़ियों में सूखा और गीला कचरा अलग अलग रखने व डालने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान ईओ ने कहा कि नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में नागरिकों का सहयोग बहुत जरूरी है। लोग अपने घरों का कचरा कूड़ा गाड़ियों में ही निर्धारित समय पर डाले। इसे आम रास्ते, नालियों या सार्वजनिक स्थानों पर न डाले। नगर को साफ सुथरा बनाने में नगर पालिका का सहयोग करे। स्वच्छता मिशन का उद्देश्य केवल सफाई करना ही नहीं, बल्कि स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाना भी है। नगर में गंदगी या सफाई व्यवस्था संबंधी कोई शिकायत है तो पालिका प्रशासन को अवगत कराए। यह नगर आपका है और इसे स्वच्छ बनाने में आप भागीदार बने। इस मौके पर कई लोग रहे।

उप स्वास्थ्य केंद्र कर्मचारियों पर वसूली का आरोप, सीएमओ से की शिकायत

नानपारा/बहराइच। मटेरा उप स्वास्थ्य केन्द्र सेवाओं को लेकर भाजपा मंडल अध्यक्ष मटेरा कुश शुक्ला ने सीएमओ से शिकायत की है। बृहस्पतिवार को मटेरा भाजपा मंडल अध्यक्ष कुश शुक्ल ने रिसिया के उप स्वास्थ्य केंद्र मटेरा में तैनात कर्मचारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि क्षेत्रीय लोगों से प्रसव के नाम पर आए दिन वसूली की जा रही है। मंडल अध्यक्ष ने एक पत्र जिले के मुख्य चिकित्साधिकारी को लिखा। लोगों की शिकायत यह भी है कि अस्पताल जाने पर चिकित्सा सुविधाओं के एवज में पैसे मांगे जाते हैं। कई महिलाओं की शिकायतें हैं कि लैब टेक्नीशियन और नर्स व एएनएम द्वारा अभद्रता की जाती है। मंडल अध्यक्ष ने कहा कि उनको बीते तीन-चार महीने से लगातार शिकायतें मिल रही थी उन्होंने शिकायतों को लेकर पहले भी उप स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर बातचीत की लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। मंडल अध्यक्ष ने कहा कि शिकायतें रिसिया अधीक्षक धर्मेंद्र कुमार गौतम के संज्ञान में हैं जांच के नाम पर खाना पूर्ति करने के बाद में पैसा लेकर जांच बंद कर दी जाती है खुलेआम भ्रष्टाचार किया जा रहा है।

एनएसएस के शिविर में चला स्वच्छता अभियान

अभियान चलाकर जागरूक करते कार्यक्रम अधिकारी डा. नीरज पांडेय।

बहराइच, अमृत विचार। राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष शिविर तेजवापुर ब्लॉक के ग्राम सिसई हैदर में आयोजित किया जा रहा है। शिविर के तीसरे दिन बुधवार को गांव में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीरज कुमार पांडेय ने बताया कि शिविर में एनएसएस की तीनों इकाइयों के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। स्वच्छता अभियान के तहत शिविर स्थल, परिषदीय विद्यालय सिसई हैदर में साफ-सफाई की गई। इसके बाद ग्राम चयनपुरवा एवं सिलौटा में रैली निकालकर सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया। विद्यार्थियों ने राहगीरों को हेल्मेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने तथा नियंत्रित गति से वाहन चलाने के लिए नारों के माध्यम से जागरूक किया। इस शिविर में अन्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीडी सिंह बिसेन एवं डॉ. श्रेयात का विशेष सहयोग रहा।

'गुलफाम' को न्यायाधिकरण का चेयरमैन बनाए जाने से हर्ष

बहराइच, अमृत विचार। यहां के निवासी एवं प्रतिष्ठित परिवार से ताल्लुक रखने वाले न्यायिक अधिकारी गज़नफ़र हैदर 'गुलफाम' को राज्य परिवहन अपीलीय न्यायाधिकरण का चेयरमैन नियुक्त किया है। इससे बहराइच में उनके परिजन व मित्रों में खुशी व्याप्त है।

हैदर ने वर्ष 2018 में बिहार उच्चतर न्यायिक सेवा में प्रवेश किया। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने अपर ज़िला एवं सत्र न्यायाधीश, हाजीपुर के रूप में कार्य किया। इसके अलावा वह पटना में बिहार वक्फ ट्रिब्यूनल के चेयरमैन तथा सुपौल में ज़िला एवं अपर सत्र न्यायाधीश के पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके उत्कृष्ट कार्य और न्यायिक दक्षता को देखते हुए पटना उच्च न्यायालय ने उन्हें पदोन्नत करते हुए ज़िला जज बनाया और अब इस महत्वपूर्ण दायित्व से नवाज़ा है। बिहार न्यायिक सेवा ज्वाइन करने से पूर्व हैदर ने बहराइच जिला न्यायालय तथा इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में काफी लम्बे समय तक वकालत की है। वह बहराइच के एक प्रतिष्ठित और सम्मानित परिवार से आते हैं। उनके पिता स्वर्गीय सैयद ज़रगाम हैदर (मिज्जन मियां) बहराइच के जाने-माने अधिवक्ता रहे। मनीष मल्होत्रा, भागवत शुक्ला, राज सिंह, मोहम्मद अब्दुल्ला, सलीम सिद्दीकी, संजीव सिंह सहित अनेक मित्रों ने उनकी उपलब्धि का स्वागत करते हुए हर्ष व्यक्त किया है।

ईद के अवसर पर नगर क्षेत्र में रहेगी पर्याप्त साफ-सफाई की व्यवस्था

बहराइच, अमृत विचार। अधिषासी अधिकारी नगर पालिका प्रमिता सिंह ने बताया कि चन्द्रदर्शन के अनुसार ईदुलफित्र का त्यौहार 20 अथवा 21 मार्च को मनाया जाना सम्भावित है। विगत वर्षों की भांति मस्जिदों, इबादतगाहों के आसपास समुचित सफाई व्यवस्था एंव नगर क्षेत्र में समुचित जलापूर्ति की व्यवस्था नगरपालिका द्वारा सुनिश्चित करायी जानी है। विशेष रूप से नगर क्षेत्र की मस्जिदों, ईबादतगाहों के आस-पास तथा सम्पर्क मार्गो पर नालियों से गन्दे पानी की समुचित निकासी तथा कुडा निस्तारण की व्यवस्था व क्लोरीनेटेड पेयजलापूर्ति के साथ-साथ मार्ग प्रकाश की देखरेख, प्रतिबन्धित स्वच्छन्द जानवरों के विचरण पर रोकथाम हेतु निम्नविवरण के अनुसार पूर्व वर्षों की भांति कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी गयी है। समस्त कर्मचारी अपने-अपने पर्यवेक्षण क्षेत्र में अलविदा की नमाज व ईदुलफित्र त्यौहार के अवसर पर समुचित सफाई, विशेष रूप से गन्दे पानी की निकासी, क्लोरीनेटेड जलापूर्ति, मार्ग प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिये उत्तरदायी होंगे। सम्बंधित कर्मचारी नगर क्षेत्र की समस्त मस्जिदों/ईबादतगाहों के आस-पास तथा सम्पर्क मार्गो पर कूड़े के ढेर का तत्काल निस्तारण, स्वछन्द जानवरों के विचरण की रोकथाम तथा समुचित चूनाकारी कराना सुनिश्चित करायेगे। वर्क सुपरवाइजर जामा मस्जिद काजीपुरा, ईदगाह सलारगंज, ईदगाह दरगाह शरीफ के आस-पास खाली भूमि की दरेसी, मार्गों के सुदृढ़ीकरण का कार्य प्राथमिकता पर होगा।

सरकारी भूमि पर हो रहा निर्माण ध्वस्त

संवाददाता बहराइच

अमृत विचार। उप जिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी की जनसुनवाई में ग्राम खटीकन, परगना चर्दा, तहसील नानपारा निवासी सफीकन पुत्री घसीटे द्वारा इस आशय की शिकायत की गई कि गाटा संख्या 323, रकबा 0.111 हेक्टेयर भूमि, जो कि राजस्व अभिलेखों में नवीन परती के नाम दर्ज (सरकारी भूमि) है, उस पर ग्राम निवासी मेंराज पुत्र मकबूल द्वारा पक्का निर्माण कर अवैध कब्जा किया जा रहा है। शिकायत पर एसडीएम ने राजस्व टीम को मौके पर भेजकर जांच कराई।

राजस्व टीम की जांच में शिकायत की पुष्टि होने पर सरकारी भूमि पर किए जा रहे अवैध कब्जे को ध्वस्त करवा दिया गया और सरकारी जमीन से अवैध अतिक्रमण को हटवा दिया गया तथा भूमि को कब्जा मुक्त कराकर पुनः सरकारी अभिलेखों के अनुसार सुरक्षित कराया गया। उप जिलाधिकारी जौहरी ने बताया कि तहसील क्षेत्र अन्तर्गत सरकारी भूमि, चकमार्ग अथवा सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे कदापि बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिया है कि ऐसे मामलों के संज्ञान में आने पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई अमल में लायी जाय।

ढहाया गया अतिक्रमण। अमृत विचार

केंद्रीय टीम ने लिया सीएचसी का जायजा

जरवलरोड, बहराइच। जरवल ब्लॉक अंतर्गत 14 दिवसीय अभियान 9 मार्च से 23 मार्च तक चल रहे कुष्ठ रोगी खोजी अभियान के अंतर्गत व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। अभियान के तहत कुल 301 टीमें गठित की गई हैं, जो घर-घर संभावित रोगियों की पहचान कर रही हैं। इसी क्रम में केंद्रीय सदस्य की टीम ने सीएचसी, जरवल, बहराइच का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कस्तूरबा गांधी विद्यालय, जरवल तथा ग्राम तप्पेसिपाह में चल रही गतिविधियों का भी जायजा लिया गया। निरीक्षण टीम में डॉ. प्रशांत ज़ख्मोला और डॉ. क्यूबा अंसारी शामिल रहे। इस दौरान सीएचसी अधीक्षक डॉ. कुंवर रितेश, पैरामेडिकल वर्कर रंजीत सिंह, जिला नाभिक दल बहराइच के सदस्य डॉ. विनय श्रीवास्तव, कुंवर बहादुर त्रिपाठी एवं ओ.पी. मिश्रा डॉक्टर कल्पना साहू भी उपस्थित रहे। अभियान के तहत ऐसे लोगों की विशेष रूप से जांच की जा रही है जिनके शरीर पर सुन्नपन, दाग-धब्बे या त्वचा संबंधी असामान्य लक्षण दिखाई देते हैं।

22 को खुले रहेंगे उप निबंधक कार्यालय

बहराइच, अमृत विचार। सहायक महानिरीक्षक निबन्धन ने बताया कि महानिरीक्षक निबन्धन, उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देषानुसार 22 मार्च 2026 (रविवार) को आम कार्य दिवसों की भांति उप निबन्धन कार्यालय निबन्धन कार्य हेतु प्रातः 10 बजे से सायं 06 बजे तक खुले रहेंगे।

मारपीट में पिता व दो पुत्रों पर जुर्माना

श्रावस्ती, अमृत विचार। सिरसिया पुलिस ने खैरी तराई निवासी फौजदार पुत्र रमजान व फौजदार के पुत्र असलम तथा खुर्शीद को 2020 में एक महिला को गाली देने व मारने-पीटने के आरोप में गिरफ्तार किया था। मामले में गुरुवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट ने तीनों को न्यायालय उठने तक की अवधि के कारावास व प्रत्येक को 1000 रुपए के जुर्माने से दंडित किया।

हिंदू नववर्ष पर निकाली गई शोभायात्रा

सिरसिया, श्रावस्ती। सिरसिया क्षेत्र के तालबघौडा में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर गुरुवार को हिंदू नववर्ष विक्रम संवत के स्वागत में शोभायात्रा निकाली गई। इस मौके पर लोगों में उत्साह देखने को मिला। शोभायात्रा में बाइक, कार पर सवार युवा डीजे के साथ धर्मध्वजा लिए आगे चल रहे थे। इस दौरान जै श्रीराम की जय घोष कर रहे थे। इसमें शामिल महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में कलश यात्रा में शामिल थी। यह शोभायात्रा तालबघौडा के मुख्य मार्गों से नेपाल बॉर्डर स्थित गांव घुड़दौरिया पहुंची। यहां सामूहिक महाआरती व प्रसाद वितरण हुआ। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजकुमार यादव, खंड संयोजक रितेश कुमार जायसवाल सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नवागत थाना प्रभारी ने संभाली कमान

पयागपुर, बहराइच। एसपी के निर्देश पर थाना पयागपुर में नए थाना प्रभारी की तैनाती की गई है। थाना फखरपुर के कुणासर चौकी प्रभारी रहे अधिकारी दीपक सिंह ने पयागपुर थाने का कार्यभार ग्रहण कर लिया उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अपराध करने वाले अराजक तत्वों पर कार्रवाई करेंगे। हर पीड़ित परिवार को त्वरित न्याय दिलाना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि वे बिना किसी भय या संकोच सीधे थाने पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

रामायण परीक्षा में शामिल बच्चे हुए सम्मानित

प्रमाण-पत्र के साथ संस्कार व रामायण परीक्षा के छात्र। अमृत विचार

वीरगंज, श्रावस्ती। सेठ प्रभूदास निरंजन कुमार मेमोरियल इण्टर कॉलेज नासिरगंज में संस्कार व रामायण परीक्षा कराई गई थी। इसमें प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों को गुरुवार प्रमाणपत्र व पुरस्कार प्रदान किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्रबंधक सुरेश रिजवानी, प्रधानाचार्या काजल रिजवानी व विश्व हिन्दू परिषद के जिला कार्याध्यक्ष रघुपति पाण्डेय ने बच्चों को सम्मानित किया। जिला कार्याध्यक्ष ने बच्चों को रामायण से सीख लेने, अपने परिवार व अपने समाज में कैसे रहे व सबके साथ कैसा व्यवहार करे इसकी जानकारी देते हुए उसे अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रामायण हमें संस्कारवान बनाती है। वह अपने से बड़ों का आदर करना और छोटों से प्यार करना सिखाती है। इस मौके पर अजय जायसवाल, हरीश जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष विश्वंभर श्रीवास्तव, जिला संयोजक राजेश सोनी व वीरेंद्र विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

पीएम श्री नवोदय स्कूल में छात्राएं चयनित

सिरसिया, श्रावस्ती। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय संभारपुरवा में प्रवेश के लिए परीक्षा कराई गईं। सिरसिया ब्लॉक के आदिवासी थारू जनजाति बाहुल्य गांव रनियापुर की तीन छात्राओं ने सफलता प्राप्त की है। परीक्षा में अंशी राणा, चंचल व दिशा राणा ने नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में चयनित होने पर प्राथमिक विद्यालय रनियापुर के सहायक शिक्षक दिवाकर विश्वकर्मा को श्रेय दिया है। इस उपलब्धि पर विद्यालय में आयोजित समारोह में सहायक शिक्षक दिवाकर विश्वकर्मा ने बच्चों और उनके माता-पिता को रोली चंदन और माल्यार्पण कर सम्मानित किया।

एसडीएम ने गैस एजेंसी संचालकों संग की बैठक

- पारदर्शी एवं समयबद्ध गैस आपूर्ति के दिये गये निर्देश

संवाददाता बहराइच

अमृत विचार। तहसील सभागार नानपारा में उप जिलाधिकारी मोनालिसा जौहरी ने तहसील क्षेत्र अन्तर्गत संचालित समस्त गैस एजेन्सियों के प्रबन्धकों के साथ आयोजित बैठक में दो टूक शब्दों में सचेत किया कि गैस वितरण में शासन द्वारा जारी गाईड लाइन का पालन सुनिश्चित करें। गैस वितरण में किसी प्रकार की लापरवाही अक्षम्य होगी। उपभोक्ताओं की शिकायत मिलने पर तत्काल जांच कर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। एसडीएम ने गैस एजेन्सी संचालकों को सुझाव दिया कि जनहित को सर्वोपरि रखते हुए पारदर्शी एवं समयबद्ध गैस आपूर्ति सुनिश्चित करें। गैस वितरण व्यवस्था को पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं उपभोक्ता हितैषी बनाने के लिए संचालकों को निर्देश दिया गया कि प्रत्येक एजेंसी पर ई-केवाईसी, सिलेंडर बुकिंग तथा उपभोक्ता पूछताछ के लिए अलग-अलग काउंटर अनिवार्य रूप से बनाए जाएं, जिससे उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। गैस एजेंसियों को निर्देश दिए गए कि एजेंसी परिसर में एक स्पष्ट एवं बड़ा बैनर लगाया जाए, जिसमें नियम, सेल्स ऑफिसर का नाम, मोबाईल नम्बर, एरिया मैनेजर का नाम, मोबाइल नम्बर, टोल-फ्री नंबर तथा अन्य महत्वपूर्ण सूचनाएं प्रदर्शित की जाएं, ताकि उपभोक्ताओं को एक नज़र में ही सही जानकारी उपलब्ध हो सके। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि राजकीय विद्यालयों, कस्तूरबा विद्यालयों एवं अन्य शासकीय संस्थानों से प्राप्त मांग पत्र के आधार पर ऑयल कंपनी से स्वीकृति प्राप्त कर नियमानुसार गैस सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि सरकारी संस्थानों में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर पूर्ति निरीक्षक बलहा, शिवपुर व नवाबगंज तथा गैस एजेंसियों के प्रबंधक रहे।

गैस एजेंसी संचालकों के साथ बैठक करतीं उपजिलाधिकारी मोनालिसा जौहरी। अमृत विचार

हत्यारोपी को कोर्ट ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

बहराइच, अमृत विचार। जिले के अपर जिला एंव सत्र न्यायाधीश पवन कुमार शर्मा द्वितीय ने सवा पांच वर्ष पूर्व हुए हत्या के मामले में एक व्यक्ति को दोषसिद्ध मानते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है । सजा के साथ ही उस पर जुर्माना भी लगाया है। कैसरगंज थाने के मंझारा तौकली के गंधूनाला में 17 सितम्बर 2020 को शाम पांच बजे खेत में मवेशियों को चारा काटने गए पुत्तीलाल पर गांव के ही रामजस यादव पुत्र बेंचई ने कुदाल से प्रहार कर हत्या कर दी थी। इस मामले में कैसरगंज थाने में 18 सितम्बर 2020 को रामजस यादव को नामजद कर हत्या की धारा में केस दर्ज किया गया था।

एडीजीसी क्रिमिनल प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि विवेचक ने सात नवम्बर 2020 को कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। अपराध तय किए जाने पर कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई। आठ फरवरी 2023 से इस मामले में साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने शुरू हुए। 29 जुलाई 2023 को साक्ष्य की गवाही समाप्त हुई। सात मार्च 2026 को निर्णय सुरक्षित किया गया। 17 मार्च को कोर्ट ने दोषसिद्ध पाया। बुधवार को अदालत ने रामजस दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है , इसके साथ ही 40 हजार का जुर्माना ठोका गया है।

मेधावी बच्चों का शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम संपन्न

बहराइच, अमृत विचार। जिला विज्ञान क्लब के तत्वाधान में एकदिवसीय शैक्षिक भ्रमण व व्याख्यान कार्यक्रम जनपद के मेधावी विद्यार्थियों हेतु आंतरिक विज्ञान नगरी लखनऊ में संपन्न हुआ। शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम को मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चंद्र तथा जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वदानंद ने हरी झंडी देकर रवाना किया। 100 बच्चों को एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण कराया गया, जिसमें बच्चों ने आंचलिक विज्ञान केंद्र में अंडरवाटर एक्सप्लोरेशन जिसमें मरीन पॉल्यूशन, महासागरीय अंतः स्थल के परिदृश्य, कोस्टल स्पोर्ट, वाटर स्कूबा डाइविंग, लिविंग रीफ, ओसियन एंड क्लाइमेट सबमरीन, वेव जेनरेशन, कार्बन ऑफ़ द ओसियन, नेविगेशन टूल्स, वाटर साइकिल,व लिमिट्स एंड एल्टीट्यूड तथा वॉटरी प्लेनेट के बारे में विभिन्न जानकारियां प्राप्त की। बच्चों ने कैक्टस कॉर्नर, सिंपल कैमरा, अनूकंपी झूला, पेंसिल कैक्टस, फर्स्ट टाइम लीवर, सूर्य घड़ी, न्यूटन डिस्क, नलिका, आकार व दूरी के बारे में गहराई से अध्ययन किया।

संचारी रोग को लेकर बैठक करते जिलाधिकारी। अमृत विचार

संचारी रोग नियंत्रण अभियान की हुई बैठक

श्रावस्ती, अमृत विचार। जिले में एक से 30 अप्रैल तक संचारी रोग नियंत्रण व 11 से 30 तक दस्तक अभियान चलेगा। इसे लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को डीएम ने बैठक किया। इस दौरान डीएम अश्विनी कुमार पांडेय ने नालियों की सफाई, जलभराव वाले स्थानों पर चूना का छिड़काव करने व ढंग से कार्य करके अभियान को सफल बनाने के लिए विभागीय अधिकारियो को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संचारी रोग व दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण तथा इनका त्वरित इलाज एवं सहयोग सर्वोच्च प्राथमिकताओं में एक है। दस्तक अभियान में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति सजग एवं जागरूक करते हुए विशेष सफाई रखने के लिए प्रेरित किया जायेगा। इसको सफल बनाने के लिए आशा व आंगनबाड़ी कार्यकत्री घर-घर भ्रमण कर क्षयरोग, दिमागी बुखार, खॉसी, जुखाम तथा विभिन्न संचारी रोगों से बचाव के लिए अभियान चलाकर सर्वे करें। लक्षणयुक्त व्यक्तियों का नाम, पता व मोबाइल नंबर सहित संपूर्ण विवरण ई-कवच पोर्टल पर डिजिटल अपलोड करें।

नौ दिवसीय मेले में लाभार्थी हुए सम्मानित

श्रावस्ती, अमृत विचार। कलेक्ट्रेट के तथागत सभागार में प्रदेश सरकार के नव निर्माण के नौ वर्ष पूर्ण होने पर नौ दिवसीय प्रदर्शनी व मेले का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को कार्यक्रम के दौरान युवा उद्यमी योजना के चार, जीवन ज्योति बीमा योजना के दो तथा श्रम सम्मान के पांच लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। साथ ही टूल किट भी प्रदान किया गया। दूसरे दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक रामफेरन पांडेय, डीएम अश्विनी कुमार पांडेय, एडीएम अमरेंद्र कुमार वर्मा व एसडीएम प्रवीण यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर व मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। कार्यक्रम में विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपने कार्यकाल के नौ वर्ष पूर्ण किए हैं। यह कार्यकाल सरकार का नहीं बल्कि प्रदेश के कायाकल्प और सकारात्मक बदलाव की यात्रा है। इस मौके पर कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एसएसबी जवानों ने बचाव का किया मॉकड्रिल

कानीबोझी, श्रावस्ती

अमृत विचार। एसएसबी 62वीं वाहिनीं भिनगा की ओर से गुरुवार को जमुनहा के ककरदरी गांव इष्ट राप्ती नदी किनारे बाढ़ से बचाव का मॉक ड्रिल किया। इस दौरान जवानी ने नदी में डूबते व्यक्ति को बचाने का पूर्वाभ्यास किया। सशस्त्र सीमा बल भिनगा की ओर से जनसुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राप्ती नदी के किनारे ककरदरी गांव के पास मॉक एक्सरसाइज का आयोजन किया गया। कमान्डेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण के निर्देश पर ककरदरी समवाय के कम्पनी कमांडर सहायक कमांडेंट अमित शर्मा के नेतृत्व में मॉक ड्रिल के दौरान नदी में डूबने वाले व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालने तथा बाहर निकालने के उपरांत उसे जीवन रक्षक प्राथमिक उपचार प्रदान करने की विधि का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। जवानों ने त्वरित रेस्क्यू तकनीकों का प्रदर्शन करते हुए बताया कि आपात स्थिति में समय पर सही कदम उठाकर किसी की जान कैसे बचाई जा सकती है। इस मौके पर स्थानीय ग्रामीणों को भी प्रशिक्षण में शामिल किया गया। जिससे उन्हें डूबने की घटनाओं से बचाव, सतर्कता बरतने एवं प्राथमिक उपचार के महत्वपूर्ण तरीकों की जानकारी दी जा सके। इस दौरान कई अन्य जवान व ग्रामीण मौजूद रहे।

बचाव का मॉकड्रिल करते एसएसबी के जवान। अमृत विचार

अमृत विचार

शुक्रवार, 20 मार्च 2026

प्रेम का मार्ग कोई उम्मीद न रखने का मार्ग है। प्यार तभी मौजूद होता है, जब पूर्ण स्वीकृति हो और कुछ भी बदलने की कोई इच्छा न हो। -**ओशो**, दार्शनिक

आग के सबक

पालम और इंदौर में हुई अग्नि त्रासदियां हमारे शहरी जीवन की असुरक्षित सच्चाइयों का आईना हैं। पालम में नौ और इंदौर में सात लोगों की मौत के यह आंकड़े नहीं, बुझती हुई जिंदगियों की दर्दनाक कहानियां हैं। हर ऐसी घटना के बाद शोक, मुआवजा और आश्वासन का क्रम चलता है, लेकिन इनसे हम कोई सबक नहीं लेते। चिंताजनक यह है कि इस बार आग की ये घटनाएं भीषण गर्मी के चरम से पहले ही सामने आ गईं। यह संकेत है कि समस्या केवल मौसम नहीं, बल्कि हमारी तैयारियों और व्यवस्था की कमी है। शहरी इलाकों में ज्वलनशील सामग्री का अनियंत्रित भंडारण, बिजली के असुरक्षित कनेक्शन, संकरी गलियां और अग्नि सुरक्षा के प्रति उदासीनता-ये सभी मिलकर ऐसी त्रासदियों को जन्म देते हैं। पालम की घटना में रिहायशी इलाके में ही ज्वलनशील पदार्थों का संग्रह होना गंभीर प्रशासनिक चूक है। आखिर ऐसी गतिविधियों की अनुमति कैसे दी गई? स्थानीय निकायों की नियमित निगरानी का क्या हुआ? इंदौर की घटना में आधुनिक तकनीक जैसे ऑटोमैटिक लॉकिंग दरवाजे भी मौत का कारण बने। विडंबना है कि सुविधा के लिए अपनाई गई तकनीक, संकट के समय जाल बन जाती है। हम तकनीक तो अपना लेते हैं, लेकिन उसके जोखिमों के प्रति जागरूक नहीं होते। इन दोनों घटनाओं में निवासियों की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। घरों में ज्वलनशील सामग्री जमा करना, अग्निशमन के प्राथमिक उपायों की अनदेखी करना और आपातकालीन निकास की व्यवस्था न होना। ये सब लापरवाही के उदाहरण हैं, लेकिन नागरिकों की यह लापरवाही भी व्यवस्था की ढिलाई से ही जन्म लेती है, जहां नियमों का पालन न तो सख्ती से होता है और न ही जागरूकता का पर्याप्त प्रसार होता है। सबसे दुखद है आपदा के समय हमारी तैयारी की पोल खुलना। फायर ब्रिगेड का देर से पहुंचना, उपकरणों का खराब होना और आवश्यक संसाधनों की कमी, ऐसी तकनीकी खामियां जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर हैं। यदि संकरी गलियों में पहुंचने के लिए छोटे फायर टेंडर या वैकल्पिक व्यवस्था होती, यदि हाइड्रोलिक सिस्टम दुरुस्त होता, बचाव के साधन उपलब्ध होते, तो शायद कुछ जानें बचाई जा सकती थीं।

बेशक कुछ लाख रुपये किसी परिवार के खोए हुए सदस्य की भरपाई कर सकते हैं? यह केवल प्रतीकात्मक राहत है, असली आवश्यकता है ऐसी घटनाओं को रोकने की। इन त्रासदियों से स्पष्ट है कि हमें सुधार की त्रिस्तरीय व्यवस्था की तत्काल आवश्यकता है। पहला-प्रशासनिक स्तर पर, सख्त नियम, नियमित निरीक्षण और अवैध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई। दूसरा-तकनीकी स्तर पर, भवन निर्माण और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करवना, अग्निशमन व्यवस्था का आधुनिकीकरण करना, जबकि तीसरा सुधार सामाजिक स्तर पर, नागरिकों में जागरूकता, जिम्मेदारी और आपातकालीन तैयारी की संस्कृति विकसित करना। ऐसे अग्निकांड प्राकृतिक नहीं मानवजनित आपदाएं हैं। इसलिए यदि इच्छा और व्यवस्था दोनों मजबूत हों, तो इन्हें रोका जा सकता है। पालम और इंदौर की आग हमें यही याद दिलाती है कि लापरवाही की कीमत हमेशा जान से चुकानी पड़ती है। अब भी समय है कि हम चेतें, वरना अगली खबर फिर किसी और शहर से आएगी और हम सिर्फ शोक और मुआवजे तक सीमित रह जाएंगे।

प्रसंगवश

खुशी: उपलब्धियों से परे एक आंतरिक अनुभूति

मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी चाह क्या है? यदि इस प्रश्न का सरल उत्तर खोजा जाए, तो शायद एक ही शब्द सामने आता है- खुशी। हर व्यक्ति अपने जीवन में सुख, संतोष और आनंद की तलाश में निरंतर प्रयास करता है। बचपन से लेकर वृद्धावस्था तक मनुष्य के अधिकांश निर्णय, प्रयास और संघर्ष इसी उद्देश्य के इर्द-गिर्द घूमते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि आज जब दुनिया ने अभूतपूर्व आर्थिक और तकनीकी प्रगति हासिल कर ली है, तब भी सच्ची खुशी लोगों के जीवन से कहीं दूर होती दिखाई देती है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 20 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस पहल का उद्देश्य यह संदेश देना है कि विकास केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि लोगों के जीवन में वास्तविक खुशी और संतोष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह दिन हमें ठहरकर यह सोचने का अवसर देता है कि क्या आधुनिक जीवनशैली वास्तव में हमें अधिक सुखी बना रही है या हम केवल सुविधाओं के विस्तार को ही खुशी समझ बैठे हैं?

संध्या अग्रवाल
साहित्यकार

आज के समय में सुविधाओं की कोई कमी नहीं है। तकनीक ने जीवन को सरल और तेज बना दिया है। संचार के साधन पहले से अधिक सुलभ और प्रभावी हो गए हैं। भौतिक संसाधनों में भी निरंतर वृद्धि हुई है, जिससे जीवन स्तर में सुधार देखने को मिलता है। इसके बावजूद, तनाव, अकेलापन और मानसिक असंतोष जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। यह स्थिति इस बात की ओर संकेत करती है कि केवल बाहरी प्रगति ही जीवन को पूर्ण नहीं बना सकती। आधुनिक जीवन की इस विडंबना का एक बड़ा कारण यह है कि मनुष्य ने अपनी आंतरिक शांति और संतुलन को कहीं पीछे छोड़ दिया है। प्रतिस्पर्धा की दौड़, निरंतर तुलना और अधिक पाने की लालसा ने जीवन को जटिल बना दिया है। हम अक्सर यह भूल जाते हैं कि खुशी केवल उपलब्धियों या भौतिक संपन्नता से नहीं मिलती, बल्कि यह एक आंतरिक अनुभूति है, जो हमारे विचारों, संबंधों और जीवन के प्रति दृष्टिकोण से जुड़ी होती है।

वास्तविक खुशी का संबंध हमारे संबंधों और संवेदनाओं से भी गहराई से जुड़ा है। परिवार के साथ बिताया गया समय, मित्रों का साथ, किसी की मदद करने का संतोष और प्रकृति के साथ बिताए गए शांत क्षण ये सभी जीवन को अर्थपूर्ण बनाते हैं। जब हम अपने आसपास के लोगों के साथ जुड़ाव महसूस करते हैं, तो हमारे भीतर संतोष और सुरक्षा की भावना विकसित होती है। यही भावनात्मक जुड़ाव हमें वास्तविक खुशी के करीब ले जाता है।

आज के तेज रफ्तार जीवन में मानसिक स्वास्थ्य का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। अपेक्षाओं का दबाव, काम का तनाव और भविष्य की चिंताएं कई लोगों को मानसिक रूप से थका देती हैं। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि हम अपने जीवन में संतुलन बनाए रखें। हमें यह समझना होगा कि विश्राम, आत्मचिंतन और अपनी भावनाओं को समझना भी उतना ही जरूरी है, जितना सफलता प्राप्त करना। अंतर्राष्ट्रीय खुशी दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि खुशहाल समाज केवल व्यक्तिगत प्रयासों से नहीं बनता। इसके लिए सामाजिक और सामूहिक वातावरण भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। जब समाज में समान अवसर, पारस्परिक सम्मान और सहयोग की भावना होती है, तब लोगों के जीवन में संतोष और स्थिरता बढ़ती है। एक संवेदनशील और सहयोगी समाज ही वास्तविक खुशी का आधार बन सकता है। अंततः यह स्पष्ट है कि सच्ची खुशी किसी एक लक्ष्य की प्राप्ति में नहीं, बल्कि जीवन के प्रति संतुलित दृष्टिकोण में निहित होती है। (यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

मार्च में दिसंबर की दस्तक बिखरता ऋतुचक्र

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ लेखक

भारतीय कैलेंडर में मार्च का महीना उस संधि काल का प्रतीक है, जहां शिशिर की विदाई होती है और ग्रीष्म अपनी दस्तक देने लगता है। यह वह समय है जब पलाश के फूल दहकते हैं और गेहूं की बालियां सूरज की सुनहरी किरणों को सोखकर पकने की ओर बढ़ती हैं। किंतु इस वर्ष उत्तर भारत के आसमान ने जो रंग दिखाया है, वह न केवल अस्वाभाविक है, बल्कि डराने वाला भी है। दिल्ली, गाजियाबाद, कानपुर और लखनऊ जैसे शहरों में मार्च के पहले हफ्ते में अचानक छा जाने वाला घना कोहरा कोई साधारण मौसमी फेरबदल नहीं है। जब हवाई जहाजों को रास्ता बदलकर दूसरे राज्यों में उतरना पड़े और सड़कों पर दृश्यता शून्य हो जाए, तो समझ लेना चाहिए कि प्रकृति का संतुलन बुरी तरह डगमगा चुका है। इसे मौसम वैज्ञानिकों ने जलवायु आपातकाल की संज्ञा दी है, जो इस बात का प्रमाण है कि वायुमंडल अब अपनी मर्यादाएं भूलने लगा है। रही बची कसर पूरी हो गई अचानक हुई बरसात और ओला वृष्टि से इससे फसलें तक चौपट हो गई।

इस विचित्र कोहरे के पीछे के वैज्ञानिक कारणों को समझना अनिवार्य है। सामान्यतः कोहरा सर्दियों की रात में तब बनता है, जब धरती तेजी से अपनी गर्मी छोड़ती है और नमी का स्तर अधिक होता है। इस वर्ष फरवरी के अंतिम सप्ताह से ही गर्मी ने अपने पिछले कई दशकों के रिकॉर्ड तोड़ दिए। अचानक बढ़ी इस तपिश ने धरती की ऊपरी सतह को अत्यधिक गर्म कर दिया। बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी युक्त पूर्वी हवाएं इस गर्म सतह के संपर्क में आईं और उसी दौरान रात के तापमान में अचानक छह से सात डिग्री की गिरावट दर्ज की गई, तो विकिरण की प्रक्रिया ने एक घना आवरण तैयार कर दिया। इसे विज्ञान की भाषा में विकिरण कोहरा कहा जाता है। उत्तर भारत की भौगोलिक स्थिति और हवा की गति का अचानक मंद पड़ जाना इस स्थिति को और भयावह बना देता है। वायुमंडल के निचले स्तर पर हवा की स्थिरता ने उस धुंध और प्रदूषण के मिश्रण को जमने का अवसर दे दिया, जिसे हम अक्सर कड़ाके की ठंड में देखते हैं।

होली बीतते ही दिन और रात के तापमान में आ रहा यह भारी अंतर प्रकृति के बदलते मिजाज का एक गंभीर संकेत है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर भारत के कई हिस्सों में दिन का तापमान सामान्य से 8 से 12 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया है, जबकि रातें तुलनात्मक रूप से ठंडी बनी हुई हैं। इस तापमान की गड़बड़ी का बड़ा कारण पश्चिमी विक्षोभ का अत्यंत कमजोर होना है। आमतौर पर ये विक्षोभ बारिश और बर्फबारी लाते हैं, जो तापमान को नियंत्रित रखते हैं। इनकी अनुपस्थिति के कारण आसमान पूरी तरह साफ है, जिससे दिन में सूरज की किरणें सीधे धरती को तपा रही हैं।

याद करें, इस बार जनवरी और फरवरी में करीब 60 प्रतिशत कम हुई। इसके चलते मिट्टी में नमी न होने के कारण दिन की गर्मी वाष्पीकरण में खर्च होने के बजाय सीधे सतह को गर्म करती है। रात में, साफ आसमान होने के कारण धरती की गर्मी तेजी से वापस अंतरिक्ष में चली जाती है, जिससे रातें ठंडी हो जाती हैं। इसके साथ पश्चिमी भारत के ऊपर बने उच्च वायुदाब के क्षेत्रों के कारण हवाएं नीचे की ओर दब रही हैं। यह दबती हुई हवा गर्म हो जाती है और बादलों को बनने से रोकती है, जिससे दिन में 'हीटवेव' जैसी स्थिति बन रही है।

इस अनियमित तापमान से उपज रहे कोहरे के व्यापक और दूरगामी नुकसान भी हैं। सबसे बड़ी मार हमारी कृषि व्यवस्था पर पड़ रही है। रबी की फसल, विशेषकर गेहूं, इस समय अपने पकने के अंतिम चरण में है। तापमान में यह अनिश्चित उतार-चढ़ाव गेहूं के दानों की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। कोहरे के कारण बढ़ने वाली नमी और फिर अचानक निकलने वाली तेज धूप फसलों में पीला रतुआ और विभिन्न प्रकार की फफूंद जनित बीमारियों को जन्म देती है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह अनिश्चितता बनी रही, तो खाद्य सुरक्षा के मोर्चे पर हमें बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। केवल अनाज ही नहीं, बल्कि बागवानी फसलों जैसे आम के बौर पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। अचानक आई नमी और ठंडक फूलों को झाड़ देती है, जिससे उत्पादन में भारी गिरावट की आशंका प्रबल हो जाती है।

पारिस्थितिक नुकसान के साथ-साथ यह मानवीय स्वास्थ्य के लिए भी एक बड़ा संकट है। मार्च के इस कोहरे में केवल जलवाष्प नहीं है, बल्कि इसमें वातावरण में मौजूद सूक्ष्म धूल कण और जहरीली गैसें भी फंसी हुई हैं। यह एक प्रकार का विषैला धुंआ है, जो सीधे फेफड़ों पर प्रहार करता है। श्वसन रोगियों और बुजुर्गों के लिए यह स्थिति बेहद घातक सिद्ध होती है। यातायात के क्षेत्र में होने वाली बाधाएं आर्थिक तंत्र को प्रभावित करती हैं। यह एक ऐसा दुष्चक्र है, जहां जलवायु परिवर्तन के कारण कोहरा बनता है और उस कोहरे के कारण होने वाले उपाय पुनः पर्यावरण को दूषित करते हैं।

मार्च में दिसंबर जैसा यह दृश्य एक बड़ी आपदा की आहट है। यह हमारी जीवनशैली और विकास के उन मॉडलों पर सवालिया निशान खड़ा करता है, जो प्रकृति की कीमत पर तैयार किए गए हैं। हमें यह समझना होगा कि अब मौसम के पूर्वानुमान केवल बारिश या धूप तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि वे अस्तित्व की रक्षा के संकेत बन चुके हैं।

यदि हमने स्थानीय स्तर पर प्रदूषण नियंत्रण और वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए, तो ऋतुओं का यह विलोपन हमारे जीवन को अनिश्चितता के अंधेरे में धकेल देगा। यह कोहरा केवल दृश्यता कम नहीं कर रहा, बल्कि हमें भविष्य की उस धुंधली तस्वीर को देखने के लिए मजबूर कर रहा है, जिसे हमने खुद निर्मित किया है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

इस विचित्र कोहरे के पीछे के वैज्ञानिक कारणों को समझना अनिवार्य है। सामान्यत: कोहरा सर्दियों की रात में तब बनता है, जब धरती तेजी से अपनी गर्मी छोड़ती है और नमी का स्तर अधिक होता है।

आमने सामने

हम महिलाओं को राहुल गांधी को देखकर बहुत ज्यादा असहजता महसूस होती है, क्योंकि एकदम वो जैसे टपोरी की तरह आते हैं और किसी को भी ऐ तू ऐसे करके तू-तड़ाक करते हैं। उनको अपनी बहन, प्रियंका गांधी वाड्रा के आचरण और व्यवहार को देखना चाहिए, "जो बहुत अच्छा है"। -**कंगना रनौत**
सांसद, बीजेपी

कंगना रनौत को मेडिकल मदद की जरूरत है। उनके साथ कुछ बहुत ही गलत हो रहा है। शायद इसलिए कि उनकी फिल्में अच्छा नहीं कर रही हैं। वह किसी तरह के डिप्रेशन में हो सकती हैं। इसीलिए वह इस तरह के बयान दे रही हैं। आपको ऐसे लोगों की टिप्पणियों को ज्यादा अहमियत देने की जरूरत नहीं है। राहुल गांधी जैसे हैं, वैसे ही हैं।
- **एस. ज्योतिमणी**, सांसद, कांग्रेस

आखिर कब तक चलेगा पाकिस्तान का पाखंड

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

पाकिस्तान खुद को दुनिया का सबसे बड़ा इस्लामिक देश बताता है। इसका झंडा हिलाल (चांद का टुकड़ा) और तारा से सजा है, जो इस्लामिक परंपरा और मूल्यों के प्रतीक हैं। इसके नाम में 'इस्लामिक रिपब्लिक' जुड़ा है और ये हर मौके पर इस्लाम का हवाला देता है, लेकिन हकीकत में यह देश मुसलमानों के खिलाफ ही सबसे ज्यादा हिंसा और जुल्म का इतिहास रखता है। यह पाखंड की एक लंबी कहानी है, जहां इस्लाम का नाम सिर्फ सत्ता और नियंत्रण के लिए इस्तेमाल होता है, जबकि अमल उसके ठीक उलट है।

इसका सबसे ताजा और दिल दहला देने वाला उदाहरण बीते सोमवार (16 मार्च) को काबुल में मिलता है। पाकिस्तानी एयर स्ट्राइक ने अफगानिस्तान की राजधानी में ओमिद एडिक्शन ट्रीटमेंट हॉस्पिटल (एक ड्रग रिहैबिलिटेशन सेंटर) को निशाना बनाया। तालिबान सरकार के अनुसार, इस हमले में 400 से ज्यादा लोग मारे गए और 250 से अधिक घायल हुए। हमला रमजान के पवित्र महीने में हुआ, जब लोग रोजा रखकर इबादत में मग्न थे। अस्पताल में ज्यादातर गरीब अफगान मुसलमान थे, जो नशे की लत से मुक्ति पाने आए थे।

पाकिस्तान का दावा है कि उसने सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, लेकिन तालिबान और अफगान मीडिया इसे साफ-साफ सिविलियन अस्पताल पर हमला बता रहा है। सवाल वही है कि रमजान में मुसलमानों के अस्पताल को उड़ाना क्या इस्लाम की कोई शिक्षा है? मारे गए तो आम मुसलमान ही थे। यह कोई नई बात नहीं। 1971 में पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में पाकिस्तानी सेना ने ऑपरेशन सर्चलाइट के तहत लाखों बंगाली मुसलमानों का कत्लेआम किया था। बंगालियों ने आजादी की मांग की, तो उन्हें 'काफिर', 'गद्दार' और 'हिंदू एजेंट' कहकर मार डाला गया। अनुमान के मुताबिक 3 लाख से ज्यादा लोग मारे गए और 2 से 4 लाख महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ। स्कूल, कॉलेज, गांव सब तबाह कर दिए गए। पाकिस्तानी जनरल टिक्का खान को 'बचर ऑफ बंगाल' कहा गया। पाकिस्तान आज भी इसे 'सिविल वॉर' कहकर सच छुपाता है, लेकिन बांग्लादेश हर साल 16 दिसंबर को विजय दिवस मनाता है। एक 'इस्लामिक' देश ने अपने ही मुसलमानों पर ऐसा जुल्म ढाया, यह पाखंड नहीं तो क्या है?

पाकिस्तान के अंदर भी मुसलमान सुरक्षित नहीं। अहमदिया समुदाय को 1974 के संविधान संशोधन और ऑर्डिनेंस XX के जरिए 'नॉन-मुस्लिम' घोषित कर दिया गया। उन्हें मस्जिद कहने, अजान देने, सलाम कहने या कुरान छूने तक की मनाही है। अगर कोई अहमदिया खुद को मुसलमान कहे, तो ब्लास्फेमी का केस बन जाता है। हाल के वर्षों में कई अहमदिया डॉक्टर, दंत चिकित्सक और आम नागरिक गोली मारे गए। खुशाब में 90 अहमदिया कब्रें तोड़ी गईं। अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट की रिपोर्ट्स और एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसी संस्थाएं बताती हैं कि पुलिस भी अहमदिया घरों पर हमलों में शामिल होती है। शिया मुसलमान भी निशाने पर हैं, खासकर हजारा शिया। इन पर बलूचिस्तान और कुर्रम एजेंसी में बार-बार हमले होते हैं। 2024 में 40 से ज्यादा शिया मारे गए, 2013 के क्वेटा हमले में 90 से अधिक। सेना और कानून इन पर कार्रवाई नहीं करती, बल्कि चुप रहती है। एक देश जो खुद को इस्लाम का गढ़ कहता है, वहां शिया और अहमदिया को दूसरे दर्जे का नागरिक बना दिया गया है।

वहीं जनवरी 2024 में पाकिस्तान ने ईरान पर 'ऑपरेशन मार्ग बार सरमाचार' के तहत मिसाइल हमले किए। दोनों देश मुस्लिम हैं। ईरान शिया बहुल, पाकिस्तान सुन्नी, लेकिन हमला फिर मुसलमानों पर ही हुआ।

सवाल है कि पाकिस्तान मुसलमानों को क्यों मारता है? मुख्य कारण सेना की सर्वोच्चता है। आर्मी इस्लाम के नाम पर सत्ता संभालती है, लेकिन उसकी नीतियां सेक्टेरियन हैं। सुन्नी बहुल सेना शिया, अहमदिया और अन्य समुदायों को कमजोर रखना चाहती है। दूसरा, राजनीतिक खेल तालिबान, जैश-ए-मोहम्मद जैसे गुटों को पाला जाता है, लेकिन अब टीटीपी पाक फौज पर हमला कर रही है, तो बदले में अफगानिस्तान पर हमला। मुसलमान ही मुसलमान का शिकार बन रहा है। तीसरा, इस्लाम का दुरुपयोग सिस्टम इस्लाम के नाम पर चलता है, लेकिन असल में पावर और नियंत्रण का खेल है। अहमदिया को 'काफिर', बंगालियों को 'हिंदू एजेंट' कहकर मार डाला जाता है।

दुनिया को यह सच देखना चाहिए। पाकिस्तान अभी भी इस्लाम का सिपाही होने का दावा करता है, लेकिन हकीकत में वह मुसलमानों का कातिल है। अगर सच में इस्लामिक देश बनना है, तो पहले अपने मुसलमानों की हिफाजत करे। अहमदिया और शिया को बराबरी दे, अफगानिस्तान से बातचीत करे, 1971 के नरसंहार की माफी मांगे, लेकिन ऐसा लगता है कि सेना की ताकत और सेक्टेरियन नीतियां जारी रहेंगी। पाकिस्तान का 'इस्लामिक' चेहरा नाम का है। असल में यह मुसलमान-विरोधी नीतियों का देश बन चुका है। रमजान में अस्पताल उड़ाना, लाखों मुसलमान मारना, शिया-अहमदिया पर जुल्म ये सब इस्लाम के खिलाफ हैं। दुनिया के मुसलमानों को समझना चाहिए कि पाकिस्तान का चेहरा दोहरा है। एक तरफ मक्का-मदीना का नाम, दूसरी तरफ मुसलमानों का खून। यह पाखंड कब तक चलेगा?

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

पाकिस्तान का दावा है कि उसने सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, लेकिन तालिबान और अफगान मीडिया इसे साफ-साफ सिविलियन अस्पताल पर हमला बता रहा है।

सोशल फोरम

अर्थव्यवस्था पर युद्ध का प्रभाव

युद्ध का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार पर भी पड़ता है। युद्ध शुरू होते ही बाजार में घबराहट पैदा होती है और शुरुआती दिनों में तेज गिरावट देखी जाती है, लेकिन अक्सर यह गिरावट स्थायी नहीं होती। अधिकांश युद्धों में एक दिलचस्प पैटर्न दिखाई देता है कि यदि युद्ध एक महीने से अधिक समय तक चलता है, तो अगले कुछ महीनों में बाजार धीरे-धीरे उस स्थिति के साथ खुद को अनुकूलित कर लेते हैं और गिरावट का प्रभाव कम होने लगता है।

मनोज अभिज्ञान
अधिवक्ता

युद्ध जब भी शुरू होता है, तो अनिश्चितता सबसे बड़ी समस्या बनती है। निवेशकों को यह स्पष्ट नहीं होता कि युद्ध कितना लंबा चलेगा, किन देशों तक फैलेगा और अर्थव्यवस्था पर कितना प्रभाव पड़ेगा। इसी अनिश्चितता के कारण निवेशक घबराकर अपने शेयर बेचने लगते हैं, जिससे बाजार तेजी से गिरता है। अगस्त 1990 में जब इराक ने कुवैत पर हमला किया, तब अमेरिकी शेयर बाजार लगभग 15 प्रतिशत तक गिर गया, लेकिन जनवरी 1991 में युद्ध शुरू होने के बाद कुछ ही महीनों में बाजार तेजी से उभर गया और उसी साल नया उच्च स्तर बना लिया। 2022 का रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होते ही वैश्विक बाजारों में गिरावट आई, लेकिन कुछ महीनों बाद निवेशकों ने स्थिति को न्यू नॉर्मल मानकर निवेश शुरू कर दिया।

इससे समझ में आता है कि बाजार घटना से अधिक अनिश्चितता से डरता है। जब घटना स्पष्ट हो जाती है, तो बाजार धीरे-धीरे स्थिर होने लगता है। लंबे समय तक चलने वाले युद्धों में सरकारें और उद्योग तेजी से खुद को ढाल लेते हैं। रक्षा उद्योग में उत्पादन बढ़ता है। ऊर्जा और कच्चे माल के नए स्रोत खोजे जाते हैं। सप्लाई चेन धीरे-धीरे नई परिस्थितियों के अनुसार बदल जाती है। इस प्रक्रिया के कारण आर्थिक गतिविधियां पूरी तरह रुकती नहीं हैं, बल्कि नए रूप में जारी रहती हैं। यही कारण है कि शुरुआती झटके के बाद बाजार अक्सर संभलने लगते हैं। निवेश की दुनिया में घबराहट के समय अवसर छिपे होते हैं। जब युद्ध या किसी बड़े संकट के कारण बाजार गिरता है, तब कई अच्छी कंपनियों के शेयर भी सस्ते हो जाते हैं। यह भी समझना जरूरी है कि हर युद्ध का प्रभाव एक जैसा नहीं होता। कुछ युद्ध बहुत सीमित होते हैं, जबकि कुछ पूरे वैश्विक आर्थिक ढांचे को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए निवेश करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। मजबूत और लाभकारी कंपनियों में निवेश करें, अत्यधिक कर्ज वाली कंपनियों से बचें, एक ही सेक्टर में पूरा पैसा न लगाएं और लंबी अवधि का दृष्टिकोण रखें। **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

साझा चूल्हा: संकट से समाधान की राह

रसोई गैस की कीमतों को लेकर समय-समय पर देश में राजनीतिक बहस तेज हो जाती है। महंगाई निश्चित रूप से आम आदमी के जीवन को प्रभावित करती है, लेकिन इस चर्चा में अक्सर समाज की अपनी सामूहिक शक्ति पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता। भारतीय समाज की संरचना मूलतः सामूहिकता पर आधारित रही है। परिवार केवल सीमित दायरे तक नहीं, बल्कि व्यापक रिश्तों और समुदाय से जुड़ा होता है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में यह भावना और गहरी दिखाई देती है, जहां कठिन समय में लोग एक-दूसरे का सहारा बनते हैं। इसी सामाजिक परंपरा का एक महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है- 'साझा चूल्हा'। यह केवल खाना बनाने का साधन नहीं, बल्कि सामूहिक जीवन का केंद्र था। सीमित संसाधनों के दौर में कई परिवार एक ही चूल्हे पर भोजन बनाते थे, जिससे ईंधन की बचत होती थी और श्रम का विभाजन भी सहज हो जाता था। इससे लोगों के बीच संवाद और संबंध भी मजबूत होते थे।

डॉ. प्रियंका सौरभ
शिक्षिका

समय के साथ तकनीकी विकास और शहरीकरण ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया, लेकिन सामूहिक परंपराओं को कमजोर भी किया। आज लगभग हर घर में अलग रसोई है, जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रतीक है, लेकिन इसके साथ ही सामाजिक दूरी भी बढ़ी है। पड़ोसी भी कई बार एक-दूसरे से अपरिचित रहते हैं। ऐसे में जब गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों की चर्चा होती है, तो हमें केवल राजनीतिक दृष्टिकोण तक सीमित नहीं रहना चाहिए। 'साझा चूल्हा' का विचार आज भी प्रासंगिक हो सकता है, यदि उसे आधुनिक संदर्भ में समझा जाए। हमारे समाज में भंडारे और लंगर की परंपरा इसका जीवंत उदाहरण है। मंदिरों और गुरुद्वारों में हजारों लोग एक ही रसोई से भोजन करते हैं। वहां न कोई भेदभाव होता है और न ही किसी प्रकार की असमानता। यह केवल सेवा ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता का प्रतीक है। इसी भावना को छोटे स्तर पर भी अपनाया जा सकता है। मोहल्लों या समुदायों में कुछ परिवार मिलकर सामूहिक भोजन व्यवस्था कर सकते हैं, खासकर तब जब खर्च अधिक हो या संसाधन सीमित हों। इससे न केवल आर्थिक बचत होगी, बल्कि सामाजिक संबंध भी मजबूत होंगे। साझा चूल्हा केवल आर्थिक समाधान नहीं, बल्कि सामाजिक जुड़ाव का माध्यम भी है। जब लोग साथ बैठकर काम करते हैं और भोजन साझा करते हैं, तो उनके बीच विश्वास और सहयोग बढ़ता है। इससे सामाजिक तनाव भी कम होते हैं।

ग्रामीण जीवन में यह परंपरा आज भी कहीं न कहीं जीवित है। खेती-किसानी और श्रम से जुड़े लोग अक्सर सामूहिक रूप से भोजन की व्यवस्था करते हैं। यह जीवन को सरल और संतुलित बनाने का एक व्यावहारिक तरीका है। इसके विपरीत, शहरी जीवन में सुविधाएं तो बढ़ी हैं, लेकिन सामाजिक जुड़ाव कम हुआ है। लोग अपने-अपने घरों तक सीमित हो गए हैं, जिससे अकेलेपन की भावना भी बढ़ रही है। ऐसे समय में 'साझा चूल्हा' केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्संरचना का प्रतीक बन सकता है। यह हमें याद दिलाता है कि समाज की असली ताकत आपसी सहयोग में है। हालांकि आज की परिस्थितियों में इसे हर जगह लागू करना संभव नहीं है, लेकिन इसके मूल विचार सहयोग और साझेदारी को जरूर अपनाया जा सकता है। इतिहास गवाह है कि जब भी संकट आया, भारतीय समाज ने एकजुट होकर उसका सामना किया है। आज भी यदि हम इस भावना को पुनर्जीवित करें, तो कई समस्याओं का समाधान सहज हो सकता है। 'साझा चूल्हा' केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की एक दिशा है। यह हमें सिखाता है कि यदि आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन स्थापित किया जाए, तो समाज और अधिक सशक्त बन सकता है। (यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना*** 05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

खोज

वाई-फाई का आविष्कार

वाई-फाई (Wi-Fi) आज हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा है, लेकिन इसका आविष्कार एक ही व्यक्ति द्वारा नहीं, बल्कि कई वैज्ञानिकों के शोध और प्रयोगों के परिणामस्वरूप हुआ। सबसे पहले इसकी नींव 19 वीं सदी में पड़ी, जब जेम्स क्लर्क मैक्सवेल ने विद्युतचुंबकीय तरंगों का सिद्धांत दिया। बाद में हाइनरिख हर्ट्ज़ ने इन तरंगों को प्रयोग में सिद्ध किया। यही तरंगें आगे चलकर वायरलेस संचार का आधार बनीं। 20 वीं सदी में रेडियो और वायरलेस तकनीक का विकास हुआ, लेकिन असली क्रांति 1990 के दशक में आई। ऑस्ट्रेलिया की संस्था CSIRO के वैज्ञानिकों की एक टीम ने वायरलेस डेटा ट्रांसमिशन की एक नई तकनीक विकसित की। इस टीम का नेतृत्व जॉन ओ' सुलिवन कर रहे थे। असल में यह टीम अंतरिक्ष में ब्लैक होल से आने वाले रेडियो सिग्नल्स को समझने पर काम कर रही थी। इसी दौरान उन्होंने एक ऐसी तकनीक विकसित की, जिससे रेडियो तरंगों के माध्यम से डेटा को साफ और तेजी से भेजा जा सकता था। यही तकनीक आगे चलकर Wi-Fi का आधार बनी।

इसके बाद 1997 में IEEE ने 802.11 नाम का पहला वायरलेस नेटवर्क मानक जारी किया। यही वह तकनीकी ढांचा है, जिस पर आज का Wi-Fi आधारित है। 'Wi-Fi' नाम खुद कोई तकनीकी शब्द नहीं है, बल्कि यह एक ब्रांड नाम है, जिसे Wi-Fi Alliance ने 1999 में अपनाया। इसका उद्देश्य वायरलेस नेटवर्किंग को आसान और लोकप्रिय बनाना था। आज Wi-Fi रेडियो तरंगों का उपयोग करके आपके मोबाइल, लैपटॉप और अन्य डिवाइस को इंटरनेट से जोड़ता है। इसमें एक राउटर होता है, जो इंटरनेट सिग्नल को वायरलेस रूप में फैलाता है, और आपके डिवाइस उस सिग्नल को पकड़कर डेटा भेजते और प्राप्त करते हैं। Wi-Fi किसी एक आविष्कार का परिणाम नहीं, बल्कि विज्ञान, अंतरिक्ष अनुसंधान और संचार तकनीक के लंबे विकास का नतीजा है, जिसने दुनिया को बिना तारों के जोड़ दिया।

वैज्ञानिक के बारे में

जॉन ओ सुलिवन का व्यक्तिगत जीवन उतना ही रोचक है, जितना उनका वैज्ञानिक योगदान। उनका जन्म 1946 में ब्रिस्बेन में हुआ था। बचपन से ही उन्हें विज्ञान और गणित में गहरी रुचि थी, जिसने आगे चलकर उनके करियर की दिशा तय की। उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा यूनिवर्सिटी ऑफ सीडनी से प्राप्त की, जहां उन्होंने भौतिकी में अध्ययन किया। बाद में उन्होंने सैद्धांतिक भौतिकी में विशेषज्ञता हासिल की। निजी जीवन में वे काफी सरल, शांत और शोध में डूबे रहने वाले व्यक्ति माने जाते हैं।

वे प्रचार-प्रसार से दूर रहकर अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना पसंद करते थे। उनका पारिवारिक जीवन भी संतुलित रहा है। वे विवाहित हैं और अपने परिवार के साथ साधारण जीवन जीते रहे हैं। अपने काम के अलावा उन्हें संगीत और पढ़ने का भी शौक रहा है, जो उनके व्यक्तित्व के एक संवेदनशील और रचनात्मक पक्ष को दर्शाता है।

मार्च में आकाश दर्शन

आकाश में चंद्रमा और तारों (या ग्रहों) को देखने का रोमांच कुछ ऐसा है, जो दिल को छू लेता है। यह सिर्फ देखना नहीं, बल्कि महसूस करना है, जैसे ब्रह्मांड खुद आपको बुला रहा हो और आप उसकी विशालता में खो जाना चाहें। खासकर जब चंद्रमा किसी चमकीले ग्रह के पास आता है, तो वह दृश्य रोमांटिक, रहस्यमयी और जादुई लगता है। अब चंद्र ग्रहण से आगे चलते हैं और इस रोमांच पर विस्तार से बात करते हैं कि मार्च, 2026 में आकाश में और क्या घटित होने वाला है।

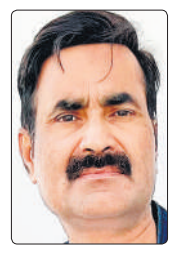

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

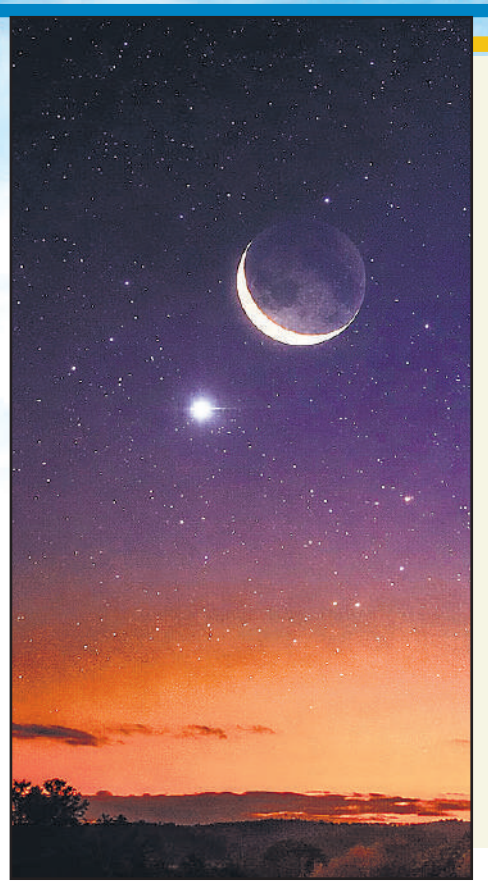

चंद्रमा और शुक्र का संयोजन

आज यानी 20 मार्च को चंद्रमा और शुक्र का संयोजन की घटना घटित होगी, जहां चंद्रमा शुक्र के उत्तर में लगभग 4.4-4.6 की दूरी पर होगा। समय यूटीसी में शाम, भारत में सूर्यास्त के समय (लगभग 18:30-19:00 आईएसटी) दिखेगा। चंद्रमा सिर्फ 1-5 प्रतिशत प्रकाशित (बहुत पतला क्रिसेंट) होगा। शुक्र बहुत चमकीला-4 magnitude के आसपास) होगा, जो शाम का सबसे चमकीला तारा (संध्या तारा) के रूप में दिखाई देगा। यह पश्चिमी आकाश में निम्न क्षितिज पर होगा और चंद्रमा उसके ऊपर या पास दिखेगा। यह दृश्य सिर्फ 30-60 मिनट तक रहेगा, क्योंकि दोनों जल्दी अस्त हो जाएंगे। इस दृश्य को सूर्यास्त के ठीक बाद पश्चिम में देखा जा सकता है। इसे देखने के लिए किसी दूरबीन की जरूरत नहीं होगी। यह इस माह का सबसे आसान और चमकीला संयोजन होगा।

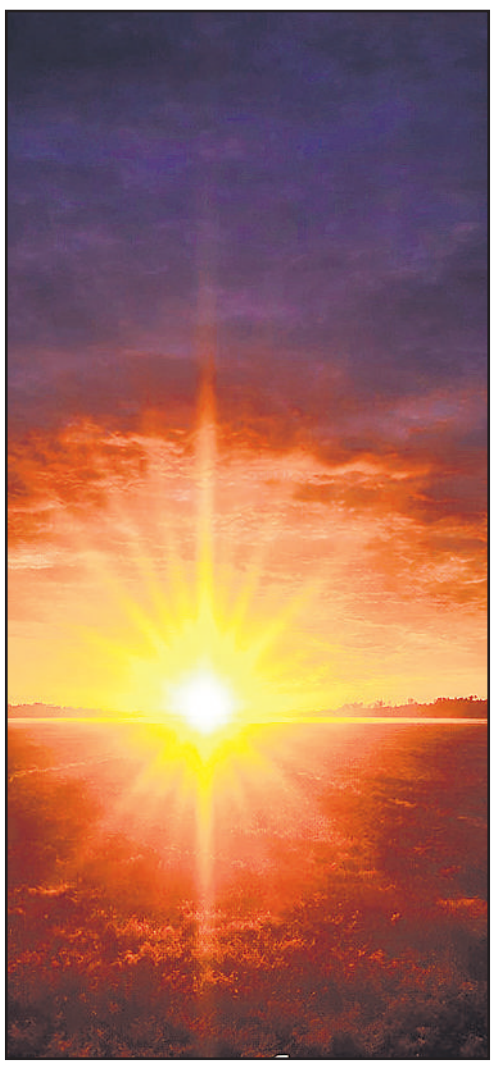

ठीक भूमध्य रेखा पर सूर्य

20 मार्च को मार्च विषुव की घटना घटित होगी। यह घटना 14:46 यूटीसी (कोऑर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम) और 8:16 पीएम आईएसटी (इंडियन स्टैंडर्ड टाइम) पर होगी, तब सूर्य सीधे भूमध्य रेखा पर चमकता दिखाई देगा और दुनियाभर में दिन और रात लगभग बराबर होंगे। यह उत्तरी गोलार्ध में वसंत का पहला दिन भी होता है और दक्षिणी गोलार्ध में पतझड़ अर्थात शरद ऋतु विषुव का पहला दिन भी। अर्थात उत्तरी गोलार्ध में वसंत की शुरुआत और सर्दियों के अंत को चिह्नित करने के लिए मार्च विषुव को लिया जा सकता है, लेकिन दक्षिणी गोलार्ध में शरद ऋतु की शुरुआत और गर्मियों की समाप्ति को चिह्नित करता है।

यह हर साल 19, 20 या 21 मार्च के बीच पड़ता है। 2026 में यह ठीक 20 मार्च को है। एक सामान्य वर्ष के लिए गणना किए गए समय में कमी पिछले वर्ष की तुलना में 5 घंटे 49 मिनट बाद है और पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 18 घंटे 11 मिनट पहले लीप वर्ष के लिए है। खगोल विज्ञान में, मार्च विषुव काल के नक्षत्र समय का शून्य बिंदु माना जाता है। विषुव ऐसा समय-बिंदु होता है, जिसमें दिवस और रात्रि लगभग बराबर होते हैं। इसका शब्दिक अर्थ होता है-समान।

किसी क्षेत्र में दिन और रात की लंबाई को प्रभावित करने वाले कई दूसरे कारक भी होते हैं। पृथ्वी अपनी धुरी पर साढ़े तेईस डिग्री झुके हुए सूर्य के चक्कर लगाती है, इस प्रकार वर्ष में एक बार पृथ्वी इस स्थिति में होती है, जब वह सूर्य की ओर झुकी रहती है और एक बार सूर्य से दूसरी ओर झुकी रहती है। इसी प्रकार वर्ष में दो बार ऐसी स्थिति भी आती है, जब पृथ्वी का झुकाव न सूर्य की ओर ही होता है और न ही सूर्य से दूसरी ओर, बल्कि बीच में होता है। इस स्थिति को विषुव या इक्विनॉक्स कहा जाता है। इन दोनों तिथियों पर दिन और रात की लंबाई लगभग बराबर होती है। यदि दो लोग भूमध्य रेखा से समान दूरी पर खड़े हों तो, उन्हें दिन और रात की लंबाई बराबर महसूस होगी। ग्रेगोरियन वर्ष के आरंभ होते समय (जनवरी माह में) सूरज दक्षिणी गोलार्ध में होता है और वहां से उत्तरी गोलार्ध को अग्रसर होता है। वर्ष के समाप्त होने (दिसंबर माह) तक सूरज उत्तरी गोलार्ध से होकर पुनः दक्षिणी गोलार्द्ध पहुंच जाता है। इस तरह से सूर्य वर्ष में दो बार भू-मध्य रेखा के ऊपर से गुजरता है।

चंद्रमा और बृहस्पति का संयोजन

26 मार्च को चंद्रमा और बृहस्पति के संयोजन की घटना घटित होगी, जहां चंद्रमा बृहस्पति के उत्तर में लगभग 3.5 की दूरी पर होगा। समय यूटीसी में दोपहर, भारत में रात के समय (शाम से मध्यरात्रि तक) दिखेगा। चंद्रमा 58 प्रतिशत प्रकाशित होगा। इसकी दृश्यता की बात करें, तो बृहस्पति का मैग्नीट्यूड -2.3 के आसपास बहुत चमकीला होगा। यह रात में दक्षिणी आकाश में ऊंचा दिखेगा। चंद्रमा बृहस्पति के पास होगा, जो एक शानदार जोड़ी बनेगी। दूरबीन या छोटे टेलीस्कोप से बृहस्पति के 4 गैलीलियन चंद्रमा भी दिख सकते हैं। इस घटना को शाम 7-8 बजे से रात भर दक्षिण या दक्षिण-पूर्व दिशा में देखें।

वैज्ञानिक फैक्ट

पृथ्वी पर ऑक्सीजन का उत्पादन और महासागर

क्या आपने कभी सोचा है कि ऑक्सीजन आखिर आती कहां से है? आमतौर पर हमारा ध्यान घने वर्षावनों, विशेषकर अमेजन जैसे क्षेत्रों की ओर जाता है, जिन्हें 'पृथ्वी के फेफड़े' कहा जाता है, लेकिन एक रोचक वैज्ञानिक तथ्य यह है कि पृथ्वी पर उपलब्ध ऑक्सीजन का एक बहुत बड़ा हिस्सा समुद्रों से आता है। वैज्ञानिकों और समुद्री अनुसंधानों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर उत्पादित ऑक्सीजन का लगभग 50 से 60 प्रतिशत भाग महासागरों में रहने वाले सूक्ष्म जीवों द्वारा निर्मित होता है। समुद्रों में पाए जाने वाले फाइटोप्लवक, सूक्ष्म शैवाल और सायनोबैक्टीरिया जैसे जीव प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के माध्यम से कार्बन डाइऑक्साइड और सूर्य के प्रकाश का

उपयोग कर ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं। ये जीव आकार में अत्यंत सूक्ष्म होते हैं, लेकिन संख्या में इतने विशाल होते हैं कि उनका सामूहिक योगदान पूरे ग्रह के वायुमंडलीय संतुलन को बनाए रखने में निर्णायक भूमिका निभाता है। विशेष रूप से 'प्रोक्लोरोकोकस' नामक सूक्ष्म जीव को पृथ्वी का सबसे अधिक मात्रा में ऑक्सीजन उत्पन्न करने वाला जीव माना जाता है। यह अकेला ही वैश्विक ऑक्सीजन उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इसके अतिरिक्त, समुद्री शैवाल की बड़ी प्रजातियां, जैसे केल्प, भी तटीय क्षेत्रों में ऑक्सीजन उत्पादन और कार्बन अवशोषण में अहम भूमिका निभाती हैं। महासागर केवल ऑक्सीजन ही नहीं बनाते, बल्कि वे पृथ्वी के जलवायु तंत्र को भी नियंत्रित करते हैं। ये समुद्री जीव कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर उसे जैविक पदार्थ में परिवर्तित करते हैं, जिससे ग्रीनहाउस गैसों का प्रभाव कम होता है। इसे 'ब्लू कार्बन' प्रक्रिया कहा जाता है, जो जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण मानी जाती है। हालांकि यह संतुलन अब खतरे में है। समुद्री प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, महासागरों का तापमान बढ़ना और अम्लीकरण इन सूक्ष्म जीवों के अस्तित्व को प्रभावित कर रहे हैं। यदि फाइटोप्लवक की संख्या में कमी आती है, तो इसका सीधा प्रभाव वैश्विक ऑक्सीजन उत्पादन और जलवायु संतुलन पर पड़ेगा। इसलिए यह समझना आवश्यक है कि ऑक्सीजन केवल जंगलों से ही नहीं, बल्कि महासागरों की गहराइयों में बसे सूक्ष्म जीवन से भी आती है। यह ज्ञान हमें पर्यावरण संरक्षण की व्यापक दृष्टि अपनाने के लिए प्रेरित करता है, जिसमें समुद्रों की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी वनों की।

पारिस्थितिकी के विघटन की चेतावनी लुप्त होती गौरैया

भारतीय जनजीवन में प्रकृति और जीव-जंतुओं के साथ सह-अस्तित्व की परंपरा अत्यंत प्राचीन रही है। इसी परंपरा की एक सहज अभिव्यक्ति है गौरैया, जो केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के साथ विकसित हुई सांस्कृतिक स्मृति भी है। ग्राम्य जीवन में मिट्टी के घर, खपरैल की छतें, खुले आंगन और वृक्षों से युक्त वातावरण गौरैया के लिए आदर्श आवास प्रदान करते थे। उस समय मानव और प्रकृति के बीच कोई कृत्रिम दूरी नहीं थी, इसलिए गौरैया हर घर का हिस्सा बनकर रहती थी और उसकी चहचहाहट जीवन की सरलता का प्रतीक मानी जाती थी। समय के साथ औद्योगिक विकास और शहरीकरण ने इस संतुलन को प्रभावित किया। आधुनिक निर्माण पद्धतियों, रासायनिक कृषि और कृत्रिम जीवनशैली के कारण गौरैया का प्राकृतिक आवास और भोजन स्रोत दोनों ही प्रभावित हुए हैं। परिणामस्वरूप, जो पक्षी कभी सर्वत्र दिखाई देता था, वह आज अनेक क्षेत्रों में दुर्लभ हो गया है।

वैज्ञानिक दृष्टि से गौरैया का महत्व अत्यंत व्यापक है। यह एक कीटभक्षी पक्षी है, जो विशेष रूप से अपने बच्चों के पालन-पोषण के समय कीटों का सेवन करती है। कीट प्रोटीन से भरपूर होते हैं, जो बच्चों के शारीरिक विकास के लिए आवश्यक होते हैं। किंतु रासायनिक कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग ने कीटों की संख्या को गंभीर रूप से कम कर दिया है। इससे गौरैया के बच्चों के पोषण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और उनकी मृत्यु दर बढ़ जाती है। रासायनिक खादों का प्रभाव भी इस संकट को बढ़ाता है। इनके निरंतर उपयोग से मृदा की गुणवत्ता और उसमें रहने वाले सूक्ष्म जीव प्रभावित होते हैं, जो खाद्य श्रृंखला की आधारशिला हैं। जब यह आधार कमजोर होता है, तो उसका प्रभाव पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ता है। इसके साथ ही रासायनिक अवशेष गौरैया के शरीर में पहुंचकर उसकी प्रजनन क्षमता और जीवनकाल को भी प्रभावित करते हैं।

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

सामाजिक परिवर्तन भी इस संकट के लिए उत्तरदायी हैं। पहले लोग अपने घरों में दाना-पानी रखते थे और पक्षियों के लिए स्थान छोड़ते थे। आज की जीवनशैली में यह परंपरा लगभग समाप्त हो गई है। इसके अतिरिक्त जल स्रोतों की कमी और शहरी क्षेत्रों में बढ़ती स्वच्छता की प्रवृत्ति ने भी गौरैया के लिए उपलब्ध संसाधनों को सीमित कर दिया है। यह सभी परिवर्तन मिलकर उसके अस्तित्व को चुनौती देते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में गौरैया का महत्व अत्यंत व्यापक है। यह केवल कीट नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ऊर्जा प्रवाह और पोषण चक्र का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह बीजों के प्रसार में सहायक होती है और पौधों की विविधता बनाए रखने में योगदान देती है। इसके अतिरिक्त यह स्वयं भी अन्य जीवों के लिए भोजन का स्रोत बनती है। इस प्रकार यह खाद्य जाल की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। जब यह कड़ी कमजोर होती है, तो पूरे तंत्र पर उसका प्रभाव पड़ता है। यही कारण है कि गौरैया को जैव संकेतक के रूप में भी देखा जाता है। इसकी संख्या में गिरावट यह संकेत देती है कि पर्यावरण में ऐसे परिवर्तन हो रहे हैं, जो अन्य जीवों के लिए भी हानिकारक हो सकते हैं।

यदि हम इस संकट को केवल एक पक्षी की समस्या मानकर अनदेखा करते हैं, तो यह हमारी सबसे बड़ी भूल होगी। गौरैया का लुप्त होना उस व्यापक पर्यावरणीय संकट का प्रारंभिक संकेत है, जो भविष्य में और भी गंभीर रूप ले सकता है। यह हमें चेतावनी देता है कि हमारा विकास प्रकृति के अनुकूल नहीं है और यदि हमने समय रहते इसमें सुधार नहीं किया, तो इसका परिणाम अत्यंत गंभीर हो सकता है। इस स्थिति को सुधारने के लिए आवश्यक है कि हम अपने विकास के मॉडल पर पुनर्विचार करें। हमें रासायनिक कीटनाशकों और खादों के उपयोग को सीमित करना होगा और जैविक उपायों को अपनाना होगा। शहरी क्षेत्रों में हरित स्थानों का संरक्षण और विस्तार आवश्यक है। घरों और भवनों में ऐसे स्थानों की व्यवस्था की जा सकती है, जहां गौरैया घोंसला बना सके। इसके साथ ही लोगों में जागरूकता बढ़ाना भी आवश्यक है ताकि वे अपने आसपास के पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बन सकें।

गौरैया का संकट हमें यह सिखाता है कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना ही हमारे अस्तित्व की कुंजी है। यह केवल एक पक्षी की रक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि उस पारिस्थितिक संतुलन की रक्षा का प्रश्न है, जिस पर समस्त जीवन निर्भर करता है। यदि हम इस चेतावनी को समय रहते समझ लें और अपने व्यवहार में परिवर्तन करें, तो संभव है कि आने वाली पीढ़ियां भी उस मधुर चहचहाहट को सुन सकें, जो हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हुआ करती है।

मरीन लाइफ

जब नर समुद्री घोड़ा देता है जन्म

समुद्री जीवों की दुनिया में एक अद्भुत अपवाद के रूप में नर समुद्री घोड़े ही गर्भ धारण करते हैं। दरअसल समुद्री घोड़ा की शारीरिक संरचना में एक विशेष थैली होती है, जो उसके पेट के हिस्से में विकसित होती है। प्रजनन के दौरान मादा अपने अंडों को नर की इस थैली में स्थानांतरित कर देती है। इसके बाद निषेचन की प्रक्रिया नर के शरीर के भीतर ही होती है, जो इसे अन्य अधिकांश जीवों से अलग बनाती है। नर समुद्री घोड़ा इस थैली में अंडों को केवल सुरक्षित ही नहीं रखता, बल्कि उन्हें पोषण और ऑक्सीजन भी प्रदान करता है। यह थैली किसी हद तक स्तनधारियों के गर्भाशय की तरह कार्य करती है, जहां भ्रूण का विकास नियंत्रित वातावरण में होता है। प्रजाति के अनुसार 10 से 25 दिनों तक गर्भधारण की अवधि पूरी होने के बाद नर समुद्री घोड़ा संकुचन के माध्यम से सैकड़ों से लेकर लगभग 2,000 तक शिशुओं को जन्म देता है। यह प्रक्रिया देखने में किसी छोटे 'प्राकृतिक प्रसव' जैसी प्रतीत होती है।

समुद्री घोड़ों की एक और रोचक विशेषता उनका एकनिष्ठ व्यवहार है। कई प्रजातियों में नर और मादा लंबे समय तक एक ही जोड़ी के रूप में रहते हैं और रोजाना 'डांस' जैसे व्यवहार के माध्यम से अपने संबंध को मजबूत करते हैं। यह समन्वय प्रजनन प्रक्रिया को सफल बनाने में सहायक होता है। इसके अतिरिक्त, समुद्री घोड़े उत्कृष्ट छलावरण क्षमता रखते हैं। वे अपने आसपास के वातावरण के अनुसार रंग बदल सकते हैं और समुद्री घास या प्रवाल के बीच आसानी से छिप जाते हैं, जिससे वे शिकारियों से बच पाते हैं। उनकी पूंछ लचीली होती है, जिससे वे समुद्री पौधों को पकड़कर स्थिर रह सकते हैं, क्योंकि वे अन्य मछलियों की तरह तेजी से तैर नहीं पाते। हालांकि इन अद्भुत जीवों का अस्तित्व आज कई खतरों से घिरा है। समुद्री प्रदूषण, तटीय आवासों का विनाश, जलवायु परिवर्तन और अवैध व्यापार (विशेषकर पारंपरिक दवाओं और सजावटी वस्तुओं के लिए) इनके लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। इसलिए समुद्री घोड़ों का संरक्षण केवल जैव विविधता की रक्षा नहीं, बल्कि समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने के लिए भी आवश्यक है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	74,207.24	23,002.15
बढ़त	2496.89	775.65
प्रतिशत में	3.26	3.26

सोना 1,53,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,38,700 प्रति किलो

अमृत विचार

अयोध्या, शुक्रवार ,20 मार्च 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

आवासीय परियोजना से 3,000 करोड़ कमाएगी महिंद्रा लाइफस्पेस

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड को मुंबई में अपने नए आवासीय परियोजना से लगभग 3,000 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने की उम्मीद है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को एक नियामकीय सूचना में कहा कि उसने मुंबई के कांजुर में एलबीएस मार्ग पर एक मिश्रित-उपयोग परियोजना 'महिंद्रा रेनफॉरेस्ट' के पहले दो चरण की पेशकश की है।

'नवरात्रि महोत्सव' में ग्राहकों को कई तरह की छूट देगी ओला

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक ने 'नवरात्रि महोत्सव' की शुरुआत करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इसके तहत कंपनी के एस1 स्कूटर और रोडस्टर मोटरसाइकिल खंड पर 30,000 रुपये से अधिक के लाभ दिए जा रहे हैं। चैत्र नवरात्रि के नौ दिवसीय उत्सव के तहत कंपनी नकद छूट, विस्तारित वारंटी और 'इंस्टेंट कैशबैक' जैसे कई पेशकश लाई है। कंपनी के बयान के अनुसार, उत्सव के माहौल को और बढ़ाते हुए ओला इलेक्ट्रिक रोजाना 90 मिनट के 'मुहूर्त' खिड़की आयोजित करेगी। इसमें चुनिंदा मॉडल की सीमित इकाइयां विशेष एवं सीमित समय की कीमतों पर उपलब्ध होंगी। ओला के प्रवक्ता ने कहा कि यह 'नवरात्रि महोत्सव' हमारे ग्राहकों के साथ नए आरंभ और समृद्धि की भावना का उत्सव मनाने का तरीका है।

बीएमडब्ल्यू ने उतारा 'मिनी कूपर एस' का विक्ट्री संस्करण

जयपुर। जर्मनी की वाहन कंपनी बीएमडब्ल्यू ने लक्जरी कार ब्रांड 'मिनी' का विशेष संस्करण 'मिनी कूपर एस विक्ट्री संस्करण' बृहस्पतिवार को भारतीय बाजार में पेश किया। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सीमित संख्या में बनने वाली यह कार तुरंत ग्राहकों को उपलब्ध होगी। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के मुख्य कार्यकारी (सीईओ) हरदीप सिंह बरार ने यहां मीडिया से कहा कि इसे जयपुर में पहली बार पेश करते हुए भारतीय बाजार में उतारा गया है। इसकी शोरूम कीमत 57,50,000 रुपये है। इस विशेष संस्करण की सीमित कारें बनाई जाएंगी।

गुजरात को पछाड़ तमिलनाडु बना देश का शीर्ष वस्त्र निर्यातक

चेन्नई। तमिलनाडु वस्त्र निर्यात के मामले में देश का शीर्ष राज्य बनकर उभरा है। राज्य ने वित्त वर्ष 2024-25 में 799.717 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निर्यात दर्ज किए जो पिछले चार वर्षों में 29.12 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, पिछले चार वर्ष में राज्य के निर्यात मूल्य में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु ने गुजरात और महाराष्ट्र जैसे प्रतिस्पर्धी राज्यों को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया है।

तपूकड़ा संयंत्र में होंडा करेगी 1,500 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) राजस्थान के तपूकड़ा स्थित अपने संयंत्र में तीसरी उत्पादन लाइन स्थापित करने के लिए करीब 1,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में यह जानकारी देते हुए बताया कि इस नई इकाई के वर्ष 2028 में शुरू होने की उम्मीद है।

आईबीसी का दुरुपयोग करना अर्थव्यवस्था के लिए घातक : मुंबई हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी

मुंबई उच्च न्यायालय ने कर्ज न चुकाने वालों और गारंटी देने वालों द्वारा दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के प्रावधानों के दुरुपयोग पर कड़ी आपत्ति जताई है। अदालत ने कहा कि कर्ज चुकाने की अवधि में छूट (मोरेटोरियम) का लाभ उठाकर कानूनी सुरक्षा की आड़ लेने की यह प्रवृत्ति देश की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

न्यायमूर्ति मनीष पितले और न्यायमूर्ति श्रीराम शिरसाट की पीठ ने बुधवार को दिए एक आदेश में कहा कि चूककर्ताओं की ऐसी रणनीतियां आईबीसी के मूल उद्देश्य को विफल करती हैं और सुरक्षित लेनदारों द्वारा उठाए गए कानूनी कदमों को पंगु बना देती हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि जब कानूनी प्रावधानों का दुरुपयोग न्याय की विफलता का कारण बने, तो वह मूकदर्शक नहीं बनी रह सकती।

अदालत ने एक चिंताजनक प्रवृत्ति की ओर इशारा करते हुए कहा कि जानबूझकर कर्ज न चुकाने वाले लोग सुरक्षित लेनदारों और नीलामी खरीदारों को (वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम) 'सरफेसी अधिनियम' के तहत कार्रवाई करने से रोकने के लिए आईबीसी का सहारा लेते हैं।

पीठ ने यह भी कहा कि अक्सर देखा गया है कि कर्जदार पूरी नीलामी प्रक्रिया के दौरान शांत रहते हैं और अंत में आईबीसी के तहत मिलीभगत वाली कार्यवाही शुरू कर देते हैं ताकि ऋण भुगतान पर रोक का दावा किया जा सके। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आईबीसी का उद्देश्य संपत्ति के मूल्य को अधिकतम करना और सभी हितधारकों के हितों को संतुलित करना था। लेकिन चूककर्ताओं द्वारा अपनाई जा रही ये रणनीतियां इस उद्देश्य को विफल कर रही हैं, वहीं देश के वित्तीय स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचा रही हैं।

एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन का इस्तीफा, कमान मिस्त्री को

अतनु चक्रवर्ती ने त्याग पत्र में लगाया संचालन में अनैतिकता का आरोप, बोले-मेरे मूल्यों के अनुरूप नहीं

मुंबई, एजेंसी

देश के अग्रणी निजी ऋणदाता एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने बैंक के संचालन में अनैतिकता के आरोप लगाते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी श्री चक्रवर्ती ने 17 मार्च 2026 को तत्काल प्रभाव से अपना इस्तीफा दिया था। बैंक ने बुधवार देर रात शेयर बाजार को बताया कि उनका इस्तीफा 18 मार्च को दोपहर बाद तीन बजकर 17 मिनट पर प्राप्त हुआ। बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक से स्वीकृति मिलने के बाद श्री केकी मिस्त्री को तीन महीने के लिए अंतरिम अंशकालिक चेयरमैन नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति गुरुवार 19 मार्च से प्रभावी हो गयी है।

श्री चक्रवर्ती ने अपने त्यागपत्र में बैंक के संचालन के तौर-तरीकों पर गंभीर आरोप लगाये हैं। लिखा है कि पिछले दो वर्षों में मैंने बैंक के भीतर कुछ ऐसी घटनाएं और चलन देखे हैं जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों

और नैतिकता के अनुरूप नहीं रहे हैं। यही मेरे निर्णय (इस्तीफे) का आधार है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनके इस्तीफे का और "कोई अन्य महत्वपूर्ण कारण नहीं है"। उनके कार्यकाल में बैंक के एचडीएफसी लिमिटेड के साथ विलय का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा है कि इस रणनीतिक पहल ने एचडीएफसी बैंक को देश का दूसरा सबसे बड़ा बैंक बना दिया, हालांकि "इस विलय का लाभ अभी पूरी तरह साकार होना बाकी है"।

श्री चक्रवर्ती भारतीय प्रशासनिक सेवा से अप्रैल 2020 में सेवानिवृत्त हुए। उस समय वह वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव थे। वह मई 2021 में एचडीएफसी बैंक के निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशक के रूप में शामिल हुए थे। स्वतंत्र निदेशक के रूप में उनका तीन साल का कार्यकाल समाप्त होने के बाद मई 2024 में उन्हें दोबारा तीन साल के लिए स्वतंत्र निदेशक बनाया गया गया था। इस्तीफे की बात समाने आने के बाद गुरुवार को बैंक का शेयर आज एक समय 8.42 प्रतिशत लुढ़ककर 772 रुपये पर आ गया था। वहां से उबर कर यह शेयर समाचार लिखे जाने के समय 4.26 प्रतिशत की गिरावट में 807 रुपये पर चल रहा था। बुधवार को बैंक का शेयर 842.95 रुपये पर बंद हुआ था।

चिंताएं स्पष्ट करने को कहा गया था: सीईओ

मुंबई, एजेंसी। एचडीएफसी बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक शशिधर जगदीशन ने बृहस्पतिवार को कहा कि बैंक के पूर्व चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती को अपने इस्तीफे के फैसले पर पुनर्विचार करने, नैतिकता से संबंधित चिंताओं पर विस्तार से बताने और इस्तीफे में उपयोग किये गये कुछ शब्दों को वापस लेने के लिए कहा गया था। इस अप्रत्याशित कदम के बाद संवाददाताओं से बातचीत में बैंक के निदेशक मंडल के अधिकतर सदस्यों ने कहा कि वह चक्रवर्ती के इस कदम से 'हैरान' हैं क्योंकि उन्होंने इस्तीफे में जिन चिंताओं का जिक्र किया है, उनके बारे में साफ-साफ कुछ नहीं बताया।

मजबूत बुनियाद वाला संस्थान: एम. नागराजू

नयी दिल्ली, एजेंसी। वित्तीय सेवा सचिव एम. नागराजू ने बृहस्पतिवार को कहा कि एचडीएफसी बैंक 'मजबूत बुनियाद वाला मजबूत संस्थान' है। एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के नैतिक चिंताओं का हवाला देते हुए इस्तीफा देने के बाद नागराजू ने यह बात कही। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि एचडीएफसी बैंक मजबूत बुनियाद वाला मजबूत संस्थान है। बैंक के आवेदन पर भारतीय रिजर्व बैंक ने 18 मार्च, 2026 को केकी मिस्त्री को 19 मार्च, 2026 से तीन महीने की अवधि के लिए अंतरिम अंशकालिक चेयरमैन नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है।

इस्तीफा चिंता की बात नहीं: आरबीआई

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि बैंक के आचरण या शासन के संबंध में कोई बड़ी चिंता की बात नहीं है। आरबीआई ने बयान में कहा कि एचडीएफसी बैंक एक घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंक (डी-एसआईबी) है जिसके पास मजबूत वित्तीय स्थिति, पेशेवर तरीके से संचालित बोर्ड और सक्षम प्रबंधन दल है। हमारे समय-समय पर किए गए आकलन के आधार पर, इसके आचरण या शासन के संबंध में कोई बड़ी चिंता नहीं है। बयान में जोर दिया गया कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी है और उसकी वित्तीय स्थिति संतोषजनक बनी हुई है। साथ ही पर्याप्त नकदी भी मौजूद है।

एलपीजी की बुकिंग सामान्य की ओर लेकिन स्थिति अब भी चिंताजनक

घबराहट में की गई बुकिंग 13 मार्च को 87.7 लाख पहुंची थी, 18 को घटकर 57 लाख पहुंची

नयी दिल्ली, एजेंसी

देश में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) के भरे हुए सिलेंडर की बुकिंग युद्ध-पूर्व के सामान्य स्तर के करीब पहुंच रही है, जो स्थिति में धीरे-धीरे सुधार का संकेत है। हालांकि, पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण कच्चे माल की आपूर्ति में जारी व्यवधानों के चलते होटल सहित व्यावसायिक उपभोक्ताओं पर आपूर्ति प्रतिबंध अब भी लागू हैं। ईरान पर 28 फरवरी को हुए सैन्य हमलों से पहले देश के 33 करोड़ से अधिक घरेलू एलपीजी उपभोक्ता औसतन प्रतिदिन लगभग 55 लाख सिलेंडर बुक कर रहे थे। तनाव बढ़ने के बाद ''होर्मुज जलडमरूमध्य'' के बंद होने से भारत की लगभग 60 प्रतिशत गैस आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे व्यावसायिक आपूर्ति में कटौती करनी पड़ी और घरेलू उपभोक्ताओं में घबराहट के कारण भारी बुकिंग शुरू हो गई।

● पश्चिम एशिया संकट से पहले प्रतिदिन औसतन हो रही थी 55 लाख सिलेंडर की बुकिंग

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि 13 मार्च को घबराहट में की गई बुकिंग का आंकड़ा 87.7 लाख के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था, जो 18 मार्च को घटकर 56-57 लाख पर आ गया है। उन्होंने कहा कि घबराहट में की जाने वाली बुकिंग कम हो रही है और सरकार परिवारों को आपूर्ति में प्राथमिकता दे रही है।

शर्मा ने स्पष्ट किया कि गैस आपूर्ति की स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है, लेकिन किसी भी वितरक के पास भंडार पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। हालांकि, व्यावसायिक उपयोगकर्ताओं को उनकी आवश्यकता का केवल पांचवां हिस्सा (20 प्रतिशत) ही मिल पा रहा है।

उन्होंने बताया कि पिछले दो सप्ताह में घरेलू गैस उत्पादन में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियां बुकिंग के साथ तालमेल बिठाने के लिए अतिरिक्त पालियों में काम कर रही हैं।

सुजाता शर्मा ने बताया कि देश में ऑनलाइन बुकिंग बढ़कर 94% पहुंच गई है। करीब 83% रीफिल डिलीवरी 'डिलीवरी ऑथेंटिकेट' कोड यानी ओटीपी के जरिए हो रही है। पैनिक बुकिंग में कमी आ रही है। 18 मार्च को 56 लाख से अधिक की बुकिंग के मुकाबले 54.91 लाख सिलेंडरों की आपूर्ति की गई।

कोयला आपूर्ति को कोल इंडिया ने उठाए कदम

नयी दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि घरेलू कोयला उत्पादन उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप है। देश के कुल कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी रखने वाली कोल इंडिया ने एहतियाती कदम उठाते हुए चालू माह में 29 ई-नीलामी आयोजित करने की योजना बनाई है। इसके तहत लगभग 2.35 करोड़ टन कोयले की पेशकश की जाएगी। कोयला मंत्रालय ने बयान में कहा कि इन 29 नीलामियों में से 12 मार्च, 2026 से अब तक पांच नीलामी आयोजित की जा चुकी हैं। इनमें 73.1 लाख टन कोयले की पेशकश की गई थी, जिसमें से 31.96 लाख टन की बुकिंग हो चुकी है, जो ई-नीलामी में कोयले की पर्याप्त उपलब्धता को दर्शाता है।

दो सप्ताह में दिए पीएनजी के सवा लाख नये कनेक्शन

शर्मा ने बताया कि सरकार उपभोक्ताओं को पाइप के जरिये आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित कर रही है और पिछले दो सप्ताह में 1.25 लाख नए कनेक्शन जारी किए गए हैं। कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए राज्यों में छापेमारी और प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई जारी है। केंद्र सरकार ने 18 मार्च को सभी राज्य सरकारों को पत्र लिखकर उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने और मिट्टी के तेल (केरोसिन) जैसे वैकल्पिक ईंधनों को बढ़ावा देने का निर्देश दिया है।

टाटा ग्रुप के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन, भारत में ब्रिटिश हाई कमिश्नर लिंडी कैमरन और अन्य लोगों के साथ, नई दिल्ली में 'केबीई' का प्रतीक चिन्ह प्राप्त करने के बाद।

टाटा समूह के चेयरमैन को ब्रिटेन का 'नाइटहुड' सम्मान

नयी दिल्ली, एजेंसी

टाटा समूह के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन को भारत-ब्रिटेन व्यापार संबंधों को मजबूत करने में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए ब्रिटिश सरकार ने मानद 'नाइटहुड' से सम्मानित किया है।

ब्रिटिश उच्चायुक्त के आवास पर बुधवार रात आयोजित कार्यक्रम में उन्हें 'नाइट कमांडर ऑफ द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (केबीई)' की उपाधि प्रदान की गई। यह ब्रिटेन का एक प्रतिष्ठित सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जो विदेशी नागरिकों को उनकी असाधारण सेवाओं के लिए दिया जाता है।

ब्रिटिश उच्चायोग ने बयान में कहा कि टाटा समूह, ब्रिटेन में लंबे समय से निवेश करता आया है। यह निवेश मोटर वाहन, इस्पात, प्रौद्योगिकी और उपभोक्ता क्षेत्रों तक फैला है। यह ब्रिटेन में रोजगार, उन्नत विनिर्माण एवं स्वच्छ प्रौद्योगिकियों की ओर बदलाव को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरून ने चंद्रशेखरन को ब्रिटेन का बेहतरीन मित्र और भारत के कॉरपोरेट जगत की एक प्रतिष्ठित हस्ती बताया।

यह सम्मान ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय की ओर से कैमरून ने चंद्रशेखरन को प्रदान किया।

अमेरिका ने नहीं बदली ब्याज दरें महंगाई को लेकर बढ़ी चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट से उपजी वैश्विक अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में आये भारी उछाल के बीच अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बाजार की उम्मीद के विपरीत रेपो दरों में कोई कटौती नहीं की है। फेड की दो दिन चली बैठक के बाद बुधवार को जारी बयान में कहा गया है कि अर्थव्यवस्था की वृद्धि मजबूत बनी हुई है, लेकिन हाल के महीनों में नये रोजगार की रफ्तार सुस्त रही है और मुद्रास्फीति बढ़ी हुई है। साथ ही पश्चिम एशिया के घटनाक्रम के अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर प्रभाव में भी अनिश्चितता है।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने बताया कि समिति ने दरों को 3.5 से 3.75 प्रतिशत के बीच स्थिर रखने का फैसला किया है। समिति के 12 में से 11 सदस्यों ने फैसले के पक्ष में वोट दिया जबकि स्टिफन माइरन एक-चौथाई प्रतिशत की कटौती के पक्ष में थे। बयान में कहा गया है कि फेड का लक्ष्य रोजगार को अधिकतम करना और महंगाई दर को दो प्रतिशत पर रखना है। संवाददाताओं से बात करते हुए फेड के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा कि इस समय बेरोजगारी दर दीर्घावधि औसत के आसपास है और मुद्रास्फीति उससे एक प्रतिशत ऊपर है। उन्होंने कहा मुद्रास्फीति में जितनी कमी का अनुमान था उतनी देखने को नहीं मिली है।

आर्सेलर मित्तल और निप्पॉन शुरू करेंगी इस्पात संयंत्र पर काम

अमरावती, एजेंसी। आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया आंध्र प्रदेश में अपने प्रस्तावित एकीकृत इस्पात संयंत्र पर काम अगले सप्ताह से शुरू करेगी। इससे भारत की सबसे बड़ी नई इस्पात परियोजना की शुरुआत होगी। आर्सेलरमित्तल एवं निप्पॉन स्टील के संयुक्त उद्यम वाली यह कंपनी पहले चरण में करीब 70,000 करोड़ रुपये का निवेश कर विशाखापत्तनम के पास 82 लाख टन प्रति वर्ष क्षमता स्थापित करेगी।

बाजार में गिरावट एफपीआई के लिए भारत में निवेश का बड़ा अवसर : सेबी

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया संघर्ष के बाद शेयर बाजार में आई गिरावट विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए भारत में निवेश बढ़ाने का बेहद बड़ा अवसर पेश करती है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश चंद्र वार्ष्णेय ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय पूंजी बाजार इस समय काफी आकर्षक है और एफपीआई के रूप में पंजीकृत निवेशकों के लिए अच्छा अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने यहां रूस-भारत पूंजी बाजार एकीकरण मंच में कहा कि पिछले कुछ महीनों में जो हालात बने हैं, खासकर युद्ध शुरू होने के बाद...उसके मद्देनजर भारतीय शेयर बाजार में निवेश का बड़ा अवसर है। कई रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में एफपीआई भारतीय बाजारों में शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं और मार्च के पहले 12 दिन में ही उन्होंने 77,000 करोड़ रुपये से अधिक की बिकवाली की है। कार्यक्रम में वार्ष्णेय ने रूस से भारत में निवेश को सुगम बनाने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया और इसके लिए विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कार्यसमूह बनाने का प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने रूसी कंपनियों से भारत में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने का भी आग्रह किया और कहा कि कुछ विदेशी कंपनियों की भारतीय इकाइयों का मूल्यांकन उनके घरेलू बाजार में स्थित मूल कंपनी से अधिक होता है।

रूसी साझेदारों को रिजर्व बैंक उपलब्ध करा रहा रुपये के उपयोग के विकल्प

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपने रूसी व्यापारिक साझेदारों को भारतीय रुपये के उपयोग के लिए अधिक विकल्प उपलब्ध कराने पर काम कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक मौजूदा रूसी व्यापार साझेदारों के संचित भारतीय रुपये का निपटान करने को लेकर भारत में आयात के लिए या पूंजी निवेश करने के विकल्पों पर विचार कर रहा है।

आरबीआई के विदेशी मुद्रा विभाग के मुख्य महाप्रबंधक एन सेंथिल कुमार ने मुंबई में आयोजित रूस-भारत मंच में कहा कि हम रूसी साझेदारों द्वारा यहां संचित भारतीय

रुपये का उपयोग आयात के लिए या भारत में पूंजी निवेश आदि के लिए करने के विभिन्न विकल्प उपलब्ध कराने पर काम कर रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों से, दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार निपटान के लिए स्थानीय मुद्राओं पर ध्यान दे रहे हैं और डॉलर पर निर्भरता कम की है। पिछले वर्ष, आरबीआई को सरकारी प्रतिभूतियों में अधिशेष शेष राशि का निवेश करने की अनुमति दी गई थी। कुमार ने स्थानीय मुद्राओं में लेनदेन करने में संबंधित पक्षों के बीच ''सुस्ती'' का उल्लेख किया और कहा कि इसे दूर करने की आवश्यकता है।

कुमार ने कहा कि निर्यातकों और आयातकों के बीच स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को लेकर कुछ हद तक भरोसा होना चाहिए। इससे रुपये में होने वाले लेन-देन का स्तर बढ़ेगा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने रुपये-रूबल लेन-देन बढ़ाने का भी आग्रह किया। कुमार ने कहा कि लेन-देन के बिना बाजार विकसित नहीं हो सकता। इसलिए, जैसे-जैसे हम लेन-देन करते रहेंगे और देखेंगे कि रुपये-रूबल सौदों में लोगों की रुचि बढ़ रही है, वैसे-वैसे बाजार विकसित होता जाएगा।

उपलब्धि | बरेली की लीड्स जेनेटिक्स ने पायी बड़ी उपलब्धि

गिर मवेशियों के भ्रूण स्थानांतरण में 60% सफलता का दावा

बरेली, एजेंसी

कृषि व्यापार कंपनी बीएल एग्रो ने बृहस्पतिवार को बताया कि उसकी अनुषंगी कंपनी लीड्स जेनेटिक्स ने यहां अपने सुविधा केंद्र में ब्राज़ील से आयातित गिर मवेशियों के उच्च-गुणवत्ता वाले भ्रूण को 255 देसी गायों में सफलतापूर्वक स्थानांतरित किया है। कंपनी ने दावा किया है कि पहले बैच में गर्भधारण की सफलता दर 60 प्रतिशत रही, जो उद्योग के मानकों के हिसाब से एक रिकॉर्ड है। ये भ्रूण ब्राज़ील की कंपनी फेजेन्डा फ्लोरेशिया से लिए गए थे। इन्हें 'ओवम पिक-अप इन-विट्रो फ़र्टिलाइज़ेशन' (ओपीयू-आईवीएफ) तकनीक से तैयार किया गया था। ये गिर नस्ल के ऐसे मवेशियों से लिए गए हैं जिनमें प्रतिदिन 40 लीटर तक दूध देने की क्षमता है।

बीएल एग्रो के प्रबंध निदेशक, आशीष खंडेलवाल ने पत्रकारों को बताया कि भ्रूण स्थानांतरण के पहले बैच में शामिल 116 मवेशियों में गर्भधारण की सफलता दर 60 प्रतिशत रही है, जो उद्योग के मानकों के हिसाब से अपने आप में एक रिकॉर्ड है। भारत में देसी मवेशियों से दूध का औसत उत्पादन लगभग 4.5 लीटर प्रतिदिन है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक

गिर गाय के ब्राजील पहुंचने की कहानी

गिर नस्ल के मवेशियों के ब्राज़ील पहुंचने की कहानी एक सदी से भी ज़्यादा पुरानी है। उस समय बड़ौदा के महाराजा ने एक गिर गाय ब्राज़ील के एक परिवार को उपहार में दी थी। इसके बाद ब्राज़ील ने दशकों तक चुनिंदा प्रजनन पर शोध किया और एक ऐसी वंशावली विकसित की, जिसे अब दूध उत्पादन के मामले में आनुवंशिक रूप से श्रेष्ठ माना जाता है। बीएल एग्रो के भ्रूण स्थानांतरण कार्यक्रम के ज़रिये अब वही वंशावली भारत वापस लौट आई है।

देश है, लेकिन लंबे समय से यहां प्रति पशु कम उत्पादकता की समस्या बनी हुई है। भ्रूण स्थानांतरण का यह काम बरेली स्थित बीएल कामधेनु फार्म्स में किया गया। यहीं पर कंपनी का 'मवेशी प्रजनन और डेयरी प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र' भी स्थित है, जो अत्याधुनिक आईवीएफ, पैथोलॉजी और जीनोमिक्स प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है। जिन गायों में भ्रूण स्थानांतरित किया गया, वे गिर, साहीवाल और होल्स्टीन फ्रीज़ियन नस्ल की हैं। फेजेन्डा फ्लोरेशिया की पशु चिकित्सा विशेषज्ञ अमांडा फ़ैंटुची, जो इस भ्रूण स्थानांतरण प्रक्रिया की देखरेख कर रही थीं, ने बताया कि भारत में मिली सफलता दर ब्राज़ील की तुलना में कहीं ज़्यादा रही है।

लीड्स जेनेटिक्स अभी बिहार, महाराष्ट्र, पंजाब और हरियाणा की सरकारों से बातचीत कर रही है। इसका मकसद इस सुविधा केंद्र का इस्तेमाल करना और अलग-अलग राज्यों के देसी मवेशियों की नस्लों में सुधार के लिए राज्य सरकारों के साथ मिलकर ब्रीडिंग फ़ार्म स्थापित करना है। अपनी बेहतरीन दूध उत्पादन और बीमारियों से लड़ने की ताकत के लिए मशहूर 'गिर' नस्ल, भारत के देसी मवेशियों की नस्ल में सुधार के कार्यक्रम का एक अहम हिस्सा है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईद के मौके पर टीटीपी ने भी किया हमले रोकने का एलान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच अस्थायी संघर्ष विराम के कुछ ही घंटे बाद प्रतिबंधित पाकिस्तानी आतंकी समूह ने ईद के मद्देनजर तीन दिन तक हमले न करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के प्रवक्ता मोहम्मद खुरासानी ने कहा कि लोगों को ईद मनाने देने के लिए संघर्ष विराम किया गया है। अफगान तालिबान से अलग पहचान रखने वाला लेकिन फिलहाल उसके साथ हमले करने में शामिल टीटीपी ने 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से पाकिस्तान के अंदर हमले बढ़ा दिए हैं। अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र ने टीटीपी को प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन घोषित कर रखा है।

लातेहार में नक्सलियों की निशानदेही पर मिला हथियारों का जखीरा

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिले में पुलिस को नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। गिरफ्तार नक्सली अभियुक्त मृत्युंजय भुईयां उर्फ फरेश भुईयां उर्फ अवधेश जी उर्फ दिलीप भुईयां एवं बब्लू राम उर्फ बब्लूराम चंद्रवंशी उर्फ रोहित चंद्रवंशी उर्फ बब्लू जी उर्फ बब्लू कहार की निशानदेही पर पुलिस ने मिरचईया जंगल से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। पुलिस बताया कि 14 मार्च को न्यायालय में पेशी के उपरांत दोनों अभियुक्तों को छिपाकर रखे गए आग्नेयास्त्र, आईईडी एवं अन्य सामग्रियों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के लिए पांच दिनों के पुलिस रिमांड पर लिया गया था।

पटना में 20 हजार प्रतिबंधित इंजेक्शन बरामद, एक गिरफ्तार

पटना। बिहार में पटना जिले के रामकृष्णानगर थाना क्षेत्र से पुलिस ने 20 हजार से अधिक प्रतिबंधित इंजेक्शन बरामद कर एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पटना सदर 02 रंजन कुमार ने गुरूवार को बताया कि पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में मादक पदार्थों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है।इसी क्रम में आज रामकृष्णानगर थानांतर्गत अवैध रूप से प्रतिबंधित इंजेक्शन की खरीद-बिक्री किए जाने संबंधी सूचना प्राप्त हुई।इस सूचना की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया।

श्रीलंका: एयरबस सौदे में पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे ने ली थी छह करोड़ की घूस

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका की अदालत में बृहस्पतिवार को बताया गया कि पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को एयरबस सौदे के तहत छह करोड़ श्रीलंकाई रुपये की घूस दी गई थी। यह दावा 2017 के एयरबस मामले में मुख्य आरोपी कपिला चंद्रसेना ने किया।

वर्ष 2011 से 2015 तक राष्ट्रीय एयरलाइन के सीईओ रहे चंद्रसेना को पिछले सप्ताह गिरफ्तारी के बाद मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि राजपक्षे को 2015 में राष्ट्रपति रहते हुए उनके ग्रामीण दक्षिण के आवासों में तीन अलग-अलग मौकों पर दो-दो करोड़ रुपये दिए गए। पूर्व विमानन मंत्री प्रियंकारा जयरत्ना को भी रिश्वत का हिस्सा मिला। चंद्रसेना ने कहा कि

- मुख्य आरोपी राष्ट्रीय एयरलाइन के पूर्व सीईओ का कोर्ट में खुलासा

उन्हें स्वयं एयरबस से घूस मिली और पैसे उनकी पत्नी के खाते में जमा किए गए। दोनों को 2019 में गिरफ्तार कर जमानत दी गई थी।

श्रीलंका में 2024 में नया भ्रष्टाचार विरोधी कानून लागू होने के बाद घूस मामले की जांच के लिए जांच आयोग (सीआईएबीओसी) ने एयरबस मामले की पुनः जांच की। वर्तमान नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) सरकार ने 2024 के चुनावों से पहले भ्रष्टाचार समाप्त करने का वादा किया था।

पश्चिम एशिया संकट का असर

ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच जारी सैन्य संघर्ष के कारण वैश्विक विमानन क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। हवाई यात्रा न सिर्फ काफी हद तक अनिश्चित बल्कि काफी महंगी भी हो चुकी है। इस संकट की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इसे कोविड-19 महामारी के बाद सबसे बड़ा विमानन संकट माना जा रहा है। इस युद्ध का भारत पर भी गहरा असर पड़ा है जो उसके विमानन क्षेत्र को कई पहलुओं पर प्रभावित कर रहा है। भारत के लिए यह सिर्फ आर्थिक चुनौती ही नहीं, बल्कि लाखों नागरिकों की सुरक्षा और कूटनीतिक संतुलन का भी सवाल है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि युद्ध जल्द नहीं थमा, तो मध्य पूर्व के हवाई अड्डों की साख को स्थायी नुकसान पहुंच सकता है और दुनिया की प्रमुख एयरलाइंस अपने स्थायी रूट बदलने पर मजबूर हो सकती हैं।

हवाई यात्रा पर ग्रहण

अनिश्चित हुई हवाई यात्रा

- ईरान, इजराइल, जॉर्डन, इराक, कुवैत, कतर समेत कई देशों को सुरक्षा कारणों से अपना हवाई क्षेत्र बंद करना पड़ा है। इससे रोज 4,000 से अधिक उड़ानें रद्द या प्रभावित हुई हैं।
- दुबई, दोहा और अबू धाबी जैसे दुनिया के व्यस्ततम हवाई अड्डे, जो पूर्व और पश्चिम को जोड़ते हैं, वे संघर्ष की चपेट में आने या सुरक्षा खतरों के कारण बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।
- विमानों को अब ईरान और इराक के ऊपर से गुजरने के बजाय सऊदी अरब या अफ्रीका के लंबे रास्तों से जाना पड़ रहा है। इससे यात्रा का समय 2 से 5 घंटे तक बढ़ गया है।

यात्रियों पर सीधा असर

- रूट लंबा होने और ईंधन की बढ़ी कीमतों से हवाई टिकटों के दाम आसमान छू रहे हैं।
- भारत से यूरोप और अमेरिका जाने वाली उड़ानों के किराए में 50 से 200% तक की वृद्धि हुई है।
- उड़ानों के अचानक रद्द होने से दुबई और दोहा जैसे ट्रांजिट हब में लाखों यात्री फंस गए हैं।
- लंबी देरी से यात्रियों की कनेक्टिंग फ्लाइट छूट रही हैं, अंतरराष्ट्रीय यात्रा का शेड्यूल बिगड़ा।

वैश्विक और आर्थिक प्रभाव

- युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतें 100 प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। विमानन ईंधन एयरलाइन की लागत का 30-40% होता है, इसलिए एयरलाइंस को भारी घाटा हो रहा है।
- मध्य पूर्व में 2026 में पर्यटन में 13% की वृद्धि का अनुमान था, लेकिन अब 11 से 27% तक गिरावट आने की आशंका है। पर्यटन को 55 अरब डॉलर तक का नुकसान संभावित।
- यात्री उड़ानों के साथ मालवाहक विमान भी प्रभावित हुए हैं, जिससे मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और दवाओं जैसी आवश्यक वस्तुओं की वैश्विक आपूर्ति धीमी और महंगी हो गई है।

भारत के लिए बड़ा संकट

- भारत का अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है क्योंकि मध्य पूर्व भारत के लिए यूरोप और अमेरिका का मुख्य रास्ता है।
- दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े हवाई अड्डों से रोज सैकड़ों उड़ानें रद्द हो रही हैं। मार्च के पहले हफ्ते में ही 1,100 से अधिक उड़ानें प्रभावित हुई हैं।
- एयर इंडिया जैसी एयरलाइंस को अब युद्ध प्रभावित ईरान और इराक के हवाई क्षेत्र से बचकर ओमान और सऊदी अरब के रास्ते जाना पड़ रहा है।
- इससे उड़ानों का समय 2-3 घंटे बढ़ गया है और कुछ लंबी दूरी की उड़ानों को ईंधन भरने के लिए वियना या रोम जैसे शहरों में रुकना पड़ रहा है।

विमान ईंधन महंगा होने से एयरलाइंस ने फ्यूल सरचार्ज लगाना शुरू कर दिया है। घरेलू टिकटों पर 400 तक और अंतरराष्ट्रीय टिकटों पर 16,000 से 20,000 तक की बढ़ोतरी हुई है।

ऊर्जा उत्पादन अब राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला

पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच आदेश, तेल-गैस क्षेत्र की इकाइयों के लिए रोज आंकड़े देना अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में युद्ध के बीच सरकार ने ऊर्जा से जुड़ी जानकारी को राष्ट्रीय सुरक्षा मामले के रूप में वर्गीकृत किया है। इससे तेल एवं गैस क्षेत्र से जुड़ी सभी इकाइयों के लिए परिचालन (ऑपरेशन) की विस्तृत परिचालन जानकारी प्रदान करना अनिवार्य हो गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय का यह आदेश सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की रिफाइनरी कंपनियों, एलएनजी आयातकों, पाइपलाइन संचालकों, शहरी गैस वितरकों और पेट्रोरसायन कंपनियों पर लागू होगा और उन्हें पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) को नियमित रूप से दैनिक आधार पर विस्तृत जानकारी देनी होगी।

मंत्रालय की 18 मार्च को जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, इस आदेश में उत्पादन, आयात, भंडार स्तर और खपत के प्रतिरूप से संबंधित आंकड़े और जानकारी शामिल है। यह मौजूदा गोपनीयता प्रावधानों को निरस्त करता है। पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण गैस और एलपीजी आपूर्ति बाधित होने के बाद ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चिंताओं में वृद्धि के बीच यह कदम उठाया गया है। भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 88 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस का 50 प्रतिशत और एलपीजी का 60 प्रतिशत आयात करता है।

युद्ध शुरू होने से पहले, भारत द्वारा आयात किए जाने वाले कच्चे तेल का आधे से अधिक हिस्सा सऊदी अरब, इराक और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देशों से होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता था। एलपीजी का 85 से 95 प्रतिशत और गैस का 30 प्रतिशत हिस्सा भी इसी जलडमरूमध्य से आता था। युद्ध के कारण यह जलडमरूमध्य प्रभावी रूप से बंद हो गया है। इससे भारत की ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है।

आपूर्ति में आ रही रुकावट दूर करने का उद्देश्य

भारत ने हालांकि कच्चे तेल की आपूर्ति में आई रुकावट की भरपाई रूस, पश्चिम अफ्रीका, अमेरिका और लातिनी अमेरिका जैसे वैकल्पिक स्रोतों से आंशिक रूप से की है लेकिन खाड़ी देशों से आपूर्ति में कमी के कारण औद्योगिक और वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं को गैस और एलपीजी की आपूर्ति बाधित हुई है। मंत्रालय के इस आदेश का मकसद आपूर्ति में आने वाली रुकावटों पर त्वरित कदम उठाने, बिजली, उर्वरक और घरेलू एलपीजी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्राथमिकता देने और खरीद संबंधी बेहतर निर्णय लेने के लिए एक केंद्रीकृत, वास्तविक समय पर उपलब्ध आंकड़ा रूपरेखा तैयार करना है।

- अधिकारियों ने कहा कि इस पहल से भारत की आपूर्ति शृंखलाओं की निगरानी करने, बचे भंडार का प्रबंधन करने और वैश्विक झटकों के प्रति जोखिम को कम करने की क्षमता मजबूत होगी। नियामक ढांचे के सख्त होने के साथ ही कंपनियों को अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए 'डेटा रिपोर्टिंग' प्रणाली को अत्याधुनिक बनाना होगा। अधिकारियों ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा न केवल स्रोत पर बल्कि आपूर्ति शृंखला में वास्तविक समय की पारदर्शिता पर भी निर्भर करेगी।

- ईसी एक्ट 1955 के तहत आदेश

मंत्रालय ने आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत शक्ति का उपयोग करते हुए आदेश जारी किया। यह अधिनियम केंद्र सरकार को किसी भी आवश्यक वस्तु का भंडार रखने, उत्पादन करने, आयात-निर्यात या व्यापार करने वाले किसी भी व्यक्ति से उत्पादन, आपूर्ति, वितरण, स्टॉक या उपयोग संबंधी जानकारी मांगने का अधिकार देता है।

- इन आंकड़ों की देनी होगी सूचना

आदेश में कहा गया है, पेट्रोलियम उत्पादों या प्राकृतिक गैस के उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन, आयात, निर्यात, विपणन, वितरण या उपभोग में शामिल प्रत्येक इकाई को पीपीएसी को पेट्रोलियम उत्पादों या प्राकृतिक गैस के उत्पादन, आयात, निर्यात, भंडार, आवंटन, परिवहन, आपूर्ति, उपभोग और उपयोग से संबंधित जानकारी देनी होगी।

दो सप्ताह के अंदर सवा लाख लोगों ने लिया पीएनजी का नया कनेक्शन

5600 एलपीजी छोड़ पीएनजी पर आए

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर पाइप के जरिए गैस आपूर्ति के लिए पीएनजी कनेक्शन लेने की सरकार की अपील के बाद पिछले दो सप्ताह में लोगों ने लगभग सवा लाख नए पीएनजी घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक कनेक्शन लिए हैं जबकि तीन दिनों में 5600 से अधिक उपभोक्ताओं ने एलपीजी छोड़कर पीएनजी कनेक्शन लिया है। इस बीच सरकार ने एलपीजी के स्रोत में विविधता लाने के लिए अमेरिका से एलपीजी लेना शुरू कर दिया है और इसके साथ कई दूसरे देशों के साथ भी बातचीत कर रही है।

- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर अंतर मंत्रालयी ब्रीफिंग में कहा कि एलपीजी की स्थिति पश्चिम एशिया में अभी भी चल रहे युद्ध के कारण चिंताजनक बनी हुई है लेकिन किसी भी वितरक केंद्र पर गैस सिलेंडर की कमी नहीं है।
- उन्होंने कहा किऑनलाइन बुकिंग 94 प्रतिशत तक बढ़ गई है और 83 प्रतिशत रिफिल आपूर्ति वितरण प्रमाणीकरण के माध्यम से की जा रही है। घबराहट में की जाने वाली बुकिंग में कमी आई है।

रूसी हमले के बाद मोल्दोवा में पीने के पानी का संकट

बाल्टी (मोल्दोवा), एजेंसी

- देश के करीब बहने वाली नदी तेल से प्रदूषित, हजारों लोग प्रभावित

यूक्रेन में एक पनबिजली संयंत्र पर रूस के हमले के बाद एक प्रमुख नदी के तेल से प्रदूषित होने के कारण मोल्दोवा में पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है। इससे दसियों हजार लोगों को पेयजल की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है।

यह नदी यूक्रेन और मोल्दोवा दोनों देशों में बहती है। मोल्दोवा की राष्ट्रपति माइया सैंडू ने सात मार्च को यूक्रेन के नोवोदनिस्त्रोव्स्क जलविद्युत संयंत्र पर हुए हमले के बाद निस्टर नदी में हुए प्रदूषण के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि वह मोल्दोवा में जलापूर्ति के लिए खतरा पैदा कर रहा है। यह संयंत्र मोल्दोवा की यूक्रेन के साथ लगती उत्तरी सीमा से लगभग 15 किलोमीटर ऊपर की ओर स्थित है और मोल्दोवा की करीब 25 लाख आबादी के लगभग 80 प्रतिशत लोगों को पानी की आपूर्ति करता है। रूस ने 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से बांधों और बंदरगाहों जैसे यूक्रेन के असैन्य बुनियादी ढांचे को बार-बार निशाना बनाया है।

सैंडू ने 'एक्स' पर रविवार को एक पोस्ट में कहा, इसकी पूरी जिम्मेदारी रूस की है। मोल्दोवा के पर्यावरण मंत्रालय ने रविवार को 15 दिन के लिए पर्यावरण संबंधी चेतावनी की घोषणा की, जिससे अधिकारियों को तकनीकी हस्तक्षेप बढ़ाने और जलापूर्ति पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने के लिए कानूनी अधिकार मिल गया।

थापा ने छोड़ा नेपाली कांग्रेस प्रमुख पद

काठमांडू। नेपाल में हाल ही में हुए आम चुनावों में मिली करारी हार के बाद नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष गगन थापा ने पद से इस्तीफा दे दिया।

देश में पांच मार्च को हुए प्रतिनिधि सभा चुनावों में 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा का चुनाव हुआ था। नेपाली कांग्रेस को चुनावों में 38 सीट मिलीं जबकि उसका नारा था, 'इस बार 100 पार'। पार्टी ने 49 वर्षीय थापा को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया था लेकिन वह धनुषा-4 निर्वाचन क्षेत्र से राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अमरेश सिंह से हार गए। काठमांडू पोस्ट अखबार के अनुसार, पार्टी की केंद्रीय कार्य समिति की बैठक की तारीख तय होने के तुरंत बाद थापा ने राष्ट्रीय संसद के उपाध्यक्ष विश्व प्रकाश शर्मा को अपना इस्तीफा सौंप दिया। हालांकि अभी उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है।

पश्चिम बंगाल पर कब्जे की साजिश रच रहा है आयोग

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में 50 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को मनमाने ढंग से हटाए जाने पर बृहस्पतिवार को चिंता जताते हुए इसे उच्चतम स्तर का राजनीतिक हस्तक्षेप करार दिया। निर्वाचन आयोग (ईसी) की तीखी आलोचना जारी रखते हुए ममता ने दावा किया कि इस तरह की कार्रवाई संस्थानों के व्यवस्थित राजनीतिकरण के साथ संविधान पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग साजिश के तहत पश्चिम बंगाल पर कब्जा कराना चाहता है।

विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित करने के बाद निर्वाचन आयोग ने मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती, गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा के तबादले तथा डीजीपी पीयूष पांडे और कोलकाता पुलिस आयुक्त सुप्रतिम सरकार को हटाने समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों के तबादलों के आदेश दिए हैं। बुधवार को निर्वाचन आयोग ने वरिष्ठ अधिकारियों के नए फेरबदल का आदेश दिया, जिसमें दो सचिवों को दूसरे चुनावी राज्यों में पर्यवेक्षक

- अधिसूचना से पहले ही 50 अधिकारियों के ट्रांसफर पर भड़कीं ममता बनर्जी
- कहा- ये आयोग का उच्चतम राजनीतिक हस्तक्षेप और संविधान पर हमला

बना दिया गया, साथ ही 13 आईएएस और पांच आईपीएस अधिकारियों को चुनाव प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिकाओं में लगा दिया गया। ममता बनर्जी ने इस पर निर्वाचन आयोग की तीखी आलोचना करते हुए दावा किया कि चुनाव की औपचारिक अधिसूचना जारी होने से पहले ही 50 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को मनमाने ढंग से बिना किसी पूर्व सूचना के हटा दिया गया।

उन्होंने एक्स पर लिखा, जिस तरह से निर्वाचन आयोग ने बंगाल को निशाना बनाया है, वह न केवल अप्रत्याशित है, बल्कि बेहद चिंताजनक भी है।

सवाल उठाने वाले सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट कर रहा है केंद्र

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर सोशल मीडिया मंचों पर अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग की चेयरमैन सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि सरकार आलोचनात्मक आवाजों को नियंत्रित करने के लिए नए-नए तरीके अपना रही है।

उन्होंने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि संसद में भी विपक्ष की आवाज को दबाने

- कांग्रेस ने सरकार पर अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने का लगाया आरोप

के लिए माइक बंद कर दिए जाते हैं और अब सोशल मीडिया पर भी इसी तरह की कार्रवाई की जा रही है। उनका दावा है कि हाल ही में ट्विटर और इंस्टाग्राम पर कई ऐसे अकाउंट्स को बैन किया गया है, जो सरकार से सवाल पूछ रहे थे। श्रीनेत के अनुसार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के जरिए अकाउंट्स को बंद कराने का नया ट्रेंड शुरू किया गया है, जिससे यह तय किया जा रहा है कि सोशल मीडिया पर क्या कंटेंट रहेगा और क्या नहीं। कांग्रेस ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला बताया। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल करते हुए कहा कि सरकार युवाओं और आम लोगों के सवालों को दबाने की कोशिश क्यों कर रही है। उन्होंने कहा कि अकाउंट बैन करने से आवाजें नहीं दबेंगी, क्योंकि नए अकाउंट बनते रहेंगे।

शराब नीति प्रकरण में केजरीवाल को दो अप्रैल तक देना होगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 21 अन्य लोगों को ईडी की उस याचिका पर जवाब देने के लिए दो अप्रैल तक का समय दिया है, जिसमें शराब नीति मामले में निचली अदालत की ओर से उन्हें आरोपमुक्त करते समय निदेशालय के खिलाफ की गई कथित अनुचित टिप्पणियां हटाने का अनुरोध किया गया है।

न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने केजरीवाल के वकीलों की ओर से अधिक समय की मांग किए जाने पर नाराजगी भी जताई और कहा कि हाईकोर्ट दो अप्रैल को अगली सुनवाई के दौरान इस मामले में अंतिम सुनवाई की तारीख तय करेगी। ईडी के वकील ने कहा कि याचिका का जवाब दाखिल करने की कोई आवश्यकता नहीं है और यह मामले में देरी करने का प्रयास है।

करीब एक दशक बाद रत्नागिरी में दाऊद की पुश्तैनी जमीन का खरीदार मिला

मुंबई। महाराष्ट्र में रत्नागिरी जिले में भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़ी पैतृक कृषि भूमि की लंबे समय से लंबित नीलामी को आखिरकार खरीदार मिल गया है। केंद्र सरकार की ओर से नीलामी के दौरान मुंबई के एक बोलीदाता ने सभी चार भूखंडों के लिए सबसे ऊंची बोली लगाई है। करीब एक दशक से यह नीलामी अटकी पड़ी थी।

अधिकारियों के अनुसार, चारों कृषि भूखंड दाऊद इब्राहिम के पैतृक गांव रत्नागिरी के खेड़ तालुका के मुमके गांव में स्थित हैं। इनमें कई संपत्तियां उसकी मां अमीना बी के नाम दर्ज थीं। अभी तक सफल मुंबई के बोलीदाता की पहचान नहीं बताई गई है। नीलामी की शर्तों के अनुसार, बोलीदाता को अप्रैल 2026 की शुरुआत तक पूरा भुगतान करना होगा। सक्षम प्राधिकारी से मंजूरी मिलने के बाद अधिग्रहण और हस्तांतरण की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा। पिछले वर्षों में कई प्रयासों के बावजूद इन संपत्तियों की नीलामी नहीं हो पाई थी।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज काम की वजह से तनाव हो सकता है। यात्रा के दौरान कीमती सामान ले जाने से बचें। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें।

वृष – आज सेहत के दृष्टिकोण से दिन बहुत अच्छा है। आय के नए स्रोत विकसित होंगे। आप नया काम शुरू कर सकते हैं।

मिथुन – आज बड़ी कारोबारी डील हो सकती है। अपना काम बेहतरीन तरीके से करेंगे। बौद्धिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

कर्क – आज आध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद हो सकता है। कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त कार्यभार मिल सकता है।

सिंह – आज का दिन कारोबार के लिए सामान्य है। दूसरों के भरोसे जरूरी काम न छोड़ें। आपकी विनम्रता का लोग फायदा उठा सकते हैं।

कन्या – आज नया व्यापार आरंभ करने के लिए दिन उत्तम है। सभी काम समय पर पूर्ण हो जाएंगे। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा।

तुला – आज नया वाहन खरीदने का प्लान बना सकते हैं। क्रोध एवं उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। आपको पुरस्कार मिल सकता है।

वृश्चिक – आज जल्दबाजी में धनहानि होने की आशंका है। अपने स्वाभिमान का ध्यान रखें। मन की चंचलता परेशान करेगी।

धनु – आज अपने प्रयासों में कमी न होने दें। इसके कारण मन में हीनता की भावना आ सकती है। आपकी कोई योजना किसी कारणवश अटक सकती है।

मकर – आज कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त कार्यभार रहेगा। रुका हुआ काम अचानक बन सकता है। विरोधी आपके सामने कमजोर होंगे।

कुंभ – आज कारोबारी यात्रा होने के योग बन रहे हैं। व्यापार में बड़ा निवेश कर सकते हैं। आप अनावश्यक समय बर्बाद न करें।

मीन – आज घरेलू मामलों को लेकर व्यस्त रहेंगे। वैवाहिक संबंधों में मधुरता रहेगी। अनुसंधान संबंधी कार्यों में बड़ी सफलता मिल सकती है।

आज का पंचांग

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 20 मार्च, शुक्रवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वितीया 21 मार्च 02.30 तक तत्पश्चात तृतीया।

दिशाशूल- पश्चिम,**ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- रेवती 21 मार्च 02.27 तक तत्पश्चात अश्विनी।

सुडोकू - 93 का हल

1	3	2	6	9	5	4	7	8
9	7	4	3	8	1	5	6	2
8	6	5	7	4	2	9	3	1
3	5	9	8	6	7	1	2	4
6	4	8	2	1	3	7	9	5
2	1	7	9	5	4	6	8	3
7	8	1	5	3	6	2	4	9
4	2	3	1	7	9	8	5	6
5	9	6	4	2	8	3	1	7

सुडोकू -94

		5	9		2		3	
	3							9
		8				5	4	
6		2		8		3		
		1			3	9		
		4		7				2
5	8					2		
7							1	
	1		3		6	4		

नेपाल में चुनाव के अंतिम आंकड़े तैयार

काठमांडू। नेपाल के निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को आम चुनाव के अंतिम नतीजे प्रस्तुत किए, जिससे चुनाव प्रक्रिया का औपचारिक समापन हो गया।

प्रतिनिधि सभा के चुनाव पांच मार्च, 2026 को हुए, जिसमें 275 सदस्यीय निचले सदन (प्रतिनिधि सभा) के लिए मतदान हुआ। सभा के 275 सदस्यों में से 165 सदस्य प्रत्यक्ष मतदान और 110 आनुपातिक मतदान से चुने जाते हैं। आयोग के बयान के अनुसार, मुख्य निर्वाचन आयुक्त राम प्रसाद भंडारी ने राष्ट्रपति कार्यालय में आयोजित एक विशेष समारोह में राष्ट्रपति पौडेल को परिणाम प्रस्तुत किए।

बड़ा मुद्दा | औद्योगिक विवाद अधिनियम के तहत नौ सदस्यीय संविधान पीठ कर रही है सुनवाई

उद्योग की परिभाषा पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट की एक संविधान पीठ ने औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के तहत 'उद्योग' शब्द की परिभाषा के विवादास्पद मुद्दे पर अपना फैसला बृहस्पतिवार को सुरक्षित रख लिया।

सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने तीन दिन सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज और अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं जैसे

सात सदस्यीय पीठ ने 1978 में सुनाया था फैसला

सात सदस्यीय पीठ ने 21 फरवरी, 1978 को बैंगलोर जल आपूर्ति और मलजल शोधन बोर्ड की याचिका पर फैसला सुनाते हुए 'उद्योग' शब्द की परिभाषा का विस्तार किया, जिससे अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, क्लबों और सरकारी कल्याण विभागों में कार्यरत लाखों कर्मचारी औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के दायरे में आ गए।

शेखर नफाड़े, इंदिरा जयसिंह, सी यू सिंह और संजय हेगड़े समेत कई वकीलों की दलीलें सुनीं। इस पीठ में सीजेआई के अलावा न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची, न्यायमूर्ति आलोक अराधे और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली शामिल हैं। पीठ ने कहा कि वह श्रम संबंधों को नियंत्रित करने के लिए 'उद्योग' शब्द की व्यापक व्याख्या देने वाली सात सदस्यीय पीठ के 1978 के फैसले की वैधता की जांच करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने 16 फरवरी को नौ सदस्यीय संविधान पीठ के विचार के लिए व्यापक मुद्दे निर्धारित किए थे। कहा था, क्या बैंगलोर जल आपूर्ति एवं मलजल शोधन बोर्ड मामले (1978) में न्यायमूर्ति वीआर कृष्ण अय्यर के मत के अनुच्छेद 140 से 144 में निर्धारित जांच यह निर्धारित करने के लिए कि कोई उपक्रम या उद्यम 'उद्योग' की परिभाषा के अंतर्गत आता है या नहीं, सही कानून है। पीठ ने कहा था कि विचारणीय मुद्दों में एक यह भी होगा कि क्या सरकारी विभागों द्वारा की जाने वाली सामाजिक कल्याण गतिविधियों और योजनाओं या अन्य उद्यमों को औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 2(जे) के प्रयोजन के लिए 'औद्योगिक गतिविधियां' माना जा सकता है।

शानदार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को अपनी आक्रामकता और क्रीज पर लंबे समय तक टिके रहने के बीच सही संतुलन बनाना होगा, जैसा वीरेंद्र सहवाग ने अपने करियर के दौरान किया था।

-अनिल कुंबले

स्टेडियम

अयोध्या, शुक्रवार ,20 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

अगले वर्ष 29 अक्टूबर से शुरू होंगे राष्ट्रमंडल युवा खेल

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल युवा खेलों का आठवां चरण अगले साल 29 अक्टूबर से चार नवंबर तक माल्टा और गोजो में आयोजित किया जाएगा। उद्घाटन समारोह 29 अक्टूबर को होगा जिसके बाद 30 अक्टूबर से चार नवंबर तक स्पर्धायें होंगी। इन खेलों में आठ स्पर्धाएं तैराकी और पैरा तैराकी, एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, नेटबॉल, सेलिंग, स्क्वाश, ट्रायथलॉन, वॉटर पोलो और भारोत्तोलन शामिल हैं। राष्ट्रमंडल खेलों की मुख्य कार्यकारी केटी सैडलियर ने बृहस्पतिवार को एक विज्ञप्ति में कहा माल्टा 2027 एक रोमांचक और प्रतिस्पर्धी माहौल का वादा करता है। विश्व स्तर की सुविधाएं हमारे युवा खिलाड़ियों को अच्छा अनुभव देंगी जिससे कल के सितारों को प्रेरित करने और उन्हें विकसित करने में मदद मिलेगी।

इंग्लैंड दौरे से पहले आयरलैंड में टी-20 मैच खेलेगा भारत

नई दिल्ली। इंग्लैंड के सफेद गेंद के दौरे से पहले विश्व चैंपियन भारत जून में टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए आयरलैंड का दौरा करेगा। आयरलैंड के हाई परफोरमेंस निदेशक ग्राहम वेस्ट ने इस श्रृंखला की पुष्टि तब की जब उन्होंने पॉल स्टर्लिंग के टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान के पद से हटने के फैसले की घोषणा की। भारत 20 जून को खत्म होने वाली एक टेस्ट और तीन मैच की वनडे श्रृंखला के लिए अफगानिस्तान की मेजबानी कर रहा है। इसके बाद भारत एक जुलाई से 19 जुलाई तक पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे खेलने के लिए इंग्लैंड जाएगा।

सीएसके के तेज गेंदबाज चोटिल एलिस आईपीएल से बाहर

चेन्नई। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को आईपीएल के आगामी सत्र से पहले बड़ा झटका लगा है क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। टीम के एक अधिकारी ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। इकतीस साल के एलिस से उम्मीद थी कि वह टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे क्योंकि श्रीलंकाई गेंदबाज मथीशा पथिराना को कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपनी टीम में शामिल कर लिया है। सीएसके के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया, हां, वह बाहर हो गए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के क्षेत्ररक्षण कोच बने आयरलैंड के जॉन मूनी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने गुरुवार को घोषणा की कि उन्होंने आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जॉन मूनी को 28 मार्च से शुरू होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लिए अपना क्षेत्ररक्षण कोच नियुक्त किया है। मूनी (44 साल) किसी आईपीएल फ्रेंचाइजी के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बनने वाले पहले आयरिश क्रिकेटर हैं। वह मुख्य कोच हेमांग बदानी, मुनाफ पटेल (गेंदबाजी कोच), इयान बेल (सहायक कोच) और वेणुगोपाल राव (क्रिकेट निदेशक) के साथ जुड़ेंगे। मूनी 2018-2019 तक अफगानिस्तान के क्षेत्ररक्षण कोच थे और भारत में उनके ऐतिहासिक टेस्ट पदार्पण का हिस्सा रहे थे।

रोहित और विराट की तरह सैमसन की जगह कोई नहीं ले सकता

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग को संजू जैसे खिलाड़ी की तलाश

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने गुरुवार को कहा कि जिस तरह से रोहित शर्मा या विराट कोहली की जगह नहीं भरी जा सकती है उसी तरह से उनकी टीम में संजू सैमसन की कमी को पूरा नहीं किया जा सकता है। सैमसन ने 2021 से 2025 तक रॉयल्स की कप्तानी की। रॉयल्स ने सत्र से पहले उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स के साथ 'ट्रेड' कर दिया था और उनकी जगह रविंद्र जडेजा को अपनी टीम में शामिल किया।

पराग ने यहां सत्र पूर्व संवाददाता सम्मेलन में कहा अगर आप संजू भैया की बात कर रहे हैं तो उनके जैसे खिलाड़ी के स्थान पर किसी अन्य खिलाड़ी को रखने के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता। हम उनके जैसे कौशल वाले किसी खिलाड़ी की तलाश कर सकते हैं या उनकी जगह किसी अन्य को बल्लेबाजी करने के लिए कह सकते हैं। उन्होंने कहा, जिस तरह से विराट कोहली या रोहित शर्मा का कोई विकल्प नहीं है। ठीक उसी तरह से संजू भैया का भी कोई विकल्प नहीं हो सकता है क्योंकि वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। संजू राजस्थान रॉयल्स की तरफ से सर्वाधिक मैच खेलने और सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

उन्होंने हाल में टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करके टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया था। पराग ने कहा कि पिछले सत्र के आखिर में उनकी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था लेकिन इस बार वह ऐसी कोई गलती नहीं करेंगे। उन्होंने कहा पिछली बार हमने आखिरी पांच मैच में काफी गलतियां की लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा। हम पूरी तैयारी के साथ मैदान पर उतरेंगे। यकीन मानिए इस बार राजस्थान रॉयल्स कप जरूर जीतेगी। पराग ने कहा, किसी एक खिलाड़ी के दम पर हम मैच नहीं जीत सकते। यशस्वी जयसवाल और वैभव सूर्यवंशी ही टीम को जीत दिलवा दें तो यह कहना गलत होगा। पूरी टीम को अच्छा प्रदर्शन करना होगा और टीम इसके लिए तैयार है। रॉयल्स के कप्तान ने कहा कि उन्होंने युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को मीडिया से दूर रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा मैंने वैभव को अपना नैसर्गिक खेल खेलने को कहा है। मैंने उससे कहा है कि वह केवल गेंद को हिट करने पर ध्यान दें और अगर किसी तरह का दबाव होता है तो उसे यशस्वी संभाल लेंगे। पराग ने कहा राजस्थान रॉयल्स मेरे लिए आईपीएल में पहले दिन से घर जैसा रहा है। अब इस टीम का नेतृत्व करना मेरे लिए बेहद खास है और यह जिम्मेदारी मैं पूरी तरह से स्वीकार करता हूं। मैं हमारे कोच और नेतृत्व समूह के साथ मिलकर समझदारी भरा क्रिकेट खेलने के लिए उत्साहित हूं। रॉयल्स के मुख्य कोच कुमार संगकारा को पूरा भरोसा है की टीम रियान पराग की कप्तानी में अच्छा प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा रियान ने दबाव में संयम दिखाया है। क्रिकेट की अपनी अच्छी समझ का शानदार नमूना पेश किया है। पहले से ही नेतृत्व समूह का हिस्सा होने के नाते, उन्हें ड्रेसिंग रूम का सम्मान प्राप्त है। हमें विश्वास है कि वह कप्तान की भूमिका में शानदार प्रदर्शन करेंगे।

जयपुर में प्रेसवार्ता के दौरान राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग (बाएं) और टीम के मुख्य कोच कुमार संगकारा। एजेंसी

संजू राजस्थान रॉयल्स का चेहरा बन गए थे उन्हें खोना बहुत बड़ा नुकसान : फाफ डुप्लेसी

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसी का मानना है कि जिस तरह से महेंद्र सिंह धोनी चेन्नई सुपर किंग्स और विराट कोहली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पर्याय बन चुके हैं, इसी तरह से संजू सैमसन को राजस्थान रॉयल्स का चेहरा माना जा सकता है और उनका जाना टीम के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। सैमसन राजस्थान रॉयल्स की तरफ से दो कार्यकाल में 11 सत्र में खेले। वह इस टीम के सबसे सफल खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने रॉयल्स की तरफ से सर्वाधिक मैच खेलने के अलावा सर्वाधिक रन भी बनाए हैं। इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वह चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलेंगे। डुप्लेसी ने जिओ हॉटस्टार से कहा अगर हम आईपीएल की टीमों पर गौर करें तो अधिकतर टीमों के पास कोई एक ऐसा खिलाड़ी रहा है जो लंबे समय तक फ्रेंचाइजी का चेहरा रहा जैसे रोहित शर्मा, महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली। मैं संजू सैमसन को राजस्थान रॉयल्स के लिए उसी तरह का खिलाड़ी मानता हूं। उन्होंने कहा भले ही वह नई पीढ़ी के खिलाड़ी हैं, लेकिन वह उस फ्रेंचाइजी का चेहरा बन गए थे। जब मैं राजस्थान रॉयल्स के बारे में सोचता हूं, तो मुझे संजू सैमसन याद आते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि उनका किसी अन्य टीम से जुड़ना प्रशंसकों, आईपीएल और टूर्नामेंट के लिए बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि उन्होंने वहां बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। डुप्लेसी ने कहा कि सैमसन के जाने से राजस्थान रॉयल्स के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पर अतिरिक्त जिम्मेदारी आ जाएगी। सैमसन की मौजूदगी में जायसवाल अपना स्वाभाविक खेल खेलते थे लेकिन अब उन पर अधिक जिम्मेदारी आ गई है। उन्होंने कहा संजू की मौजूदगी में यशस्वी जायसवाल को अपना नैसर्गिक खेल खेलने का मौका मिलता था क्योंकि दूसरे छोर से संजू लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा था। अब ऐसा नहीं होगा और उन पर अधिक जिम्मेदारी होगी। उस तरह के बल्लेबाज के लिए यह महत्वपूर्ण होता है कि वह जिम्मेदारी के बारे में नहीं सोचें। इसलिए यह सत्र उनके लिए सीखने की एक प्रक्रिया होगी। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज लक्ष्मीपति बालाजी ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग को कप्तान नियुक्त करने के फैसले से उन्हें हैरानी हुई जबकि टीम में जायसवाल, ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और इंग्लैंड के सैम कुरेन जैसे अधिक अनुभवी खिलाड़ी मौजूद थे। उन्होंने कहा मुझे इस फैसले से थोड़ा हैरानी हुई क्योंकि उसके पास यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा जैसे भारतीय खिलाड़ी और सैम कुरेन के रूप में विदेशी खिलाड़ी है जो कप्तानी कर सकते थे। इसलिए मुझे यह एक तरह का जुआ लगता है। बालाजी ने कहा कि ऐसे में टीम के मुख्य कोच और क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में अभ्यास सत्र के दौरान टीम के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे। एजेंसी

फिनिशर के तौर पर कमाल दिखाना चाहते हैं आशुतोष

नई दिल्ली, एजेंसी

आशुतोष शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) जैसे बड़े मंच पर खेलने का दबाव महसूस नहीं करते और 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए पिछले सत्र के मुकाबले ज्यादा से ज्यादा मैच खत्म करने (फिनिश) पर फोकस कर रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के लिए अपने पहले सत्र में 'इम्पैक्ट प्लेयर' आशुतोष ने टूर्नामेंट की शुरुआत जोरदार तरीके से की थी। उन्होंने 31 गेंद में 66 रन बनाकर लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ एक रोमांचक जीत दिलाई थी। हालांकि वह और उनकी टीम टूर्नामेंट में मिली शुरुआती बढ़त का फायदा नहीं उठा सकी। टीम प्ले-ऑफ में जगह बनाने से भी चूक गई। आशुतोष ने 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल सत्र की तैयारियों के बारे में बात करते हुए पीटीआई से कहा तैयारियां बहुत अच्छी चल रही हैं। हमने सत्र पूर्व तीन-चार शिविर में हिस्सा लिया है। मेरी भूमिका पिछले साल जैसी ही रहेगी, टीम के लिए छठे या सातवें नंबर पर आकर मैच फिनिश करना।

चहल ने शराब छोड़ी, आईपीएल को प्राथमिकता दी

नई दिल्ली। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने पिछले सीजन में कई चोटों के बाद आईपीएल 2026 से पहले अपनी फिटनेस को प्राथमिकता दी है। 35 साल के चहल ने यह भी कहा कि उन्होंने अपनी टीम पंजाब किंग्स के लिए 150 प्रतिशत देने की कोशिश में शराब छोड़ दी है। चहल ने एबी डिविलियर्स के यू ट्यूब चैनल एबी डिविलियर्स 360 पर बताया, "केकेआर के गेम के बाद, मेरे कूल्हे में फ्रैक्चर हो गया और बाद में टूर्नामेंट में मेरी अंगुली की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया। तो सेमीफ़ाइनल (क्वालिफायर) और फ़ाइनल में, मैं अपनी सही लेगस्पिन वगैरह नहीं डाल पा रहा था। लेकिन इस साल मैं सबसे पहले अपने शरीर का ध्यान रखना चाहता था और मेरे पास आपके लिए एक अच्छी खबर है, मैंने शराब छोड़ दी है। छह महीने से ज़्यादा हो गए हैं। उन्होंने कहा अब, मैं 35 साल का हूँ, मैं और ज़्यादा एक्टिव रहना चाहता हूँ और अपनी टीम के लिए अपना 150 प्रतिशत देना चाहता हूँ।

बार्सिलोना, लिवरपूल और बायर्न क्वार्टर फाइनल में

चैंपियंस लीग

लंदन, एजेंसी

बार्सिलोना ने सात गोल किए और लिवरपूल ने चार गोल करके बुधवार को चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में बड़ी जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। एटलेटिको मैड्रिड ने टोटेनहम के पलटवार का का अच्छी तरह से सामना करते दूसरे चरण में 2-3 से हार के बावजूद 7-5 से जीत दर्ज करके अंतिम आठ में अपनी जगह सुरक्षित की। बायर्न म्यूनिख के लिए क्वार्टर फाइनल में पहुंचना सबसे आसान रहा। उसने बुधवार को अटलांटा को 4-1 से और कुल मिलाकर 10-2 से हराकर रियाल मैड्रिड के खिलाफ रोमांचक क्वार्टर फाइनल की नींव रखी।

चैंपियंस लीग में एक बार फिर गोल की बरसात हुई। बार्सिलोना ने रोमांचक मुकाबले में न्यूकैसल को दूसरे हाफ में बुरी तरह से हरा दिया और 7-2 से जीत हासिल की। न्यूकैसल में खेले गए पहले चरण में 1-1 से बराबरी पर रहने के बाद बार्सिलोना ने पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में लामिन यामल के पेनल्टी किक पर किए गए गोल से 3-2 से बढ़त हासिल की।

इसके बाद रॉबर्ट लेवांडोव्स्की ने दो गोल किए, फर्मिन लोपेज़ ने एक शानदार मूव को गोल में बदला जबकि राफिन्हा ने अपना दूसरा गोल किया। लिवरपूल ने एनफील्ड में गैलाटासराय पर 4-0 से आसान जीत हासिल की। वह इस्तांबुल में पहले चरण में एक गोल से हार गया था। मोहम्मद सलाह हालांकि पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में पेनल्टी पर गोल नहीं कर पाए जब कुल स्कोर 1-0 था। सलाह ने दूसरे हाफ में इसकी भरपायी कर दी। उन्होंने ह्यूगो एकिटिके और रयान ग्रेवेनबर्च को गोल करने में मदद की और फिर एक शानदार गोल किया। इस प्रतियोगिता में इंग्लैंड की रिकॉर्ड छह टीमें शामिल थीं और सभी टीमें राउंड ऑफ़ 16 तक पहुंचीं, लेकिन केवल आर्सेनल और लिवरपूल ही आगे बढ़ पाईं। चेल्सी को मंगलवार को मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। क्वार्टर फाइनल में रियाल मैड्रिड और बायर्न म्यूनिख आमने-सामने होंगे। लिवरपूल का सामना मौजूदा चैंपियन पीएसजी से, बार्सिलोना का एटलेटिको मैड्रिड से और आर्सेनल का स्पोर्टिंग लिस्बन से होगा।

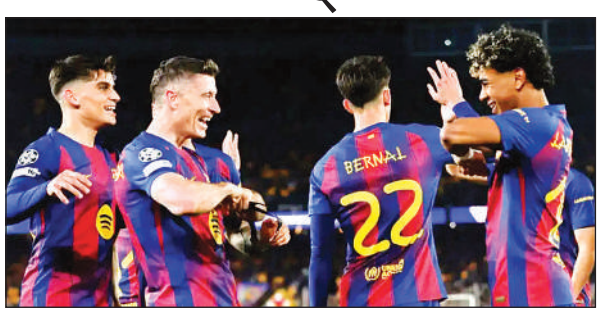

जश्न मनाती बार्सिलोना की टीम। एजेंसी

विश्व इनडोर एथलेटिक्स की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत को बृहस्पतिवार को पोलैंड में हुई विश्व एथलेटिक्स परिषद की बैठक में प्रतिष्ठित विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के अधिकार सौंपे गए जिसका आयोजन भुवनेश्वर में किया जाएगा।

यह फैसला पोलैंड के तोरून में 2025 विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप शुरू होने से ठीक एक दिन पहले अंतरराष्ट्रीय संस्था की बैठक में लिया गया। विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने पोलैंड से पीटीआई को बताया भारत को साल 2028 के लिए विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी सौंपी गई है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने इस साल की शुरुआत में विश्व इंडोर चैंपियनशिप के लिए अपनी दावेदारी पेश की थी।

जनवरी में विश्व एथलेटिक्स की दो सदस्यीय टीम ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम परिसर में बनी अत्याधुनिक इंडोर सुविधा का दौरा किया था। सुमारिवाला विश्व एथलेटिक्स परिषद के सदस्य और एएफआई के पूर्व अध्यक्ष भी हैं।

मेसी ने 900वां गोल किया

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका), एजेंसी

स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने अपने करियर का 900वां गोल करके अपनी कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ दिया।

मेसी ने इंटर मियामी की तरफ से खेलते हुए बुधवार की रात को नैशविले के खिलाफ कॉनकाफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ़ 16 मैच के शुरुआती मिनटों में गोल करके यह उपलब्धि हासिल की। लगातार दो बार मेजर लीग सॉकर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, आठ बार बैलोन डीओर विजेता और विश्व कप चैंपियन मेस्सी ने हमेशा की तरह अपने बाएं पैर से यह गोल किया। उन्हें खेल के सातवें मिनट में बॉक्स के बीच में पास मिला, उन्होंने गेंद को नियंत्रित किया और डिफेंडरों के बीच से उसे गोल पोस्ट के अंदर पहुंचा दिया। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार क्रिस्टियानो रोनाल्डो एकमात्र ऐसे पुरुष खिलाड़ी हैं जिन्होंने 900 से अधिक गोल किए हैं। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि हासिल करने में मेसी से लगभग 100 मैच अधिक खेले। रोनाल्डो ने सितंबर 2024 में 900 गोल पूरे किए।

• रोनाल्डो के क्लब में शामिल हुए स्टार फुटबॉलर लियोनेल

अनगिनत उपलब्धियां स्टार खिलाड़ी के नाम

यह उपलब्धि मेसी के करियर में अनगिनत पुरस्कारों और उपलब्धियों में शामिल हो गई है। इनमें ला लीगा के शीर्ष स्कोरर के रूप में आठ ट्रॉफी, छह बार ला लीगा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार, तीन बार सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार, तीन बार यूईएफए पुरुष प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार, दो फीफा विश्व कप गोल्डन बॉल और 15 बार अर्जेंटीना का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जाना शामिल हैं। मेसी ने क्लब और देश के लिए 47 ट्रॉफियां जीती हैं, जिनमें अर्जेंटीना के लिए 2022 विश्व कप और इंटर मियामी के साथ पिछले सत्र का एमएलएस खिताब शामिल है। इस तरह वह पुरुष फुटबॉल के इतिहास में सबसे अधिक खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। मेसी लगभग दो दशक तक बार्सिलोना की तरफ से खेलते रहे और उन्होंने अपने आधे से अधिक गोल स्पेन के इस क्लब की तरफ से ही किए हैं।

सर्वाधिक गोल में पेले सबसे आगे

कुछ लोगों का मानना है कि ब्राजील के दिग्गज पेले ने अपने करियर में 1,000 गोल का आंकड़ा पार कर लिया था, हालांकि आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार उन्होंने लगभग 800 गोल किए थे। विभिन्न स्रोतों के अनुसार पेले ने लगभग 1300 गोल किए थे। इनमें से कुछ गोल उन्होंने निचले स्तर की टीमों के खिलाफ किए थे। पेले ने लीग मैचों में लगभग 650 गोल किए थे।

महामुकाबले का इंतजार

कोच क्रेग फुल्टन ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि वे सही समय पर अच्छे फॉर्म में लौट आएंगें

हॉकी विश्व कप : विस्तृत रणनीति तैयार कर रही भारतीय टीम

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच क्रेग फुल्टन ने इस साल के आखिर में होने वाले विश्व कप में कड़े प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ विशेष और विस्तृत रणनीति तैयार करने की बात कही।

उन्होंने साथ ही मौजूदा समय में संघर्ष कर रही टीम का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि वे सही समय पर अच्छी फॉर्म में आ जाएंगे। भारत ने इस सत्र में अब तक सिर्फ एक मैच जीता है जो होबार्ट में खेला गया एफआईएच प्रो लीग मैच था जिसमें उसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की थी।

नीदरलैंड और बेल्जियम में 15 अगस्त से शुरू होने वाले विश्व कप के पूल डी में भारत का सामना शीर्ष वरीय इंग्लैंड, अपने पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान और मजबूत वेल्स से होगा।

ग्रुप चरण के सभी मैच नीदरलैंड के एमस्टेलवीन में स्थित वैगेनर हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति में फुल्टन के हवाले से कहा गया हम अपनी रणनीति, दबाव बनाने की रणनीति और अपनी 'फिनिशिंग' (गोल करने की क्षमता) पर कड़ी मेहनत करेंगे। ये वे छोटी-छोटी बातें हैं जो इस स्तर पर मैचों का नतीजा तय करती हैं। इस पूल में शामिल हर विरोधी टीम की अपनी अलग-अलग ताकत हैं इसलिए हमारी तैयारी भी हर टीम के हिसाब से खास और विस्तृत होगी।

अगले कुछ महीने हमारे लिए सबसे अहम हैं क्योंकि हमें ठीक सही समय पर अपनी बेहतरीन फॉर्म में आना है।

भारत के पूल डी मैचों का कार्यक्रम

15 अगस्त : भारत बनाम वेल्स (शाम 4:30 बजे)

17 अगस्त : भारत बनाम इंग्लैंड (शाम 6:30 बजे)

19 अगस्त : भारत बनाम पाकिस्तान (शाम 6:30 बजे)

ड्रॉ होने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए फुल्टन ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी टीम इस चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

उन्होंने कहा हम बहुत उत्साहित हैं। यह एक बहुत मजबूत ग्रुप है लेकिन विश्व कप में आप यही तो चाहते हैं कि आपका मुकाबला दुनिया की सबसे बेहतरीन टीमों से हो ताकि आपकी असली परीक्षा हो सके। टीम के शिविर में इस समय माहौल बहुत ही सकारात्मक है। खिलाड़ी पूरी तरह से प्रेरित और जोश से भरे हुए हैं। अब जब हमें अपनी विरोधी टीमों के बारे में पता चल गया है तो हमारी तैयारियों को लेकर हमारे मन में पूरी स्पष्टता और एक निश्चित लक्ष्य है।

फुल्टन ने इस बात पर जोर दिया कि हर टीम की खेलने की अनोखी शैली के हिसाब से अपनी रणनीति में बदलाव करने और उनका सम्मान करने की जरूरत है। उन्होंने कहा इंग्लैंड एक बहुत ही व्यवस्थित और शारीरिक रूप से मज़बूत टीम है। हमारे पूल में वह शीर्ष वरीय भी है। पाकिस्तान की टीम अपने खेल में एक अलग ही अंदाज और अप्रत्याशितता लेकर आती है। साथ ही हॉकी के खेल में उनका बहुत ही समृद्ध इतिहास रहा है इसलिए उन्हें कभी भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। फुल्टन ने कहा, वेल्स की टीम भी अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही है और वह भी पूरी ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ मैदान में उतरेगी। उन्होंने कहा, हम इस पूल में हर प्रतिद्वंद्वी टीम का सम्मान करते हैं लेकिन हमें उनके खिलाफ मुकाबले में खुद पर भरोसा है। भारतीय टीम 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।